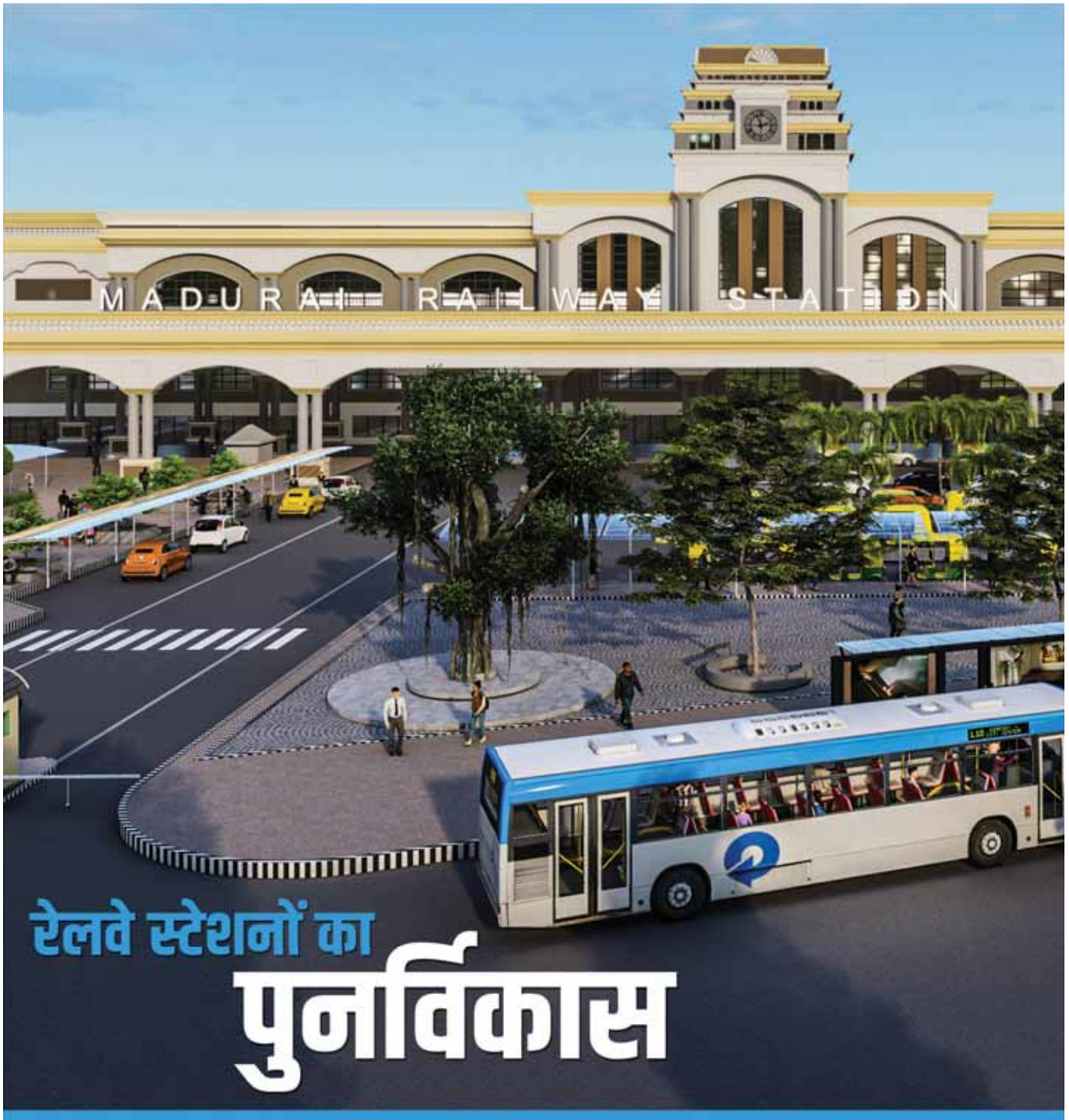
भारतीय रेल

जून 2022

मूल्य ₹ 20



रेलवे स्टेशनों का पुनर्विकास



मदुरै-तेनी
आमान परिवर्तित रेल लाइन का उद्घाटन



पांच स्टेशनों
के पुनर्विकास की आधारशिला रखी गई



तांबरम-चेंगलपट्टू
के मध्य तीसरी रेल लाइन का आरंभ

AAL®

Autometers Alliance Ltd

www.autometers.com



POWERING THE **RAIL TRANSPORT** EFFICIENTLY AND INTELLIGENTLY

ENERGY & EFFICIENCY / SAFETY & RELIABILITY

ISO 9001:2015 | ISO 14001:2015 | ISO 45001:2018

Power Electronics & Propulsion System



IGBT based Hotel Load Converter 2×500 kVA



IGBT based Underslung Converter 25kVA SGC



IGBT based SMPS Battery Charger 4.5kW + 2.5kW

Traction Switchgear and Panels



Master Controller



Key Multiplier



Vacuum Circuit Breaker



Earthing Switch



Auxiliary Supply Control Panel

Data Acquisition and Control Device



Vigilance Control Device



Tachograph System



Driver Display Unit



Pulse Generator



Active Speed Sensor



Diagnostics Terminal

Display and Passenger Information System

Onboard PAPIS



Central Electronic Control Unit



LCD based Dynamic Route Map Panel



Auxiliary Supply Control Panel

Station PAS/PIDS/MCS



Passenger Information Display System



Station Amplifier



IP based TFT Display



Passenger Announcement System Cabinet

C-63, Sector-57, Noida - 201 307 (U.P.) India

mktre@autometers.com

भारतीय रेल

रेल मंत्रालय की एकमात्र हिन्दी मासिक पत्रिका

आरंभ : 1960 | वर्ष : 62 | अंक : 11 | राजभाषा कीर्ति पुरस्कार से सम्मानित पत्रिका | जून 2022 | मूल्य : ₹20

संपादक मंडल

श्री विनय कुमार त्रिपाठी
अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी, रेलवे बोर्ड

श्री मोहित सिन्हा
सदस्य (वित्त), रेलवे बोर्ड

श्री आर.एन. सिंह
सचिव, रेलवे बोर्ड

श्री अमिताभ शर्मा
कार्यकारी निदेशक, सूचना एवं प्रचार

संपादक
योगेश अवस्थी

संपादकीय कार्यालय
संपादक, भारतीय रेल,
कमरा नं. 411, रेल भवन,
रायसीना रोड, नई दिल्ली-110 001
editorbhartiyarailrb@gmail.com
editorbhartiyarail@gmail.com

विज्ञापन व सदस्यता हेतु संपर्क
प्रशान्त कुमार पट्टनायक
व्यापार प्रबंधक
कमरा नं. 310, रेल भवन
रायसीना रोड, नई दिल्ली-110 001
टेलीफोन: 011-47845378, 47845089
bmpr310rb@gmail.com

संपादन सहयोग
रणमत सिंह

आवरण
प्रस्तावित मदुरै रेलवे स्टेशन की 3डी मॉडल इमेज

फॉलो करें
Twitter : @bhartiyarailrb
Instagram : bhartiyarailpatrika

इस पत्रिका में छपी हर सामग्री का सम्बन्ध, जब तक विशेषत: स्पष्ट न लिखा जाए, किसी सरकारी सूत्र से न समझा जाए।

वार्षिक सदस्यता शुल्क
(ऑफलाइन)
सर्वसाधारण - ₹250
रेलकर्मियों के लिए - ₹200
विदेश में
सी-मेल द्वारा - ₹1,250
एयर-मेल द्वारा - ₹2,500
एक प्रति - ₹20
वार्षिक विशेषांक - ₹70

© भारतीय रेल

5 **प्रधानमंत्री ने तांबरम-चेंगलपट्टु के बीच तीसरी बड़ी लाइन परियोजना**
राष्ट्र को समर्पित की और उद्घाटन ट्रेन सेवा को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

6 **भारत और बांग्लादेश के बीच मैत्री के बंधन की पुनर्स्थापना**
भारत के रेल मंत्री और बांग्लादेश के रेल मंत्री ने संयुक्त रूप से मिताली एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया

7 **रेल मंत्री ने वंदे भारत रेलगाड़ियों के निर्माण**
कार्य का निरीक्षण किया

8 **रेल मंत्री ने खजुराहो में विकास संबंधी**
परियोजनाओं की समीक्षा की

9 **रेल मंत्री ने रेलवे सुरक्षा बल के**
विशिष्ट और वीर जवानों को सम्मानित किया

10 **रेल मंत्री ने जयपुर-दिल्ली सराय रोहिल्ला-जयपुर सैनिक एक्सप्रेस**
रेलसेवा को दिखाई हरी झंडी

11 **रेल राज्य मंत्री ने अगरतला दौरे के दौरान रेल परियोजनाओं और अन्य**
बुनियादी ढांचे के विकास कार्यों की समीक्षा की

13 **रेल राज्य मंत्री द्वारा गुना स्टेशन पर**
यात्री सुविधाओं का लोकार्पण

14 **रीवा-सीएसटी समर स्पेशल ट्रेन का शुभारम्भ**

15 **अध्यक्ष, रेलवे बोर्ड ने आईआरसीटीसी के सहयोग से राष्ट्रीय रेल**
संग्रहालय के लिए ऑनलाइन टिकट प्रणाली की शुरुआत की

16 **अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी, रेलवे बोर्ड द्वारा**
चित्तरंजन लोकोमोटिव वर्क्स में 486वें विद्युत इंजन का शुभारंभ

18 **रेलवे में सी-डॉट के दूरसंचार समाधान के लिए**
समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर

20 **रेलवे सुरक्षा बल ने तस्करी मुक्त राष्ट्र के लिए**
एसोसिएशन फॉर वॉलेंटरी एक्शन के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए

22 **भारतीय रेल ने वित्तीय वर्ष 2021-22 के दौरान**
माल ढुलाई में कई रिकॉर्ड तोड़े

23 **संसद में भारतीय रेल**

28 **67वां राष्ट्रीय रेल पुरस्कार समारोह**
उत्साहपूर्वक सम्पन्न

39 **रेलों के अंचल से**

53 **भारतीय रेल में मनाया गया डॉ. बी.आर. अम्बेडकर जी का 131वाँ जन्म दिवस**

55 **खेल जगत्**

58 **अद्भुत, अद्वितीय है अटारी बॉर्डर पर होने वाला बीटिंग रिट्रीट समारोह**
श्री मनीष बाजपेई

61 **अदावत**
श्री विपिन पवार

66 **गीतकार-गायक कवि प्रदीप: एक ओजस्वी स्वर**
श्री अजय कुमार शर्मा

सम्पादकीय



भारत और बांग्लादेश के संबंधों की प्रतीक मिताली एक्सप्रेस

'मिताली' अर्थात् दोस्ती। भारत और बांग्लादेश के बीच मैत्री संबंधों को और मजबूती प्रदान करने के उद्देश्य से 1 जून, 2022 को न्यू जलपाईगुड़ी-ढाका-न्यू जलपाईगुड़ी मिताली एक्सप्रेस शुरू की गई है। इस ट्रेन को भारत के रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव और बांग्लादेश के रेल मंत्री श्री मोहम्मद नूरुल इस्लाम सुजान ने रेल भवन, नई दिल्ली से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से हरी झंडी दिखाई। यह नई यात्री सेवा हाल ही में बहाल की गई हल्दीबाड़ी-चिलाहाटी रेल लिंक के माध्यम से चलाई जा रही है।

भारत हमेशा से ही अपने सभी पड़ोसी देशों के साथ सांस्कृतिक तथा व्यापारिक संबंध बनाए रखना चाहता है। पड़ोसी देश में आई आपदा के समय उसके साथ खड़ा रहता है तथा जरूरी सामानों की आपूर्ति करता है। यदि हम पड़ोसी देश बांग्लादेश की बात करें तो कोविड के समय में ऑक्सीजन एक्सप्रेस के द्वारा 3,911 मीट्रिक टन ऑक्सीजन पहुँचाकर हमने अपनी दोस्ती का फर्ज निभाया था।

मिताली एक्सप्रेस को झंडी दिखाते हुए रेल मंत्री ने कहा "मिताली एक्सप्रेस इस दोस्ती को बढ़ाने, इस बंधन को मजबूत करते हुए इस रिश्ते को बेहतर बनाने में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि सिद्ध होगी। दोनों देशों के बीच सभी स्तरों पर मित्रता से विकास में बहुत तेजी आई है। इस दिशा में रेलवे के माध्यम से दोनों देशों के बीच काफी सहयोगात्मक प्रयास किए गए हैं। यह एक बहुत ही महत्वपूर्ण क्षण है, एक ऐसा क्षण जब हमें दोनों देशों के बीच अपने संबंधों को ओ अधिक प्रगाढ़ करने के लिए बड़े कदम उठाने चाहिए।"

यहाँ पर उल्लेखनीय है कि भारत-बांग्लादेश के बीच मिताली एक्सप्रेस के अलावा वर्तमान में कोलकाता-ढाका-कोलकाता मैत्री एक्सप्रेस, कोलकाता-खुलना-कोलकाता बंधन एक्सप्रेस सेवा में है। आने वाले समय में भारतीय रेल और भी ट्रेनें चलाने तथा रेल तकनीकी में बांग्लादेश को पूरा सहयोग करेगा।

भारतीय रेल विश्व स्तरीय स्टेशन बनाने व विकसित करने के लिए कटिबद्ध है। हाल ही में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने चेन्नै उपनगरीय नेटवर्क में तांबरम-चेंगलपट्टु के बीच तीसरी ब्रॉडगेज लाइन राष्ट्र को समर्पित की तथा पहली ट्रेन को हरी झंडी भी दिखाई। साथ ही, श्री मोदी ने तमिलनाडु के 5 रेलवे स्टेशनों-चेन्नै एळुंबूर, काटपाडी जंक्शन, मदुरै जंक्शन, रामेश्वरम और कन्याकुमारी के पुनर्विकास की आधारशिला भी रखी। इन स्टेशनों के पुनर्विकास परियोजना की कुल अनुमानित लागत ₹1,803 करोड़ है। ये स्टेशन पुनर्विकास के पश्चात् कितने सुंदर होंगे, इसका अंदाजा आपको पत्रिका के मुखपृष्ठ पर दर्शाई गई मदुरै रेलवे स्टेशन के प्रस्तावित श्री डी मॉडल इमेज से होगा।

आपको हमारा यह अंक कैसा लगा, हमें जरूर बताएँ।



प्रधानमंत्री ने तांबरम-चेंगलपट्टु के बीच तीसरी बड़ी लाइन परियोजना राष्ट्र को समर्पित की और उद्घाटन ट्रेन सेवा को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

- ***प्रधानमंत्री श्री नरेंद मोदी ने ₹506 करोड़ की लागत वाली नव आमान परिवर्तित मदुरै-तेनी 75 किमी बड़ी लाइन सेक्शन का उद्घाटन किया***
- ***प्रधानमंत्री ने तमिलनाडु में 5 रेलवे स्टेशनों-चेन्नै एळुंबूर, काटपाडी जंक्शन, मदुरै जंक्शन व रामेश्वरम के पुनर्विकास के लिए आधारशिला रखी। कन्याकुमारी परियोजना की कुल अनुमानित लागत ₹1,803 करोड़ है***

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी, ने 26 मई, 2022 को तमिलनाडु राज्य का दौरा किया और कई प्रमुख ढांचागत परियोजनाओं को राष्ट्र समर्पित किया, उद्घाटित किया या आधारशिला रखी। चेन्नै के नेहरू इंडोर स्टेडियम में आयोजित इस भव्य समारोह में तमिलनाडु के राज्यपाल, श्री के. एन. रवि, तमिलनाडु के मुख्यमंत्री श्री एम. के. स्टालिन और केंद्रीय मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी और सूचना और प्रसारण राज्य मंत्री डॉ. एल. मुरुगन उपस्थित थे।

कर्नाटक के मुख्यमंत्री श्री बसवराज एस बोम्मई, आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री वाई एस जगन मोहन रेड्डी, श्री नितिन गडकरी, केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री और श्री हरदीप सिंह पुरी, केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस, आवास और शहरी मामलों के मंत्री वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से समारोह से जुड़े थे।

समारोह में प्रधानमंत्री ने कहा कि बुनियादी ढांचा राष्ट्र के सामाजिक-आर्थिक विकास में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है और अनावरण की गई महत्त्वपूर्ण परियोजनाएं सीधे आर्थिक समृद्धि से जुड़ी हुई हैं।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने ₹598 करोड़ की लागत से बनी तांबरम और चेंगलपट्टू (30 किलोमीटर) के बीच तीसरी बड़ी लाइन राष्ट्र को समर्पित की। मुख्य चेन्नै उपनगरीय नेटवर्क में यह नई अतिरिक्त लाइन मेल/एक्सप्रेस ट्रेनों के समयपालन में सुधार के अलावा इस सेक्शन पर अतिरिक्त ईएमयू ट्रेन सेवाओं को शुरू करने का मार्ग प्रशस्त करेगी और चेन्नै उपनगरीय यात्रियों के लिए यात्रा के समय को काफी कम करेगी।



चेन्नै में आयोजित एक भव्य समारोह से तमिलनाडु राज्य की कई प्रमुख ढांचागत परियोजनाओं (रेल परियोजनाओं) को राष्ट्र को समर्पित करते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी

₹506 करोड़ की लागत से पूर्ण किया गया नव आमान परिवर्तित मदुरै-तेनी (75 किलोमीटर) सेक्शन विशेष रूप से कृषि उद्देश्यों के लिए परिवहन का एक विश्वसनीय, द्रुतगामी और सस्ता साधन प्रदान करेगा। इस क्षेत्र के साथ बेहतर कनेक्टिविटी से स्थानीय व्यापार और उद्योगों को बढ़ावा मिलेगा जिससे रोजगार के अवसर पैदा होंगे।

प्रधानमंत्री ने तमिलनाडु राज्य में 5 रेलवे स्टेशनों-चेन्नै एळुंबूर, काटपाडी जंक्शन, मदुरै जंक्शन, रामेश्वरम और कन्याकुमारी के पुनर्विकास के लिए आधारशिला भी रखी। इन पांच स्टेशनों के पुनर्विकास की अनुमानित कुल लागत ₹1,803 करोड़ है।

दक्षिण रेलवे द्वारा चेन्नै एळुंबूर, तांबरम, मदुरै, तेनी, काटपाडी, रामेश्वरम और कन्याकुमारी रेलवे स्टेशनों पर भी स्थानीय कार्यक्रमों का आयोजन किया गया था। इन स्थानों पर आयोजित समारोह में उस क्षेत्र के निर्वाचित प्रतिनिधियों ने भाग लिया था।

उपरोक्त रेलवे परियोजनाओं के अलावा, प्रधानमंत्री ने लाइट हाउस प्रोजेक्ट के तहत निर्मित 1,152 घर, ईटीपीएनएमटी पाइपलाइन का एन्नोर-चेंगलपेट सेक्शन और ईटीएनपीएनएमटी पाइपलाइन का तिरुवल्लूर बेंगलूरु सेक्शन राष्ट्र को समर्पित किया। प्रधानमंत्री ने चेन्नै-बेंगलूरु एक्सप्रेस-वे परियोजना, चेन्नै पोर्ट को मदुरावॉयल (एनएच-4) परियोजना से जोड़ने वाली 4 लेन डबल डेकर एलिवेटेड रोड, एनएच-844 परियोजना के 4 लेन नेरालुरु से धर्मपुरी सेक्शन, चेन्नै में मल्टी मॉडल लॉजिस्टिक पार्क और किमी 98/433 से किमी 129/965 तक एनएच-227 के मीनसुरुट्टी से चिदंबरम सेक्शन के पेव्ड शोल्डर्स के साथ 2 लेन की आधारशिला भी रखी।

भारत और बांग्लादेश के बीच मैत्री के बंधन की पुनर्स्थापना

भारत के रेल मंत्री और बांग्लादेश के रेल मंत्री ने संयुक्त रूप से मिताली एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया

- *''मिताली एक्सप्रेस भारत और बांग्लादेश के बीच दोस्ती को बढ़ाने में, इस बंधन को मजबूत करने में, इस रिश्ते को सुधारने में एक और महत्त्वपूर्ण उपलब्धि सिद्ध होगी'': श्री अश्विनी वैष्णव*



न्यू जलपाईगुड़ी-ढाका के बीच मिताली एक्सप्रेस को वर्चुअल माध्यम से रेल भवन, नई दिल्ली से संयुक्त रूप से झंडी दिखा कर रवाना करते हुए भारत के रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव और बांग्लादेश के रेल मंत्री मोहम्मद नूरुल इस्लाम सुजान

रेल के माध्यम से भारत और बांग्लादेश के लोगों के बीच संपर्क को और मजबूत करने के लिए भारत सरकार और बांग्लादेश ने कई बैठकों के बाद, हाल ही में बहाल की गई हल्दीबाड़ी-चिलाहाटी रेल लिंक के माध्यम से एक नई यात्री रेल सेवा मिताली एक्सप्रेस शुरू करने का निर्णय लिया। न्यू जलपाईगुड़ी (भारत)-ढाका (बांग्लादेश) के बीच इस तीसरी यात्री रेल सेवा मिताली एक्सप्रेस को वर्चुअल माध्यम से नई दिल्ली में रेल भवन से 1 जून, 2022 को भारत के रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव और बांग्लादेश के रेल मंत्री मोहम्मद नूरुल इस्लाम सुजान द्वारा संयुक्त रूप से झंडी दिखा कर रवाना किया गया। वैसे तो इस रेल सेवा का उद्घाटन 27 मार्च, 2021 को दोनों प्रधानमंत्रियों द्वारा वर्चुअल माध्यम से किया गया था, किंतु कोविड महामारी प्रतिबंधों के कारण यह ट्रेन शुरू नहीं की जा सकी थी।

इस अवसर पर अपने संबोधन में श्री वैष्णव ने कहा कि मिताली एक्सप्रेस इस दोस्ती को बढ़ाने, इस बंधन को मजबूत करने, इस रिश्ते को बेहतर बनाने में एक और महत्त्वपूर्ण उपलब्धि सिद्ध होगी। दोनों देशों के बीच सभी स्तरों पर मित्रता से विकास में बहुत तेजी आई है। दोनों देशों की रेलवे के बीच काफी सहयोगात्मक प्रयास किए गए हैं। यह एक बहुत ही महत्वपूर्ण क्षण है; एक ऐसा क्षण, जब हमें दोनों देशों के बीच अपने संबंधों को मजबूत करने के लिए बड़े कदम उठाने चाहिए।

मिताली एक्सप्रेस सप्ताह में दो दिन चलेगी (न्यू जलपाईगुड़ी से रविवार और बुधवार को 11:45 बजे और 22:30 बजे ढाका पहुंचेगी और सोमवार और गुरुवार को 21:50 बजे ढाका से चलेगी और 07:15 बजे न्यू जलपाईगुड़ी पहुंचेगी) और न्यू जलपाईगुड़ी से ढाका तक 595 किलोमीटर की दूरी तय करेगी (जिसमें से 61 किलोमीटर भारतीय हिस्सा है)। भारतीय रेल के एलएचबी कोच (जैसे मैत्री एक्सप्रेस और बंधन एक्सप्रेस में प्रयुक्त)



का उपयोग किया जाएगा, जिसमें 4 डिब्बे प्रथम वातानुकूलित श्रेणी, 4 डिब्बे वातानुकूलित चेयर कार और 2 इंजन शामिल हैं। ट्रेन में तीन श्रेणियां होंगी, जिनमें वातानुकूलित प्रथम श्रेणी (केबिन) शयनयान, वातानुकूलित प्रथम श्रेणी (केबिन) सीट और वातानुकूलित चेयर कार शामिल होंगी। इस ट्रेन का किराया क्रमशः 44 अमेरिकी डॉलर, 33 अमेरिकी डॉलर और 22 अमेरिकी डॉलर होगा।

मिताली एक्सप्रेस दोनों देशों के बीच पर्यटन को बढ़ावा देगी क्योंकि यह बांग्लादेश को उत्तर बंगाल के साथ-साथ भारत के पूर्वोत्तर क्षेत्र से जोड़ती है। यह ट्रेन भारत के माध्यम से बांग्लादेशी नागरिकों को नेपाल जाने का साधन भी प्रदान करेगी।

यह ट्रेन भारत-बांग्लादेश के बीच दो मौजूदा यात्री रेल सेवाओं, कोलकाता-ढाका-कोलकाता मैत्री एक्सप्रेस (सप्ताह में पांच दिन) व कोलकाता-खुलना-कोलकाता बंधन एक्सप्रेस (सप्ताह में दो दिन) के अतिरिक्त है, जिनकी सेवाएं कोविड महामारी संबंधी प्रतिबंधों के कारण निलंबित कर दी गई थीं, अब 29 मई 2022 से फिर से शुरू कर दी गई हैं।

रेल मंत्री ने वंदे भारत रेलगाड़ियों के निर्माण कार्य का निरीक्षण किया

- *रेल मंत्री ने चेन्नई एग्मोर रेलवे स्टेशन के लिए स्टेशन पुनर्विकास योजना की समीक्षा की व*
- *आईआईटी मद्रास में 'हाइपरलूप' चैंपियंस की सराहना की*

केंद्रीय रेल, संचार, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने चेन्नई की इंटीग्रल कोच फैक्ट्री (आईसीएफ) में स्वदेशी वंदे भारत रेलगाड़ियों के विनिर्माण कार्य का निरीक्षण किया। इस दौरान रेल मंत्री ने फैक्ट्री के कर्मचारियों से बातचीत कर उन्हें और बेहतर कार्य करने के लिए प्रेरित किया।

रेल मंत्री ने ट्वीट कर कहा: ''आईसीएफ चेन्नई में वंदे भारत विनिर्माण की प्रक्रिया तेजी से जारी है।'' भारतीय रेल ने 'मेक इन इंडिया' की सफलता की कहानी के एक उत्कृष्ट उदाहरण के रूप में देश की पहली स्वदेशी सेमी हाई स्पीड ट्रेन वंदे भारत एक्सप्रेस का शुभारंभ 15 फरवरी, 2019 को नई दिल्ली-वाराणसी मार्ग पर किया था। आईसीएफ इन-हाउस डिजाइन और निर्माण, कंप्यूटर मॉडलिंग तथा केवल 18 महीनों में सिस्टम एकीकरण के लिए आपूर्तिकर्ताओं के साथ मिलकर काम करने में प्रमुख शक्ति रही है।

श्री वैष्णव ने इस अवसर पर लिंके हॉफमैन बुश (एलएचबी) किस्म के 12 हजारवें डिब्बे का भी शुभारंभ किया। एलएचबी कोच एंटी-टेलीस्कोपिक, सुरक्षित, हल्के तथा अधिक आरामदायक हैं। सुरक्षा की दृष्टि से अधिक उपयोगी एलएचबी कोचों को पारंपरिक कोचों से चरणबद्ध तरीके से बदलने का कार्य किया जा रहा है।

श्री वैष्णव ने 19 मई 2022 की रात के समय चेन्नई के एग्मोर रेलवे स्टेशन का निरीक्षण किया और चेन्नई एग्मोर स्टेशन की पुनर्विकास परियोजना के मास्टर प्लान की समीक्षा की। रेल मंत्री ने चेन्नई एग्मोर के लिए प्रस्तावित पुनर्विकास योजनाओं और चेन्नई मेट्रो रेल लिमिटेड-सीएमआरएल के साथ इंटर-मॉडल कनेक्टिविटी की सुविधा के बारे में विस्तार से चर्चा की। मीडियाकर्मियों से बात करते हुए रेल मंत्री ने कहा, ''प्रधानमंत्री के पास भारतीय रेल की रूपरेखा बदलने का दृष्टिकोण है, क्योंकि उनका मानना है, भारतीय रेल के कायाकल्प से भारतीय अर्थव्यवस्था के परिवर्तन का मार्ग प्रशस्त होगा और विभिन्न श्रेणियों के स्टेशनों का पुनर्विकास उस बदलाव का एक अहम हिस्सा है।'' उन्होंने बताया कि चेन्नई एग्मोर स्टेशन की विरासत को विधिवत् बनाए रखते हुए इसका पुनर्विकास किया जाएगा, जिसके बाद यह स्टेशन आर्थिक गतिविधियों का केंद्र बन जाएगा।



इंटीग्रल कोच फैक्ट्री में स्वदेशी वंदे भारत रेलगाड़ियों के विनिर्माण कार्य का निरीक्षण करते हुए केंद्रीय रेल, संचार, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव

अपने पुनर्विकास के बाद चेन्नई एग्मोर दक्षिण रेलवे का दूसरा सबसे बड़ा टर्मिनल होगा और इसमें विश्व स्तरीय सुविधाओं सहित हवाईअड्डे जैसी विशेषताएं सुलभ होंगी, जिनमें अलग आगमन और प्रस्थान गलियारे, बेहतर रोशनी का प्रबंध और एस्केलेटर, लिफ्ट तथा स्काईवॉक द्वारा प्लेटफॉर्मों तक बिना परेशानी के पहुंच शामिल होगी।

अपनी यात्रा के दौरान रेल मंत्री श्री वैष्णव ने 'आविष्कार हाइपरलूप' के प्रयासों की सराहना की। यह आईआईटी मद्रास में एक उत्साही छात्र के नेतृत्व वाली टीम है, जो स्केलेबल हाइपरलूप प्रौद्योगिकियों को विकसित करके भारत में रेलवे की गतिशीलता के भविष्य को बदलने के लिए प्रतिबद्ध है। हाइपरलूप परिवहन का एक नया अभिनव तरीका है, जो देश में रेल के सफर को तेज, आसान और आधुनिक बनाने में सहायता करेगा और इससे कार्बन उत्सर्जन तथा ऊर्जा खपत को कम करने के लक्ष्य में भी मदद मिलेगी। यह न्यूनतम कार्बन फुटप्रिंट के साथ टिकाऊ, तेज और भविष्य के लिए आसानी वाला परिवहन समाधान है। इसकी अवधारणा शहरों के बीच निर्मित वैक्यूम ट्यूबों में ध्वनि की गति के आसपास यात्रा करने वाले लेविटेटिंग पॉड्स पर आधारित है।

भारतीय रेल ने स्वदेशी रूप से हाइपरलूप प्रौद्योगिकी आधारित परिवहन प्रणाली विकसित करने के लिए आईआईटी, मद्रास से हाथ मिलाया है, जो बुलेट ट्रेनों की तुलना में और तेजी से चलती है तथा इसकी परिचालन लागत काफी कम है। भारतीय रेल इस परियोजना के लिए आईआईटी मद्रास को ₹8.34 करोड़ की वित्तीय सहायता देगा।

रेल मंत्री ने खजुराहो में विकास संबंधी परियोजनाओं की समीक्षा की

- *खजुराहो के लिए वंदे भारत ट्रेन की घोषणा की*
- *जनप्रतिनिधियों के साथ क्षेत्र के विकास पर चर्चा की गई*
- *छतरपुर 'एक स्टेशनः एक उत्पाद' योजना में शामिल किया जाएगा*



विकास परियोजनाओं की जानकारी लेते हुए केंद्रीय रेल, संचार, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव

केंद्रीय रेल, संचार, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने खजुराहो झांसी राष्ट्रीय राजमार्ग/एक्सप्रेस-वे के अपने दौरे के दौरान कहा कि भारतीय रेल अपने यात्रियों को रेलवे स्टेशनों पर विश्व स्तरीय सुविधाएं प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

रेल मंत्री ने इस दौरान बुंदेलखंड क्षेत्र में प्रधानमंत्री ग्राम योजना में किए गए कार्यों की समीक्षा की। श्री वैष्णव ने महाराजा छत्रसाल कन्वेंशन सेंटर क्षेत्र की विकास परियोजनाओं का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान भारत सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री श्री वीरेन्द्र कुमार सहित अन्य लोक प्रतिनिधि भी उपस्थित थे।

परस्पर बातचीत के दौरान रेल मंत्री ने खजुराहो से वंदे भारत एक्सप्रेस के प्रचालन की घोषणा की। उन्होंने कहा कि छतरपुर और खजुराहो में दो रेक प्वाइंट अनुमोदित किए गए हैं। इसके अतिरिक्त, उन्होंने यह भी कहा कि अब 45,000 डाकघरों से रेल टिकट प्राप्त किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि जल्द ही महत्त्वपूर्ण स्थानों पर आरओबी/आरयूबी का निर्माण किया जाएगा। उन्होंने 'रामायण एक्सप्रेस' जैसी भारत गौरव रेलगाड़ियों के प्रचालन का भी उल्लेख किया, जिसका विद्युतीकरण अगस्त तक पूरा किया जाना है। उस समय तक वंदे भारत का प्रचालन भी आरंभ हो जाएगा। उन्होंने कहा कि क्षेत्र का विकास करते हुए प्रधानमंत्री के विजन 'सरकार लोगों की सेवा करने के लिए है' की भावना का पालन किया जाना चाहिए।

रेल मंत्री ने खजुराहो स्टेशन को विश्वस्तरीय स्टेशन बनाने के लिए उसके पुनर्विकास की भी जानकारी दी। श्री वैष्णव ने स्थानीय प्रशासन और रेलवे के साथ मिलकर किसानों को अपनी भूमि पर सोलर प्लांट लगाने के लिए प्रोत्साहित किया ताकि उनकी आय में वृद्धि हो सके। यह प्रायोजित परियोजना बुंदेलखंड से आरंभ की जाएगी। शीघ्र ही भूमि की पहचान की जाएगी। किसान मोर्चा, रेलवे और जिला प्रशासन संयुक्त रूप से स्थान की पहचान करेंगे। उन्होंने यह भी बताया कि 'एक स्टेशनः एक उत्पाद' योजना का भी विस्तार किया जा रहा है, जिससे कि स्टेशनों के माध्यम से स्थानीय स्तर के उत्पादों को बाजार में उपलब्ध कराया जा सके। इस योजना के तहत 1,000 स्टेशनों को शामिल किया जाएगा, जिसमें छतरपुर स्टेशन भी होगा। उन्होंने कहा कि पन्ना के पास चूना-पत्थर उद्योग महत्त्वपूर्ण हैं। पन्ना को रेलवे के साथ जोड़ा जाएगा।

इस अवसर पर उत्तर मध्य रेल के महाप्रबंधक श्री प्रमोद कुमार, पश्चिम मध्य रेल के महाप्रबंधक श्री सुधीर कुमार गुप्ता, मंडल रेल प्रबंधक श्री आशुतोष सहित जिला कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक और रेल प्रशासन एवं जिला प्रशासन के अधिकारी भी उपस्थित थे।

रेल मंत्री ने रेलवे सुरक्षा बल के विशिष्ट और वीर जवानों को सम्मानित किया

- *''रेलवे सुरक्षा को 'सबका प्रयास' के माध्यम से मजबूत किया जाएगा:'' आरपीएफ के अलंकरण समारोह में बोले रेल मंत्री*

विज्ञान भवन में 27 मई, 2022 को आयोजित एक भव्य अलंकरण समारोह में रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने वर्ष 2019, 2020 और 2021 के लिए भारत के माननीय राष्ट्रपति द्वारा वीरता के लिए राष्ट्रपति पदक, सराहनीय सेवा हेतु पुलिस पदक, विशिष्ट सेवा के लिए राष्ट्रपति पुलिस पदक और जीवन रक्षा पदक श्रृंखला से सम्मानित 104 आरपीएफ कर्मियों को सम्मानित किया। समारोह में श्री विनय कुमार त्रिपाठी, अध्यक्ष और मुख्य कार्यकारी अधिकारी, रेलवे बोर्ड, श्री. राजिंदर खन्ना, उप राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार, भारत सरकार और श्री राकेश अस्थाना, पुलिस आयुक्त, दिल्ली शामिल थे।

समारोह में एक मार्मिक क्षण भी आया जब स्वर्गीय श्री जगबीर सिंह की पत्नी श्रीमती सुनीता देवी रेल मंत्री से सम्मान प्राप्त करने के लिए मंच तक गई। उनके पति स्वर्गीय श्री जगबीर सिंह ने आदर्शनगर-आजादपुर रेल खंड, दिल्ली के बीच रेलवे ट्रैक पर 4 बच्चों की जान बचाते हुए अपने प्राणों की आहुति दे दी। उन्होंने अपने कर्तव्य से भी आगे बढ़कर अपनी जान की परवाह किए बिना इन बच्चों की जान बचाई। उनके बलिदान के लिए उन्हें मरणोपरांत वीरता का राष्ट्रपति पुलिस पदक और जीवन रक्षा पदक से सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर महानिदेशक, आरपीएफ ने रेलवे की संपत्ति की रक्षा करने वाले बल से आरपीएफ को सहानुभूति और करुणा के साथ यात्रियों की सेवा करने वाली इकाई में बदलने के बारे में संक्षेप में बताया। उन्होंने आरपीएफ की विभिन्न उपलब्धियों और यात्री सुरक्षा और सहायता, बच्चों को बचाने, मानव तस्करी, प्रौद्योगिकी के उपयोग, सामुदायिक पहुंच के क्षेत्र में की जा रही पहलों को रेखांकित किया। उन्होंने 'सेवा ही संकल्प' के उद्देश्य से व्यक्त बल के सेवा लक्ष्य को समझाया। उन्होंने जनता से रेल यात्रा करते समय जागरूक रहने और सावधानी बरतने का आह्वान किया, और जरूरत पड़ने पर आरपीएफ से तुरंत संपर्क का अनुरोध किया।



बहादुर जवानों को सम्मानित करते हुए रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव

समारोह के दौरान रेल मंत्री ने आरपीएफ जर्नल, आरपीएफ प्रशिक्षण नियमावली और आरपीएफ ड्रिल मैनुअल का विमोचन किया। सीसीटीवी सिस्टम के माध्यम से देश भर में निगरानी, विश्लेषण और पर्यवेक्षण के लिए सेंट्रल कमांड एंड कंट्रोल सेंटर, जो डीजी/आरपीएफ के नियंत्रण और पर्यवेक्षण के तहत केंद्रीय रूप से कार्य करेगी, की आधारशिला रेल मंत्री द्वारा रखी गई। छवि सुधारने और सॉफ्ट स्किल्स को विकसित करने के संबंध में प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण के अनुरूप सीआरआईएस द्वारा विकसित एक समर्पित आरपीएफ वेबसाइट का उद्घाटन किया गया। सीआरआईएस के सहयोग से विकसित 'मेरी सहेली' अकेले यात्रा करने वाली महिला यात्रियों की सुरक्षा के लिए है, जिसका रेल मंत्री द्वारा उद्घाटन किया गया। यह क्षेत्र में बेहतर समन्वय और निगरानी के लिए 'मेरी सहेली' टीमों की सहायता करेगा। इसके साथ-साथ जनता में जागरूकता पैदा करने के लिए एक समर्पित यूट्यूब चैनल का उद्घाटन किया गया। रेल मंत्री द्वारा विशेष रूप से डिजाइन की गई बैटल फटिग ड्रेस एक अतिरिक्त वर्दी, दृश्यता बढ़ाने, बल की प्रभावशीलता और बल कर्मियों के बीच विश्वास की भावना पैदा करने के लिए लॉन्च की गई। आरपीएफ के गौरवशाली इतिहास को प्रदर्शित करने और साथी कर्मियों के बीच भाईचारे की भावना पैदा करने हेतु आरपीएफ को रेल मंत्री द्वारा एक थीम गीत, आरपीएफ अमृत गीत, समर्पित किया गया। थीम सॉन्ग श्री आसकरण अटल द्वारा लिखा गया और नितिन शंकर द्वारा संगीतबद्ध किया गया और प्रसिद्ध बॉलीवुड गायक श्री जावेद अली द्वारा जोश के साथ प्रस्तुत किया गया।

इस अवसर पर रेल मंत्री ने वीरता पदक, जीवन रक्षा पदक, पीपीएम और आईपीएम सम्मान पाने वालों की सराहना की और राष्ट्र के परिवर्तन का आधार रेलवे के परिवर्तन के लिए प्रधानमंत्री की महत्वाकांक्षा को साझा किया।

उन्होंने रेलवे के परिवर्तन के लिए पांच बुनियादी तत्वों, जैसे अंत्योदय, प्रौद्योगिकी का समावेश, निवेश, संगठनात्मक पुनर्गठन और क्षेत्रीय इकाइयों के सशक्तीकरण पर प्रकाश डाला और कहा कि 5 तत्वों के इस ढांचे में आरपीएफ की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है, क्योंकि आरपीएफ की जनता के साथ अपने जुड़ाव के कारण विशिष्ट स्थिति है। रेल मंत्री ने यह भी संकेत दिया कि 'सबका प्रयास' के माध्यम से रेलवे सुरक्षा को मजबूत किया जाएगा। श्री वैष्णव ने संकेत दिया कि निर्धारित पूंजी निवेश के प्रावधान से आरपीएफ में एक बेहद अहम परिवर्तन आएगा। प्रोजेक्ट की योजना में सुरक्षा की योजना को अभिन्न अंग बनाया जाएगा। गति शक्ति निदेशालय में आरपीएफ अधिकारियों का भी प्रतिनिधित्व होगा।

रेल मंत्री ने जगाधरी, हरियाणा में आरपीएफ कमांडो (कोरस) प्रशिक्षण केंद्र स्थापित करने के लिए ₹30 करोड़ की मंजूरी की भी घोषणा की।

रेल मंत्री ने जयपुर-दिल्ली सराय रोहिल्ला-जयपुर सैनिक एक्सप्रेस रेलसेवा को दिखाई हरी झंडी

श्री अश्विनी वैष्णव, रेल, संचार, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री, भारत सरकार ने 12 मई, 2022 को नई दिल्ली से वीडियों कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से ट्रेन संख्या 14021/14022 जयपुर-दिल्ली सराय रोहिल्ला-जयपुर सैनिक एक्सप्रेस रेलसेवा को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। यह ट्रेन अब सप्ताह में तीन दिन की बजाय प्रतिदिन चलेगी और अब यह दिल्ली सराय रोहिल्ला के स्थान पर दिल्ली तक आएगी। इस अवसर पर सीकर स्टेशन पर सांसद, सीकर श्री सुमेधानंद सरस्वती, सांसद, झुंझुनूं श्री नरेन्द्र कुमार, जिला प्रमुख-सीकर, श्रीमती गायत्री कंवर, चेयरमैन-नगर परिषद् सीकर श्री जीवण खां व अन्य गणमान्य अतिथिगण उपस्थित थे।



सैनिक एक्सप्रेस रेलसेवा का शुभारंभ करते हुए रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव एवं अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री विनय कुमार त्रिपाठी

इस अवसर पर श्री वैष्णव ने कहा कि ''आज एक ऐतिहासिक दिन है, क्योंकि इस ट्रेन को अब ज्यादा फेरों के साथ अब सीकर से दिल्ली तक चलाया जाएगा। इससे सैनिक भाइयों के लिए राजधानी की यात्रा आसान हो जाएगी।'' इस क्षेत्र के लोग सेना के समस्त अंगों में अपनी सेवाएं दे रहे है, ऐसी जगह पर 'सैनिक एक्सप्रेस' नाम से रेलसेवा का संचालन अपना विशेष महत्त्व रखता है।



शुभारम्भ समारोह में रेलवे बोर्ड के चेयरमैन एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री विनय कुमार त्रिपाठी ने स्वागत संबोधन में कहा कि सुविधाएं उपलब्ध करवाने के लिए रेलवे सदैव प्रयासरत् है। इस अवसर पर श्री विजय शर्मा, महाप्रबंधक-उत्तर पश्चिम रेलवे ने अतिथियों स्वागत का किया।

इस समारोह में रेलवे बोर्ड के अन्य अधिकारीगण वीडियों कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से एवं सीकर में श्री नरेन्द्र, मण्डल रेल प्रबंधक-जयपुर सहित रेलवे अधिकारीगण उपस्थित रहे।

रेल मंत्री द्वारा साबरमती-दौलतपुर ट्रेन का शुभारंभ

केंद्रीय रेल, संचार और इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री, श्री अश्विनी वैष्णव तथा सांसद जालौर श्री देवजी मनसिंहराम पटेल द्वारा (नई दिल्ली से) वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से ट्रेन संख्या 19717/18 जयपुर-दौलतपुर चौक-जयपुर एक्सप्रेस रेल सेवा का विस्तार साबरमती तक (वाया आबूरोड-अजमेर-जयपुर) के संचालन का शुभारंभ आबूरोड स्टेशन से दिनांक 04 अप्रैल, 2022 को आबू रोड़, स्टेशन पर किया गया। इस विस्तारित रेल सेवा का शुभारंभ समानांतर रूप से आबूरोड स्टेशन पर आमंत्रित अतिथियों विधायक रेवदर श्री जगसीराम तथा प्रतिनिधि ब्रह्मकुमारी



जयपुर-दौलतपुर चौक-जयपुर एक्सप्रेस की विस्तारित रेल सेवा का वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से शुभारंभ करते हुए केंद्रीय रेल, संचार, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव

द्वारा हरी झंडी दिखाई गई। इस अवसर पर महाप्रबंधक उत्तर पश्चिम रेलवे श्री विजय शर्मा व मंडल रेल प्रबंधक श्री नवीन कुमार परसुरामका भी उपस्थिति थे।

रेल राज्य मंत्री ने अगरतला दौरे के दौरान रेल परियोजनाओं और अन्य बुनियादी ढांचे के विकास कार्यों की समीक्षा की

रेल, कोयला और खान राज्य मंत्री श्री रावसाहेब पाटिल दानवे ने 20 अप्रैल, 2022 को विभिन्न रेल परियोजनाओं और चल रहे बुनियादी ढांचे के विकास कार्यों की समीक्षा के लिए त्रिपुरा के अगरतला का दौरा किया। श्री दानवे ने अगरतला स्टेशन पर स्मारकीय राष्ट्रीय ध्वज का लोकार्पण किया। रेलवे सुरक्षा बल की टुकड़ी ने उन्हें 'गार्ड ऑफ ऑनर' दिया।

श्री दानवे ने अगरतला-सबरूम अनुभाग से विंडो ट्रेलिंग निरीक्षण किया, ताकि अन्य संरक्षा संबंधी उपकरणों के साथ-साथ ट्रैक और सिग्नल उपकरणों के विभिन्न पहलुओं का जायजा लिया जा सके। उन्होंने उदयपुर स्टेशन का निरीक्षण किया और प्रसिद्ध त्रिपुरेश्वरी मंदिर पर आधारित वास्तुकला की प्रशंसा की तथा उदयपुर स्टेशन पर यात्रियों से बातचीत भी की।

उन्होंने सबरूम स्टेशन यार्ड और सबरूम में बनने वाले लॉजिस्टिक पार्क का निरीक्षण किया, जो निर्बाध परिवहन के लिए एक रणनीतिक परियोजना है। निरीक्षण के दौरान रेल राज्य मंत्री के साथ पू.सी. रेल के महाप्रबंधक श्री अंशुल गुप्ता और वरिष्ठ रेल अधिकारी भी थे। उन्होंने माल परिवहन के संचालन के लिए स्टेशन यार्ड में प्रदत्त परिचालन पहलुओं और अभिनव विशेषताओं की भी समीक्षा की। उन्होंने लोडिंग/अनलोडिंग कार्यों को सुचारू रूप से चलाने के लिए उपलब्ध साधन और सुविधाओं का जायजा लेने के साथ-साथ सबरूम स्टेशन में मीडिया कर्मियों से संवाद भी किया।

बाद में श्री दानवे ने एकीकृत जांच चौकी (आईसीपी) का दौरा किया, जो त्रिपुरा के सबरूम में स्थापित की जा रही है। आईसीपी में सड़क, रेल और जलमार्ग कार्गो के संचालन के लिए बहुविषयक सुविधाएं शामिल करने की परिकल्पना की गई है। आईसीपी में माल की लोडिंग/अनलोडिंग के लिए रेलवे साइडिंग का प्रस्ताव है, जिसे प्रधानमंत्री की 'गति शक्ति टर्मिनल' नीति के तहत विकसित किया जाएगा। यह नीति इन परियोजनाओं को समयबद्ध तरीके से कार्यान्वित करने में मदद करेगी और उन्हें रेलवे के साथ सीधा संपर्क स्थापित करने में सक्षम बनाएगी। त्रिपुरा सरकार अतिरिक्त आर्थिक सृजन और अन्य विकासमूलक गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए सबरूम में लॉजिस्टिक हब स्थापित करेगी।



रेल राज्य मंत्री श्री रावसाहेब पाटिल दानवे द्वारा किया गया ट्रैक और सिग्नलिंग उपकरणों के विभिन्न पहलुओं का निरीक्षण

इससे पहले 19 अप्रैल को रेल राज्य मंत्री ने विभिन्न संरक्षा पहलुओं की जांच और न्यू बंगाईगांव-आगियाठरी दोहरी लाइन परियोजना के प्रगति कार्य का निरीक्षण करने के लिए कामाख्या से बरपेटा रोड तक विंडो ट्रेलिंग निरीक्षण किया। इस दोहरीकरण परियोजना के पूरा होने के साथ, व्यवधानों में कमी होकर अनुभाग की लाइन क्षमता में वृद्धि होगी, जिससे अधिक मालगाड़ी और यात्री ट्रेन के परिवहन को नियंत्रित किया जा सकेगा। उन्होंने बरपेटा जिले में कई सरकारी परियोजनाओं की भी समीक्षा की और बरपेटा के स्थानीय प्रशासन के साथ बैठक की।

एक बार इन अवसंरचनात्मक परियोजनाओं को प्रभावी ढंग से कार्यान्वित होने के बाद यह कनेक्टिविटी के सुधार में मदद करने के साथ-साथ पूर्वोत्तर क्षेत्र को आर्थिक परिवर्तन के लिए अग्रणी लॉजिस्टिक हब बनने में सहयोगी होगा।

भारत और बांग्लादेश के बीच अगरतला-अखौरा रेल लिंक परियोजना

अपने त्रिपुरा दौरे के दौरान रेल, कोयला और खान राज्य मंत्री श्री रावसाहेब पाटिल दानवे ने 21 अप्रैल, 2022 को पू. सी. रेल (ओपन लाइन एंड निर्माण संगठन) के अधिकारियों के साथ एक समीक्षात्मक बैठक की, जिसमें पूर्वोत्तर में चल रही सभी रेल परियोजनाओं और अन्य विकासमूलक कार्य की प्रगति के बारे में जानकारी ली। बैठक के दौरान उन्होंने सभी परियोजनाओं को निर्धारित समय सीमा में पूरा करने पर जोर दिया। श्री दानवे ने 22 अप्रैल, 2022 को निश्चिंतपुर (अगरतला, त्रिपुरा) को अखौरा (बांग्लादेश) से जोड़ने वाली अगरतला-अखौरा रेल लिंक परियोजना का भी निरीक्षण कर समीक्षा की।

उन्होंने अगरतला-अखौरा रेल लिंक परियोजना के निश्चिंतपुर स्टेशन यार्ड का

भी निरीक्षण किया, जहां अंतरराष्ट्रीय यात्रियों की सुविधा के लिए एक यात्री और कार्गो टर्मिनल का निर्माण किया जा रहा है। आधुनिक सुविधाओं से लैस यह स्टेशन यार्ड सामग्रियों एवं यात्रियों के ट्रांसशिपमेंट सुविधा के साथ-साथ भारत-बांग्लादेश व्यापार के उद्देश्य को पूरा करेगा। इसके अलावा स्टेशन यार्ड का उपयोग बांग्लादेश से आने-जाने वाले यात्रियों के दस्तावेज जाँच और सुरक्षा उद्देश्य के लिए किया जाएगा।

चल रही रेल लिंक परियोजना एक बार पूरी हो जाने के बाद भारत का पूर्वोत्तर हिस्सा रेल द्वारा त्रिपुरा से बांग्लादेश जुड़ जाएगा। इससे इस स्थल सीमा क्षेत्र के व्यापार, वाणिज्य और आर्थिक गतिविधियों को काफी वांछित बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। भारत और बांग्लादेश के बीच नई रेल लाइन के कारण अगरतला से कोलकाता के बीच यात्रा समय में उल्लेखनीय कमी आएगी। भारत के विभिन्न हिस्सों से मालवाही ट्रेनें काफी कम परिवहन लागत के साथ बांग्लादेश होकर पूर्वोत्तर क्षेत्र तक पहुंच सकती हैं।



अगरतला-अखौरा रेल लिंक परियोजना के निरीक्षण के दौरान रेल, कोयला और खान राज्य मंत्री श्री रावसाहेब पाटिल दानवे

श्री दानवे ने अगरतला के राज्य अतिथि गृह में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में चल रही रेल परियोजनाओं और अन्य बुनियादी ढांचा विकासमूलक कार्यों पर मीडिया कर्मियों से भी बातचीत की।

अपने मूल गोथिक विरासत गौरव स्वरूप में
भायखला रेलवे स्टेशन



श्री रावसाहेब दादाराव पाटिल दानवे, रेल, कोयला एवं खान राज्य मंत्री द्वारा श्री देवेंद्र फडणवीस, नेता प्रतिपक्ष, महाराष्ट्र विधान सभा, की उपस्थिति में भायखला रेलवे स्टेशन का उसके विरासत स्वरूप में उद्घाटन किया गया

डेढ़ शताब्दी से भी अधिक पुराना (169 वर्ष) भायखला रेलवे स्टेशन, जो मुंबई के सबसे पुराने स्टेशनों में से एक है जिसे सन् 1853 में चालू किया गया था, अपनी विरासत स्थापत्य महिमा पर लौट आया है।

परियोजना का औपचारिक उद्घाटन 29 अप्रैल को भायखला रेलवे स्टेशन, प्लेटफॉर्म नंबर 1 पर श्री रावसाहेब दादाराव पाटिल दानवे, रेल, कोयला एवं खान राज्य मंत्री द्वारा सम्पन्न हुआ। श्री देवेंद्र फडणवीस, नेता प्रतिपक्ष, महाराष्ट्र विधान सभा, श्रीमती शाइना एनसी, ट्रस्टी, 'आई लव मुंबई' बजाज समूह की श्रीमती मीनल बजाज और श्री नीरज बजाज और जमनालाल बजाज फाउंडेशन, विरासत संरक्षण वास्तुकार आभा नारायण लांबा, श्री अनिल कुमार लाहोटी, महाप्रबंधक, मध्य रेल, श्री ए.के गुप्ता प्रधान मुख्य यांत्रिक अभियंता, श्री अश्विनी सक्सेना प्रधान मुख्य अभियंता, मुख्य वाणिज्य प्रबंधक /यात्री सेवा श्रीमती इति पांडे, अपर मंडल रेल प्रबंधक/इंन्फ्रा. मुंबई मंडल, श्री प्रदीप पाल और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

श्री दानवे जी ने इस अवसर पर कहा कि महाराष्ट्र में 25 रेलवे स्टेशनों को अपग्रेडेशन के लिए चिन्हित किया गया है। रेलवे स्टेशनों की यात्री सुविधाओं और स्वच्छता में उल्लेखनीय बदलाव आया है। उन्होंने भायखला रेलवे स्टेशन की विरासत संरक्षण परियोजना के सभी हितधारकों को बधाई दी।

इससे पहले श्री फडणवीस ने कहा कि भायखला भारत का सबसे पुराना रेलवे स्टेशन है और पूरी योजना और क्रियान्वयन का कार्य पूरा कर लिया गया है और इस रेलवे स्टेशन को उत्कृष्टता के साथ लगभग मूल, प्राचीन, विरासत वास्तुकला में बहाल कर दिया गया है।

रेल राज्य मंत्री द्वारा गुना स्टेशन पर यात्री सुविधाओं का लोकार्पण

केंद्रीय रेल एवं वस्त्र राज्य मंत्री श्रीमती दर्शना जरदोश द्वारा 15 मई, 2022 को गुना स्टेशन पर 100 फुट ऊंचे स्मारकीय राष्ट्रीय ध्वज एवं यात्री सुविधाओं का लोकार्पण किया गया। इस अवसर पर पंचायत और ग्रामीण विकास मंत्री, मध्य प्रदेश श्री महेंद्र सिंह सिसोदिया, सांसद, गुना डॉ. कृष्णपाल सिंह यादव, विधायक, गुना श्री गोपीलाल जाटव एवं अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

इस अवसर पर श्रीमती रेल राज्य मंत्री श्रीमती दर्शना जरदोश ने कहा कि गुना रेलवे स्टेशन बीना-कोटा सेक्शन और ग्वालियर-मक्सी सेक्शन के मध्य में स्थित प्रमुख जंक्शन है। इस क्षेत्र में बीना-गुना-रूठियाई-कोटा के दोहरीकरण का कार्य तेज गति से चल रहा है। इस कार्य से इस क्षेत्र का आर्थिक एवं सामाजिक विकास होगा।

कार्यक्रम के दौरान मण्डल रेल प्रबंधक श्री सौरभ बंदोपाध्याय ने बताया कि गुना स्टेशन पर यात्री सुविधाओं में बढ़ोत्तरी की कड़ी में प्लेटफॉर्म नंबर 01 पर लिफ्ट की स्थापना की गई है। इससे वरिष्ठ एवं दिव्यांगजन यात्रियों को दूसरे प्लेटफॉर्म्स पर जाने-आने में सहूलियत होगी।



गुना स्टेशन पर यात्री सुविधाओं का लोकार्पण करती हुईं रेल राज्य मंत्री श्रीमती दर्शना जरदोश

मिशन 'रेल कर्मयोगी' के तहत 51,000 से अधिक अग्रिम पंक्ति के रेलकर्मियों को प्रशिक्षित किया गया

मिशन 'रेल कर्मयोगी' के तहत 51,000 से अधिक अग्रिम पंक्ति के रेल कर्मचारियों को प्रशिक्षित किया गया है। इन कर्मचारियों को उन मास्टर ट्रेनरों द्वारा प्रशिक्षित किया गया है, जिन्होंने खुद भारतीय रेल परिवहन प्रबंधन संस्थान (आईआरआईटीएम) से प्रशिक्षण प्राप्त किया है। आईआरआईटीएम रेल मंत्रालय के अंतर्गत एक केंद्रीकृत प्रशिक्षण संस्थान है।

आईआरआईटीएम में 28 फरवरी, 2022 से मास्टर ट्रेनरों का प्रशिक्षण शुरू हो गया है। इसके प्रत्येक बैच में अलग-अलग क्षेत्रीय रेलवे के सात मंडलों के मास्टर ट्रेनर शामिल हैं। ये मास्टर ट्रेनर पहले ही क्षेत्र में 51,000 से अधिक फील्ड प्रशिक्षुओं को प्रशिक्षित कर चुके हैं।

भारत सरकार द्वारा 'मिशन कर्मयोगी' का शुभारंभ 20 सितंबर, 2020 को दुनिया में क्षमता निर्माण के सबसे महत्त्वपूर्ण पहल में से एक के रूप में किया गया था। रेल मंत्रालय ने सरकारी कर्मचारियों के दृष्टिकोण और कौशल में बदलाव के प्रधानमंत्री के आह्वान के अनुरूप सबसे पहले कदम उठाया। प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए अनुकूलित पाठ और ऑडियो-विजुअल सामग्री तैयार करने हेतु क्षमता निर्माण एवं व्यवहार परिवर्तन के विशेषज्ञों की मदद ली गई है। सूचना प्रौद्योगिकी के व्यापक उपयोग को एक गेम-चेंजर के रूप में परिकल्पित किया गया है क्योंकि यह निगरानी एवं मूल्यांकन के सख्त मानदंडों को बनाए रखते हुए 'किसी भी समय, किसी भी स्थान पर और किसी भी उपकरण को सीखना' सुनिश्चित करेगा।



इस परियोजना के तहत छह महीने की अवधि में लगभग एक लाख अग्रिम पंक्ति के रेलवे कर्मचारियों को प्रशिक्षित करने का प्रयास किया जा रहा है। 'मिशन रेल कर्मयोगी' का उद्देश्य नागरिक केंद्रित प्रशिक्षण प्रदान करके इन अग्रिम पंक्ति के कर्मचारियों के दृष्टिकोण में बदलाव लाना, उनमें 'सेवा करने का इरादा' विकसित करने में मदद करना और उनकी 'सेवा करने की क्षमता' का निर्माण करना है। इस परियोजना को अग्रिम पंक्ति के रेलवे कर्मचारियों के व्यक्तिगत प्रदर्शन को बेहतर बनाने के साथ-साथ एक उत्तरदायी और कुशल संगठन के रूप में भारतीय रेल की छवि को मजबूत करने में बड़ी भूमिका निभाने के लिए डिजाइन किया गया है।

भारतीय रेल के सभी 68 मंडलों से नामित अग्रिम पंक्ति के एक हजार रेल कर्मचारियों को आईआरआईटीएम में 'मास्टर ट्रेनर' के रूप में प्रशिक्षित किया जाएगा। ये 'मास्टर ट्रेनर' शेष रेलवे कर्मचारियों को समयबद्ध तरीके से फील्ड में प्रशिक्षित करेंगे। सभी प्रशिक्षित कर्मचारियों का मूल्यांकन एक अत्याधुनिक तकनीकी प्लेटफॉर्म का उपयोग करके किया जाएगा और उन्हें विधिवत् प्रमाणित किया जाएगा। रेल कर्मियों को प्रशिक्षण देने के लिए तैयार की गई पाठ्यक्रम सामग्री को बाद के वर्षों में भारत सरकार के ऑनलाइन प्रशिक्षण प्लेटफॉर्म आईजीओटी पर भी रखा जाएगा।

रीवा-सीएसटी समर स्पेशल ट्रेन का शुभारम्भ



दिनांक 28 अप्रैल, 2022 को सांसद, रीवा श्री जनार्दन मिश्रा, सांसद, श्री जनार्दन मिश्रा एवं विधायक श्री राजेंद्र शुक्ल एवं श्री पंचू लाल प्रजापति ने रीवा से मुंबई के लिए ट्रेन नंबर 02187 रीवा–छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस समर स्पेशल ट्रेन का हरी झंडी दिखाकर शुभारम्भ किया।

इस ट्रेन के रीवा से प्रारंभ होने पर रीवा, सतना, कटनी, जबलपुर तथा नरसिंहपुर स्टेशन पर स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने ट्रेन में बैठे यात्रियों का स्वागत किया और रेलवे को इस नई ट्रेन को चलाने के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया।

इसी तरह सतना में स्थानीय सांसद श्री गणेश सिंह तथा विधायक श्री सिद्धार्थ सुखलाल कुशवाहा ने सतना स्टेशन पर उपस्थित होकर इस नई ट्रेन का हरी झंडी दिखाकर इसे गंतव्य के लिए रवाना किया।

उक्त समारोह में मंडल से सीनियर डीसीएम श्री विश्वरंजन सहित अनेक रेल अधिकारी भी उपस्थित हुए।

बीना स्टेशन पर सांसद द्वारा विभिन्न यात्री सुविधाओं का लोकार्पण

सांसद, सागर, श्री राजबहादुर सिंह द्वारा 2 मई 2022 को बीना स्टेशन पर यात्रियों के लिए विस्तारित सुविधाओं में नवनिर्मित एस्केलेटर, फुट ओवर ब्रिज एवं पुनर्विकसित सर्कुलेटिंग एरिया का लोकार्पण किया गया। इस अवसर पर बीना स्टेशन पर आयोजित कार्यक्रम में विधायक, बीना, श्री महेश



राय एवं अन्य गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति रही। इस कार्यक्रम में रेल प्रशासन की ओर से अपर मण्डल रेल प्रबंधक श्री गौरव सिंह, सहित अन्य रेल अधिकारी तथा आसपास के गणमान्य नागरिक एवं बड़ी संख्या में जन सामान्य उपस्थित रहे।

इटावा-फफूंद मेमू स्पेशल ट्रेन का शुभारम्भ

17 अप्रैल, 2022 को इटावा जंक्शन पर सांसद, राज्यसभा प्रो. राम गोपाल यादव की उपस्थिति में सांसद इटावा प्रो. डॉ. राम शंकर कठेरिया द्वारा इटावा से फफूंद के मध्य नई मेमू स्पेशल ट्रेन का एवं इटावा जंक्शन स्टेशन पर नवनिर्मित पैदल उपरिगामी पुल (FOB) का शुभारम्भ किया गया।

इस ट्रेन की नियमित सेवा का शुभारंभ 18 अप्रैल, 2022 से फफूंद एवं 19 अप्रैल, 2022 से इटावा से शुरू हुआ। इसी क्रम में यात्रियों की सुविधा हेतु इटावा स्टेशन पर नव निर्मित 6.1 मीटर चौड़े एवं 87 मीटर लम्बे फुट ओवर ब्रिज का भी लोकार्पण किया गया। इस फुट ओवर ब्रिज में वृद्ध, अशक्त एवं दिव्यांग जनों की सुविधा के लिए 03 रैंप उपलब्ध होंगे तथा सीढ़ियों की सुविधा के साथ 03 लिफ्टों की सुविधा भी उपलब्ध होगी। इस अवसर पर प्रयागराज मण्डल के मण्डल रेल प्रबंधक सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे।



अध्यक्ष, रेलवे बोर्ड ने आईआरसीटीसी के सहयोग से राष्ट्रीय रेल संग्रहालय के लिए ऑनलाइन टिकट प्रणाली की शुरुआत की



इंडियन रेलवे केटरिंग एंड टूरिज्म कॉरपोरेशन लिमिटेड (आईआरसीटीसी) के सहयोग से राष्ट्रीय रेल संग्रहालय के लिए ऑनलाइन टिकट प्रणाली की शुरुआत की घोषणा करते हुए रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष और मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री विनय कुमार त्रिपाठी

रेल मंत्रालय के राष्ट्रीय रेल संग्रहालय (एनआरएम) ने इंडियन रेलवे केटरिंग एंड टूरिज्म कॉरपोरेशन लिमिटेड (आईआरसीटीसी) के सहयोग से एनआरएम के लिए ऑनलाइन टिकट प्रणाली शुरू करने की घोषणा की है। रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष और मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री विनय कुमार त्रिपाठी ने 18 अप्रैल को 'विश्व विरासत दिवस' के अवसर पर रेलवे बोर्ड के सचिव श्री आर.एन. सिंह की उपस्थिति में एनआरएम के लिए ऑनलाइन टिकट प्रणाली की शुरुआत की।

राष्ट्रीय रेल संग्रहालय, भारतीय रेल की 169 वर्षों की समृद्ध विरासत का प्रतिनिधित्व करता है। यहां रेलवे यार्ड की रूपरेखा का अनुकरण करते हुए विस्तृत आउटडोर गैलरी में शाही सैलून, वैगन, कैरिज, बख्तरबंद गाड़ियों, रेल कारों और टर्नटेबल के आकर्षक संग्रह के साथ विभिन्न प्रकार के भाप, डीजल और इलेक्ट्रिक इंजन मौजूद हैं।

इंडोर गैलरी के अंदर इंटरएक्टिव डिस्प्ले और मॉडल परिवहन के शुरुआती साधनों से लेकर आज तक की उल्लेखनीय बातों को प्रदर्शित करते हैं। सवारी के लिए विभिन्न प्रकार के साधन, जैसे जॉय एंड टॉय ट्रेन की सवारी, 3डी वर्चुअल कोच की सवारी, भाप, डीजल और इलेक्ट्रिक इंजन की सवारी आदि।

एनआरएम हर साल आने वाले लगभग 05 लाख आगंतुकों को दिखाता है कि भारतीय रेल ने एक राष्ट्र के रूप में भारत के एकीकरण और प्रगति में कैसे मदद की है। ऑनलाइन टिकट प्रणाली शुरू करने का उद्देश्य आगंतुकों के लिए कतारों को समाप्त करना है। इस कदमों से एनआरएम, दिल्ली के सर्वश्रेष्ठ सार्वजनिक और निजी संग्रहालयों व दीर्घाओं के समान दर्जा हासिल करने में सक्षम होगा।

आगंतुक स्थान आरक्षण के साथ ट्रेन/इंजन प्रतिरूप की सवारी का भी अनुभव ले सकते हैं। ग्राहक कई भुगतान तरीकों यानी क्रेडिट/डेबिट कार्ड, नेट बैंकिंग, वॉलेट, यूपीआई आदि का उपयोग कर सकते हैं। डिजिटल भुगतान के लिए पीओएस मशीनों के साथ काउंटर बुकिंग भी उपलब्ध है। आगंतुकों के आसान प्रवेश और आनंदपूर्ण यात्रा की सुविधा के लिए विभिन्न काउंटरों पर टिकट जांच अधिकारी को दिए गए मोबाइल ऐप के माध्यम से क्यूआर कोड सक्षम टिकटों को भी स्कैन किया जा सकता है।



राष्ट्रीय रेल संग्रहालय

समय:
मंगलवार से रविवार (10:00 बजे से 17:00 बजे)

अब ऑनलाइन टिकट बुक करें:
www.nrmindia.org

अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी, रेलवे बोर्ड द्वारा उत्तर एवं पूर्वोत्तर रेलवे की परियोजनाओं की समीक्षा



अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी, रेलवे बोर्ड श्री विनय कुमार त्रिपाठी ने अपने वाराणसी दौरे के दौरान 16 अप्रैल, 2022 को वाराणसी परिक्षेत्र में चल रही पूर्वोत्तर रेलवे एवं उत्तर रेलवे की विभिन्न परियोजनाओं की समीक्षा की। उन्होंने वाराणसी मंडल पर चल रहे परिचालनिक सुगमता, दोहरीकरण, विद्युतीकरण, यार्ड रिमॉडलिंग, यात्री सुविधाओं के विकास कार्यों एवं आधारभूत संरचना के कार्यों की प्रगति का पॉवर प्वाइंट के माध्यम से प्रजेंटेशन देखा और सम्बन्धित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

श्री त्रिपाठी ने निर्देश दिया कि जिन गाड़ियों में प्रायः भीड़ अधिक होती है, उनमें अतिरिक्त कोच लगाएं जाएं। श्री त्रिपाठी ने कर्मचारी यूनियन के प्रतिनिधियों एवं उनके पदाधिकारियों से संवाद किया और उनकी समस्याओं को शीघ्र निस्तारित कराने का आश्वासन दिया। मंडल रेल प्रबन्धक, वाराणसी श्री रामाश्रय पाण्डेय ने कहा कि औड़िहार-जौनपुर 58 किमी. रेल खण्ड पर औड़िहार से डोभी का दोहरीकरण हो चुका है। बनारस-प्रयागराज रामबाग खण्ड पर बनारस से हंडिया खास का दोहरीकरण हो चुका है तथा हंडिया खास से प्रयागराज रामबाग का दोहरीकरण प्रगति पर है। फफेना-इन्दारा एवं बलिया-छपरा के मध्य भी दोहरीकरण चालू है। बलिया से छपरा दोहरीकरण में कुछ रेलवे स्टेशनों में परिचालन की दृष्टि से बदलाव किए गए हैं ताकि समय पालन में वांछित सुधार किया जा सके। ऐसे स्टेशनों पर यात्री सुविधाओं में और वृद्धि की जा रही है। दोहरीकरण परियोजना के अन्तर्गत यात्रियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने हेतु स्टेशनों पर हाई लेवल प्लेटफॉर्म तथा फुट ओवर ब्रिज इत्यादि का भी निर्माण कार्य कराया जा रहा है। बैठक में मंडल रेल प्रबन्धक, लखनऊ श्री एस. के. सपरा, पूर्वोत्तर रेलवे एवं उत्तर रेलवे के निर्माण संगठन के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी, रेलवे बोर्ड द्वारा मध्य रेल के निष्पादन की समीक्षा

श्री विनय कुमार त्रिपाठी, अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी रेलवे बोर्ड और पदेन प्रधान सचिव, भारत सरकार ने दिनांक 30 अप्रैल, 2022 को छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस, मुंबई में आयोजित बैठक में मध्य रेल के निष्पादन की समीक्षा की।

इस अवसर पर श्री अनिल कुमार लाहोटी, महाप्रबंधक मध्य रेल सभी विभागों के प्रधान प्रमुख, सभी मंडलों के मंडल रेल प्रबंधक और अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

श्री त्रिपाठी ने संरक्षा, स्टेशन डेवलपमेंट, निर्माण परियोजनाओं आदि से संबंधित



विभिन्न विषयों पर चर्चा की। उन्होंने गैर-किराया राजस्व, आय और व्यय नियंत्रण उत्पन्न करने की नई अवधारणाओं पर भी चर्चा की। मध्य रेल द्वारा माल ढुलाई परिचालन और समग्र परफॉरमेंस पर प्रस्तुति दी गई।

अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी, रेलवे बोर्ड द्वारा

चित्तरंजन लोकोमोटिव वर्क्स में 486वें विद्युत इंजन का शुभारंभ

चित्तरंजन लोकोमोटिव वर्क्स (सीएलडब्ल्यू), चित्तरंजन ने रेलवे बोर्ड के 485 इंजनों के उत्पादन लक्ष्य के मुकाबले वित्त वर्ष 2021-22 में रिकॉर्ड 486 इंजनों का उत्पादन करके एक उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष और मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री विनय कुमार त्रिपाठी, ने 31 मार्च 2022 को सीएलडब्ल्यू के महाप्रबंधक श्री सतीश कुमार कश्यप की उपस्थिति में वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए सीएलडब्ल्यू से वित्त वर्ष 2021-22 के 486वें इंजन डब्ल्यूएजी-9 एचसी (33562) को हरी झंडी दिखाकर राष्ट्र को समर्पित किया। यह उपलब्धि मात्र 283 कार्य दिवसों में हासिल की गई है। किसी भी वित्त वर्ष में सीएलडब्ल्यू द्वारा यह अब तक का लोको उत्पादन का सर्वश्रेष्ठ कार्य है।

श्री विनय कुमार त्रिपाठी ने अपने संक्षिप्त संबोधन में रिकॉर्ड उपलब्धि के लिए 'टीम सीएलडब्ल्यू' को बधाई दी और आशा व्यक्त की कि सीएलडब्ल्यू आगामी वित्तीय वर्षों में कई मील के पत्थर हासिल करेगा। महाप्रबंधक श्री एस. के. कश्यप, ने अपने संक्षिप्त भाषण में रिकॉर्ड को संभव बनाने के लिए कर्मचारियों, पर्यवेक्षकों और अधिकारियों को बधाई दी।



रिकॉर्ड हासिल करने का श्रेय मुख्य रूप से टीम सीएलडब्ल्यू के कर्मचारियों और अधिकारियों द्वारा वित्त वर्ष 2021-22 में प्रति माह लगातार 40 से अधिक इंजनों का उत्पादन, बेहतर आपूर्ति शृंखला प्रबंधन, उनकी कड़ी मेहनत और समर्पण को जाता है।

आप सबका **भारतीय रेल** के साथ अटूट रिश्ता है

भारतीय रेल के साथ आप अपने संस्मरण, यात्रा वृत्तांत, गीत, लेख आदि हिन्दी में हमें भेज सकते हैं। पसंद आने पर रचनाओं को हम रेल मंत्रालय की आधिकारिक मासिक पत्रिका

भारतीय रेल

में प्रकाशित करेंगे

ईमेल editorbhartiyarailrb@gmail.com

चयनित सामग्री लेख की जानकारी ईमेल से दी जाएगी,
प्रकाशित रचनाओं के लिए रेल मंत्रालय द्वारा निर्धारित मानदेय भी दिया जाएगा

शर्तें लागू

रेलवे में सी-डॉट के दूरसंचार समाधान के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर

रेल मंत्रालय ने रेलवे में सी-डॉट के दूरसंचार समाधान और सेवाएं देने और उनके कार्यान्वयन में दूरसंचार सुविधाओं के प्रावधान के संबंध में तालमेल और संसाधनों को साझा कर एक मजबूत सहयोगी के रूप में कार्य करने की साझेदारी के लिए सेंटर फॉर डेवलपमेंट ऑफ टेलीमैटिक्स (सी-डॉट) के साथ 27 अप्रैल, 2022 को एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

इस समझौता ज्ञापन के साथ सी-डॉट और रेल मंत्रालय विश्व मानकों, 'मेक इन इंडिया' (एमआईआई) नीति के अनुरूप भारतीय रेल में 5जी उपयोग, इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी) /



मशीन टू मशीन (एम2एम) एप्लीकेशन, यूनिफाइड नेटवर्क मैनेजमेंट सिस्टम, ओएफसी मॉनिटरिंग / नेटवर्क मैनेजमेंट सिस्टम (एनएमएस), वीडियो कॉन्फ्रेंस सॉफ्टवेयर (वीसी डॉट), चैटिंग एप्लिकेशन, राउटर, स्विचेस के होने पर एलटीई-आर का उपयोग कर सार्वजनिक सुरक्षा और सुरक्षा सेवाओं के लिए भारतीय रेल में दूरसंचार के आधुनिकीकरण के लिए मिलकर काम करेंगे।

समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर समारोह में दोनों संगठनों के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में सी-डॉट के कार्यकारी निदेशक श्री राज कुमार उपाध्याय, और अतिरिक्त सदस्य/दूरसंचार/रेलवे बोर्ड श्रीमती अरुणा सिंह उपस्थित थीं।

सी-डॉट और रेल मंत्रालय के बीच तालमेल स्वामित्व की कुल लागत को कम करके, भारत सरकार की 'मेक इन इंडिया' पहल को बढ़ावा देने और देश में डिजिटल डिवाइड को पाटने में मदद करके ट्रेनों के संचालन, सार्वजनिक सुरक्षा और सुरक्षा एप्लीकेशनों के लिए स्वदेशी किफायती दूरसंचार उपकरण और सेवाएं प्रदान करने में मदद करेगा।

भारतीय रेल द्वारा वाणिज्यिक आय और गैर-किराया राजस्व अनुबंधों की ई-नीलामी के लिए पायलट परियोजना की शुरुआत

भारतीय रेल ने क्षेत्रीय रेलवे के ग्यारह मंडलों में वाणिज्यिक आय और गैर-किराया राजस्व अनुबंधों की ई-नीलामी की एक पायलट परियोजना शुरू की है। ई-नीलामी पायलट परियोजना की मुख्य विशेषताएं इस प्रकार हैं:

- पार्सल स्थान, पार्किंग स्थल और वाणिज्यिक प्रचार के पट्टे के अनुबंधों के लिए अनुबंध को शीघ्र अंतिम रूप देना और किसी अनुबंध के विफल होने की स्थिति में त्वरित रूप से उसे फिर से जारी करना
- भारतीय रेल के तहत किसी भी ई-नीलामी में पंजीकरण और भागीदारी के लिए बोलीदाताओं/आवेदकों पर कोई भौगोलिक प्रतिबंध नहीं
- सरल पात्रता संबंधी मानदंड
- केवल आईआरईपीएस के माध्यम से ई-नीलामी (ऑनलाइन)



- नीलामी के दिन से कम से कम 12 दिन पहले नीलामी सूची प्रकाशित
- व्यवसाय करने में आसानी सुनिश्चित करना

इच्छुक पार्टियां अधिक जानकारी और ई-नीलामी की मंडल-वार तिथियों के लिए आईआरईपीएस वेबसाइट (www.ireps.gov.in) देख सकती हैं।

ई-नीलामी में भाग लेने में किसी प्रकार की समस्या होने पर संबंधित मंडल के वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक (सीनियर डीसीएम) से संपर्क किया जा सकता है।

ऑनलाइन पंजीकरण में किसी भी सहायता के लिए, www.ireps.gov.in पर 'आईआरईपीएस हेल्प डेस्क' से संपर्क किया जा सकता है।



कोंकण रेलवे ने 'मिशन 100% विद्युतीकरण' पूरा किया

कोंकण रेलवे ने अपने पूरे खंड का 100 फीसदी रेल विद्युतीकरण पूरा कर लिया है। इसके लिए 'मिशन 100% विद्युतीकरण' –नेट जीरो कार्बन उत्सर्जन की ओर बढ़ते हुए योजना के तहत लोगों को पर्यावरण अनुकूल, हरित और स्वच्छ परिवहन की सुविधा प्रदान करने के लिए अपने पूरे ब्रॉड गेज नेटवर्क को विद्युतीकृत करने के लिए एक मिशन मोड पर काम किया गया है।

इससे पहले नवंबर, 2015 में पूरे 741 किमी रूट के विद्युतीकरण का शिलान्यास किया गया था। इस परियोजना की कुल लागत ₹1,287 करोड़ है, वहीं मार्च, 2020 से पूरे कोंकण रेलवे रूट का सीआरएस निरीक्षण शुरू किया गया था। इसे छह चरणों में सफलतापूर्वक किया गया है। रत्नागिरि से थिविम के बीच अंतिम खंड का सीआरएस निरीक्षण 24 मार्च, 2022 को किया गया था और इसका प्राधिकार 28 मार्च, 2022 को प्राप्त किया गया।

कोंकण रेलवे के कठिन क्षेत्र और कोविड-19 महामारी के कारण अनुकूल माहौल नहीं होने के कारण इस परियोजना का काम चुनौतीपूर्ण रहा है। इसके अलावा कोंकण क्षेत्र में अत्यधिक मानसून के कारण विद्युतीकरण मिशन को बिना रुके चलाने के लिए कई स्थानों पर विशेष व्यवस्था करनी पड़ी थी।

कोंकण रेलवे के इलेक्ट्रिक ट्रैक्शन के कई अंतर्निहित लाभ हैं। इनमें ईंधन व्यय में ₹150 करोड़ से अधिक की महत्त्वपूर्ण बचत, पश्चिमी तट के इलेक्ट्रिक ट्रैक्शन पर निर्बाध संचालन, परिवहन का प्रदूषण रहित माध्यम और एचएसडी तेल पर कम निर्भरता शामिल है।

कोंकण रेलवे भारतीय रेल नेटवर्क पर सबसे बड़े रेलवे रूटों में से एक है। नए विद्युतीकृत केआर रूट पर चरणबद्ध तरीके से इलेक्ट्रिक ट्रैक्शन के साथ ट्रेन का परिचालन शुरू किया जाएगा। कोंकण रेलवे हमेशा सेफ्टी फर्स्ट (सुरक्षा को प्राथमिकता देना) का अभ्यास करती है। यह राष्ट्र की प्रगति की दिशा में काम करना जारी रखेगी।

महानिदेशक, रेलवे स्वास्थ्य सेवाएं द्वारा रेलवे चिकित्सालय का निरीक्षण

महानिदेशक/रेलवे स्वास्थ्य सेवाएं, डॉ. प्रसन्ना कुमार ने 08 अप्रैल, 2022 को कार्यकारी निदेशक/स्वास्थ्य, रेलवे बोर्ड डॉ. के. श्रीधर के साथ ललित नारायण मिश्र रेलवे चिकित्सालय, गोरखपुर का गहन निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान चिकित्सा निदेशक डॉ. बी.एन. चौधरी, अपर मुख्य स्वास्थ्य निदेशक/प्रशासन डॉ. नन्द किशोर प्रसाद, अपर मुख्य स्वास्थ्य निदेशक डॉ. डी.एल.चौरसिया, मुख्य विशेषज्ञ/ पैथोलॉजी डॉ. श्यामसुन्दर, अपर मुख्य चिकित्सा निदेशक/टीए, डॉ. डी. के. सिंह, महाप्रबन्धक/रेलटेल श्री दीपू श्याम, उपस्थित थे।

डॉ. कुमार ने हास्पिटल मैनेजमेंट इन्फॉर्मेशन सिस्टम का निरीक्षण किया और उसमें आ रही समस्याओं के निदान के लिए रेलटेल के महाप्रबन्धक श्री दीपू श्याम को निर्देश दिया। निरीक्षण के उपरान्त आयोजित बैठक में डॉ. कुमार ने भारत सरकार के 'आयुष्मान भारत' योजना को लागू करने का निर्देश दिया।



रेलवे सुरक्षा बल ने तस्करी मुक्त राष्ट्र के लिए एसोसिएशन फॉर वॉलेंटरी एक्शन के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए

रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने तस्करी मुक्त राष्ट्र के लिए एसोसिएशन फॉर वॉलेंटरी एक्शन (एवीए) के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। राष्ट्र को तस्करी से मुक्त बनाने के एक साझा उद्देश्य से एक साथ मिलकर काम करने के लिए रेलवे सुरक्षा बल के महानिदेशक श्री संजय चंदर ने 8 अप्रैल 2022 को श्री कैलाश सत्यार्थी की उपस्थिति में 'कैलाश सत्यार्थी चिल्ड्रन फाउंडेशन' (केएससीएफ) की सीईओ सुश्री रजनी सिब्बल के साथ विस्तृत विचार-विमर्श शुरू किया था। 8 मई, 2022 को समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर होने के साथ विचार-विमर्श को आगे बढ़ाया गया, जिसमें आरपीएफ और एवीए (बचपन बचाओ आंदोलन के रूप में भी जाना जाता है) दोनों ने सूचना साझा करने, मानव तस्करी के खिलाफ काम करने के लिए आरपीएफ कर्मियों और रेलवे कर्मचारियों की क्षमता बनाने, संवेदनशीलता बढ़ाने और जागरूकता पैदा करने और मानव तस्करी के मामलों की पहचान करने और पता लगाने में एक-दूसरे की मदद करने के उद्देश्य से एक साथ मिलकर काम करने का संकल्प लिया। समझौता ज्ञापन के कार्यक्रमों के तहत दोनों हितधारकों द्वारा एक संयुक्त कार्रवाई से निश्चित रूप से देश भर में आरपीएफ द्वारा शुरू किए गए 'ऑपरेशन एएएचटी' (मानव तस्करी के खिलाफ कार्रवाई) की व्यापकता, पहुंच और प्रभावशीलता बढ़ेगी।

रेलवे सुरक्षा बल को रेलवे संपत्ति, यात्री क्षेत्र और यात्रियों की सुरक्षा की जिम्मेदारी सौंपी गई है। यह रेल मंत्रालय द्वारा जारी बच्चों के बचाव के लिए मानकीकृत संचालन प्रक्रिया द्वारा अनिवार्य जिम्मेदारी का निर्वहन कर रहा है और इसने 'ऑपरेशन नन्हे फरिश्ते' के तहत अन्य हितधारकों के साथ मिलकर काम करते हुए वर्ष 2018 से 50,000 से अधिक बच्चों का बचाव किया है। इसने हाल ही में रेल के माध्यम से मानव तस्करी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने के लिए



एमओयू पर हस्ताक्षर के पश्चात की तसवीर

'ऑपरेशन एएएचटी' शुरू किया है और मानव तस्करी के शिकार लोगों को तस्करों के चंगुल से छुड़ा रहा है। तस्करों के खिलाफ अपनी कार्रवाई के दौरान, इसने 298 नाबालिग लड़कियों सहित 1,400 से अधिक नाबालिगों को तस्करों के चंगुल से छुड़ाया है। आरपीएफ ने पूरे भारत में 740 से अधिक स्थानों पर मानव तस्करी रोकथाम इकाइयों (एएचटीयू) की स्थापना की है, जिन्हें इस क्षेत्र से जुड़ी अन्य एजेंसियों के समन्वय से मानव तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया है।

एसोसिएशन ऑफ वॉलेंटरी एक्शन (एवीए) को 'बचपन बचाओ आंदोलन' के रूप में भी जाना जाता है। यह 'कैलाश सत्यार्थी चिल्ड्रन फाउंडेशन' से जुड़ा है, जिसकी स्थापना वर्ष 1979 में नोबेल पुरस्कार विजेता श्री कैलाश सत्यार्थी के नेतृत्व में की गई थी। इसकी स्थापना का उद्देश्य बच्चों के खिलाफ सभी प्रकार की हिंसा को खत्म करना और एक ऐसी दुनिया बनाना, जहां सभी बच्चे स्वतंत्र, सुरक्षित और स्वस्थ हों और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त करते हों। एवीए का उद्देश्य सहयोगात्मक कार्यों, राष्ट्रीय और वैश्विक नीतियों को सशक्त करके कर्तव्य निर्वहन करने वाले लोगों का क्षमता निर्माण करके, नीति के कार्यान्वयन में सर्वोत्तम तरीकों की पहचान करके और बाल संरक्षण से संबंधित नियामक ढांचे को मजबूत करके इस मिशन को पूरा करना है। यह देश भर में फैले समर्पित फील्ड एजेंटों और स्वयंसेवकों के एक बड़े नेटवर्क के बल पर एक महत्त्वपूर्ण हितधारक है। 'बचपन बचाओ आंदोलन' (बीबीए) पुलिस/आरपीएफ के साथ बाल तस्करी के खिलाफ सूचना साझा कर रहा है और तस्करों की गिरफ्तारी/पीड़ितों को बचाने में सहायता कर रहा है और बच्चों की तस्करी के खिलाफ कार्रवाई के क्षेत्र में जानकारी और विशेषज्ञता तैयार करता है।

भारतीय रेल देश के लिए प्राथमिक ट्रांसपोर्टर है और इसलिए मानव तस्करों के लिए परिवहन का एक प्रमुख रूट है। रेलवे स्टेशनों और ट्रेनों में तैनात आरपीएफ कर्मियों को पीड़ित के गंतव्य तक पहुंचने और शोषण शुरू होने से पहले तस्करी को रोकने के लिए रणनीतिक रूप से तैनात किया जाता है। अपनी रणनीतिक तैनाती और पूरे भारत में अपनी उपस्थिति के बल पर, आरपीएफ मानव तस्करी को रोकने के लिए देश के प्रयासों में एक पूरक की भूमिका निभा सकता है।

आरपीएफ द्वारा 'वर्दी में महिलाएं - बदलाव की वाहक' पर राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन

सभी केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों में सबसे अधिक 9 प्रतिशत महिला कर्मियों के साथ रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) अपनी इस स्थिति का लाभ उठाते हुए अपनी सेवा वितरण व्यवस्था को बढ़ाने और दुनिया के सबसे बड़े रेल नेटवर्क में से एक भारतीय रेल को अधिक मजबूत सुरक्षा उपकरण प्रदान करने के लिए तैयार है।

आरपीएफ ने इसी सिलसिले में 'वर्दी में महिलाएं-बदलाव की वाहक' विषय पर एक राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया। सम्मेलन से महिला कार्मिकों से संबंधित मुद्दों पर विचार-मंथन का अवसर मिला, जिसमें पेशेवर समावेशन और वृद्धि, प्रशासनिक और परिचालन समीक्षा, प्रशिक्षण और तकनीकी उन्नयन, कल्याण और आने वाले वर्षों और दशकों में आगामी चुनौतियों का सामना करने के लिए बल को तैयार करना जैसे मुद्दों पर चर्चा हुई।

प्रस्तुति की एक श्रृंखला के माध्यम से आरपीएफ महिला कर्मियों ने सिपाहियों से लेकर राजपत्रित अधिकारियों तक, मौजूदा मुद्दों, परिचालन बाधाओं, पारंपरिक पुरुष मानसिकता, प्रदर्शन के लिए परितंत्र को सक्षम करने, शिकायतों, लिंग तटस्थता के रूप में प्रौद्योगिकी के उपयोग, महिला बल कर्मियों को बदलाव की वाहकों के रूप आदि में प्रस्तुत किया। रेल नेटवर्क पर जीवन और संपत्ति की सुरक्षा के व्यापक हित में सांकेतिक समाधानों के साथ मुद्दों की एक विस्तृत श्रृंखला पर चर्चा की गई।

सम्मेलन में क्षेत्रीय आरपीएफ प्रमुखों और देश भर से और सभी रैंकों की लगभग 600 महिला आरपीएफ कर्मियों ने भाग



लिया। इसे महानिदेशक, आरपीएफ श्री संजय चंदर ने संबोधित किया और सामने लाए गए ज्वलंत मुद्दों पर बात की, नीतिगत हस्तक्षेप का आश्वासन दिया और शिकायतों का सहानुभूतिपूर्ण निवारण किया। उन्होंने विशेष रूप से महिला सुरक्षा के क्षेत्र में महिला कार्मिकों के प्रयासों की सराहना की और उन्हें भविष्य की चुनौतियों का समाधान करने के लिए बढ़ी हुई क्षमता के साथ खुद को समृद्ध करने के लिए प्रोत्साहित किया।

आरपीएफ ने 'ऑपरेशन सतर्क' के तहत केंद्रित प्रयास किए

रेलवे सुरक्षा बल देश का एक सशस्त्र बल है, जिसे रेलवे संपत्ति, यात्री-क्षेत्र और यात्रियों की सुरक्षा की जिम्मेदारी सौंपी गई है। यह रेलवे सुरक्षा के क्षेत्र में अग्रणी सुरक्षा एजेंसी है, जो अखिल भारतीय स्तर पर मौजूद है।

भारतीय रेल राष्ट्र का प्राथमिक ट्रांसपोर्टर है, जिसकी कर चोरों, तस्करों, हथियार तस्करों और देश विरोधी ताकतों द्वारा देश के विभिन्न हिस्सों में अवैध वस्तुओं को ले जाने के लिए इस्तेमाल किए जाने की संभावना बनी रहती है, ताकि वे अपने नापाक मंसूबों को अंजाम दे सकें। कर चोरी/तस्करी/अपराध/आतंक के कृत्यों को अंजाम देने के लिए अवैध शराब/एफआईसीएन/अवैध तंबाकू उत्पादों/ बेहिसाब सोने/नकदी/कीमती वस्तुओं/अन्य वस्तुएं रेलवे नेटवर्क से परिवहन किए जाने पर कार्रवाई करने के उद्देश्य से रेलवे सुरक्षा बल ने हाल ही में 'ऑपरेशन सतर्क' शुरू किया था। 'ऑपरेशन सतर्क' के तहत केंद्रित प्रयास 5 अप्रैल से 30 अप्रैल 2022 तक जारी रहे, जिसमें अवैध



तंबाकू उत्पाद परिवहन के 26 मामलों का पता चला। लगभग ₹44 लाख के तंबाकू उत्पादों को जब्त किया गया और 14 लोगों को गिरफ्तार किया गया। अवैध शराब परिवहन के 177 मामलों में 97 व्यक्तियों को गिरफ्तार कर लगभग ₹18 लाख मूल्य की अवैध शराब की जब्ती की गई। कर चोरी के उद्देश्य से बेहिसाब सोने/चांदी के आभूषण और बेहिसाब नकदी रेल के माध्यम से ले जाए जाती है। आरपीएफ ने कर चोरी के ऐसे 23 मामलों का पता लगाया और संबंधित कर अधिकारियों को लगभग ₹2.60 करोड़ की बेहिसाब नकदी/सोना/चांदी सौंप दी।

रेल के माध्यम से तस्करी के मामलों में पहली जवाबी प्रतिक्रिया करने की अपनी जिम्मेदारी से अवगत होने के कारण, आरपीएफ ने ऐसे मामलों में ठोस कार्रवाई की और उपरोक्त अवधि के दौरान लगभग ₹3.18 करोड़ की तस्करी का सामान जब्त किया।

देश के विभिन्न हिस्सों में अपराध करने या नापाक मंसूबों को अंजाम देने के लिए कभी-कभी राष्ट्र विरोधी ताकतों द्वारा हथियार, गोला-बारूद और विस्फोटक ले जाया जाता है। आरपीएफ ऐसे तत्वों के मंसूबों को विफल करने के लिए 'ऑपरेशन सतर्क' के तहत स्टेशनों, ट्रेनों और रेलवे क्षेत्र में गहन जांच कर रहा है। देश भर में इस तरह के प्रयास के दौरान, आरपीएफ ने 17 व्यक्तियों को पकड़ा और एक एके 47 राइफल, एक पाइपगन, एक डबल बैरल गन, एक पिस्तौल, 06 देशी पिस्तौल, 3 खंजर, 12 बोर गोला-बारूद के 10 कारतूस, .315" बुलेट के 140 कारतूस, 7.62 मिमी बुलेट के 404 कारतूस और विभिन्न गोला-बारूद के 9 कारतूस बरामद किए गए।

भारतीय रेल ने वित्तीय वर्ष 2021-22 के दौरान
माल ढुलाई में कई रिकॉर्ड तोड़े

भारतीय रेल ने वित्तीय वर्ष 2021-22 में पहली बार 1,400 मीट्रिक टन माल ढुलाई का आंकड़ा पार किया। गत वित्त वर्ष के 1233.2 मीट्रिक टन की तुलना में इस वित्त वर्ष 2021-22 में 1,418.1 मीट्रिक टन (अनंतिम) माल ढुलाई हुई जो 15% की क्रमागत बढ़ोत्तरी दर्शाती है।

लगभग 185 मीट्रिक टन की क्रमागत ढुलाई में मुख्य रूप से 111 मीट्रिक टन कोयला, इसके बाद 17.2 मीट्रिक टन सीमेंट और 15 मीट्रिक टन पर शेष अन्य सामान हैं। 15% की वृद्धि के साथ 185 मीट्रिक टन की क्रमागत ढुलाई पूर्ण और प्रतिशत, दोनों मदों में अब तक की सबसे अच्छी वृद्धि है। प्रतिशत के लिहाज से पिछली सर्वश्रेष्ठ क्रमागत वृद्धि वर्ष 1981-82 में 12.9% की वृद्धि के साथ दर्ज की गई थी। एक दशक से भी अधिक समय पहले वर्ष 2005-06 में हासिल की गई निरपेक्ष रूप से पिछली सर्वश्रेष्ठ क्रमागत ढुलाई 66.1 एमटी थी।

'हंग्री फॉर कार्गो' मंत्र का अनुसरण करते हुए भारतीय रेल ने व्यापार करने में आसानी को बेहतर बनाने के साथ-साथ प्रतिस्पर्धी कीमतों पर सेवा वितरण में सुधार करने के लिए निरंतर प्रयास किए हैं, जिसके परिणामस्वरूप पारंपरिक और गैर-पारंपरिक, दोनों तरह की वस्तुओं की ओर से रेलवे को नया व्यापार मिल रहा है। ग्राहक केंद्रित दृष्टिकोण और चुस्त नीति निर्माण द्वारा समर्थित व्यवसाय विकास इकाइयों के कार्य ने रेलवे को इस ऐतिहासिक उपलब्धि को हासिल करने में मदद की।

रिकॉर्ड्स का एक वर्ष, वित्त वर्ष 2021-22 में माल ढुलाई और राजस्व सहित कई सूचकांकों में अब तक के सर्वश्रेष्ठ आंकड़े देखे गए हैं। नीचे वित्त वर्ष 2021-22 में टूट चुके रिकॉर्ड्स का एक विवरण है:

सूचकांक	पिछला सर्वश्रेष्ठ	दिनांक/अवधि	नया सर्वश्रेष्ठ*	दिनांक/अवधि
माल ढुलाई	1,233.3	वित्तीय वर्ष 20-21	1,418.09	वित्तीय वर्ष-21-22
सकल माल ढुलाई राजस्व	1,27,430	वित्तीय वर्ष 18-19	1,43,732**	वित्तीय वर्ष-21-22
क्रमागत ढुलाई	66.1 एमटी	वित्तीय वर्ष 07-08	185 मीट्रिक टन	वित्तीय वर्ष 21-22
औसत वैगन प्रति दिन	54,469	वित्तीय वर्ष 20-21	62,885	वित्तीय वर्ष -21-22
एक दिन में सर्वाधिक ढुलाई	1,03,737 वैगन (7.8 मीट्रिक टन)	31 मार्च, 2021	1,06,227 वैगन (8.14 मीट्रिक टन)	31 मार्च, 2022
एक महीने में सर्वाधिक ढुलाई	130.48 एमटी	मार्च 2021	139.25 मीट्रिक टन	मार्च 2022
राजस्व एनटीकेएम	702 अरब	वित्तीय वर्ष 18-19	820 अरब	वित्तीय वर्ष-21-22

*आंकड़े अनंतिम हैं और सांख्यिकी को अंतिम रूप देने पर इसमें थोड़ा बदलाव हो सकता है।
**विभाजन से पहले सकल राजस्व के आंकड़े

भारतीय रेल ने उर्वरकों को छोड़कर सभी वस्तुओं में क्रमागत ढुलाई हासिल की, जहां उच्च अंतरराष्ट्रीय कीमतों के कारण मांग कम हो गई थी। क्रमागत ढुलाई के साथ-साथ वस्तुवार ढुलाई का विवरण इस प्रकार है:-

वस्तु	2020-21	2021-22*	क्रमागत कार्गो	% उतार-चढ़ाव
कोयला	542.2	653.3	111	20.5
इस्पात संयंत्रों के लिए कच्चा माल (लौह अयस्क सहित)	183.7	197.2	13.5	7.3
तैयार स्टील और पिग आयरन	59.3	68.3	8.9	15.1
सीमेंट और क्लिंकर	121.2	138.5	17.2	14.2
अनाज	62.8	73.4	10.5	16.7
उर्वरक	54.1	49.5	-4.6	-8.5
पीओएल	43.01	45.02	2.01	4.7
कंटेनर	63.2	74.3	11.1	
शेष अन्य सामान	103.3	118.4	15.04	14.5
कुल	1,233.2	1,418.1	184.99	15.0

*आंकड़े अनंतिम हैं और सांख्यिकी को अंतिम रूप देने पर इसमें थोड़ा बदलाव हो सकता है।

संसद में भारतीय रेल

संसद सत्र के दौरान सांसदों द्वारा भारतीय रेल के संबंध में पूछे गए विभिन्न प्रश्नों के उत्तर में रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने निम्नलिखित जानकारियाँ दीं

(प्रस्तुत हैं, संकलित अंश)

स्टेशनों पर विश्वस्तरीय सेवा

रेलवे स्टेशनों के विकास के लिए विभिन्न छोटे व बड़े शहरों के स्टेशनों सहित भारतीय रेलों पर स्टेशनों के अपग्रेडेशन/आधुनिकीकरण/संवर्धन के लिए रेल मंत्रालय द्वारा विभिन्न विकास योजनाएं यथा मॉडल, मॉडर्न और आदर्श स्टेशन योजनाएं तैयार की गई हैं।



इस समय स्टेशनों पर बेहतर यात्री सुख-सुविधाएं मुहैया करवाने की निर्धारित आवश्यकता के आधार पर 'आदर्श' स्टेशन योजना के अंतर्गत रेलवे स्टेशनों को अपग्रेड/आधुनिकीकृत किया जाता है। 'आदर्श' स्टेशन योजना के अंतर्गत विकास हेतु भारतीय रेल में 1,253 स्टेशनों की पहचान की गई है। इनमें से, 1,213 स्टेशनों को विकसित किया गया है और शेष 40 स्टेशनों को वित्त वर्ष 2022-23 में विकसित करने का लक्ष्य रखा गया है।

हाल ही में, 'रेलवे स्टेशन के प्रमुख अपग्रेडेशन' की एक नई योजना शुरू की गई है। इस योजना में परिकल्पित सुविधाओं में स्टेशन भवन का पुनर्निर्माण/सुधार/संवर्धन, स्टेशन परिसरों के लिए भीड़-भाड़ मुक्त प्रवेश/निकास, यात्रियों के आगमन/प्रस्थान का पृथक्करण, भीड़-भाड़ के बिना पर्याप्त कॉनकोर्स, जहां कहीं भी व्यवहार्य हो, शहर के दोनों छोरों का एकीकरण, उपयोगकर्ता अनुकूल संकेतक, परिचलन क्षेत्र में पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था और ड्रॉप-ऑफ, पिक-अप और पार्किंग आदि के लिए पर्याप्त व्यवस्था एवं आवश्यकता और व्यवहार्यता के अनुसार अन्य सुविधाओं के साथ-साथ दिव्यांगजनों की सभी सुविधाएं शामिल हैं। अब तक 41 स्टेशनों को इस योजना के तहत प्रमुख अपग्रेडेशन हेतु चिह्नित किया गया है।

साथ ही, नई दिल्ली रेलवे स्टेशन और छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस को सार्वजनिक निजी भागीदारी के हाईब्रिड बिल्ड ऑपरेट एण्ड ट्रांसफर मॉडल के तहत विकसित करने के लिए चिह्नित किया गया है।

रानी कमलापति और गांधीनगर जैसे दो रेलवे स्टेशनों को क्रमशः 15 नवंबर, 2021 और 16 जुलाई, 2021 को विकसित और चालू कर दिया गया है। एक और स्टेशन, सर एम. विश्वेश्वरैया टर्मिनल, बेंगलुरु कमीशनिंग के लिए तैयार है।

स्टेशनों के विकास और अनुरक्षण के लिए आबंटन और व्यय के ब्यौरे क्षेत्रीय रेलवे वार रखे जाते हैं न कि राज्य वार। इन सुविधाओं को सामान्यतः योजना शीर्ष-53 'यात्री सुविधाएं' के तहत वित्तपोषित किया जाता है। पिछले दो वर्षों अर्थात 2020-21, 2021-22 और चालू वर्ष 2022-23 के दौरान भारतीय रेल पर योजना शीर्ष-53 के तहत आवंटित निधियों और किए गए व्यय का ब्यौरा निम्नानुसार है:

(₹ करोड़ में)

वित्त वर्ष	आवंटन	व्यय
2020-21	2,615.30	2,582.92
2021-2022 (फरवरी 2022 तक)	2,344.55	1,566.32
2022-23	2,700	-

पीपीपी मोड के तहत स्टेशन का विकास

रेल मंत्रालय अन्य मॉडल के साथ-साथ सार्वजनिक निजी भागीदारी (पीपीपी) सहित विभिन्न मॉडलों के तहत रेलवे स्टेशनों को विकसित करने लिए विभिन्न संभावनाओं का पता लगा रहा है। महाराष्ट्र में छत्रपति शिवाजी टर्मिनस (सीएसटीएम) रेलवे स्टेशन और दिल्ली में नई दिल्ली रेलवे स्टेशन को सार्वजनिक निजी भागीदारी के हाईब्रिड बिल्ड ऑपरेट एण्ड ट्रांसफर (हाइबोट) के तहत विकसित करने के लिए चिह्नित किया गया है।

सूरत मल्टी मॉडल ट्रांसपोर्टेशन हब को विकसित करने के लिए भारतीय रेल स्टेशन डेवलेपमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड, गुजरात राज्य सड़क परिवहन निगम और सूरत नगर निगम के बीच एक समझौता



ज्ञापन (एमओयू) निष्पादित किया गया है।

रेलवे स्टेशन पुनर्विकास योजना

अयोध्या व गोमती नगर (उत्तर प्रदेश) और सफदरजंग व बिजवासन (दिल्ली) (उत्तर प्रदेश) में स्टेशनों के पुनर्विकास का कार्य चल रहा है। सर एम. विश्वेश्वरैया टर्मिनल (कर्नाटक) शुरू किए जाने हेतु तैयार है। 2 स्टेशनों यथा गांधीनगर कैपिटल रेलवे स्टेशन (गुजरात) और रानी कमलापति रेलवे स्टेशन (मध्य प्रदेश) को विकसित और



पूरा कर दिया गया है। इन 2 स्टेशनों के अनुभवों के आधार पर, अन्य स्टेशनों की तकनीकी-आर्थिक व्यवहार्यता पुनर्विकास योजनाएं निर्धारित की जा रही हैं। चूंकि स्टेशन की योजना एक जटिल और गतिशील प्रक्रिया है, जिसमें बहु-साझेदार शामिल होते हैं, इसलिए पुनर्विकास योजनाओं के और ब्यौरे इस चरण पर नहीं दिए जा सकते हैं। स्टेशन विकास के लिए खोजे जा रहे विकास के विभिन्न मॉडलों के साथ-साथ सार्वजनिक निजी भागीदारी की भी जांच की जा रही है।

समर्पित माल वहन गलियारा योजना

भारतीय रेल ने माल ढुलाई दरों को प्रतिस्पर्धी बनाने के लिए कई पहलकदमियां/कदम उठाए हैं, जिनमें एंप्टी फ्लो डायरेक्शन में स्वतंत्र स्वत: ढुलाई रियायत नीति, खुले एवं सपाट माल डिब्बे में बोरी बंद परेषणों के लदान पर दी गई छूट, फ्लाई ऐश यातायात को ढुलाई में 40% की छूट, स्टेशन से स्टेशन दर, कंटेनर के लिए राउंड ट्रिप के आधार पर प्रभार, राउंड ट्रिप यातायात, भरे कंटेनरों के लिए ढुलाई प्रभार पर 5% की छूट, खाली कंटेनरों और सपाट माल डिब्बे के परिवहन पर 25% की छूट, कंटेनर माल ढुलाई बास्केट के विस्तार के लिए अधिक संख्या में वस्तुओं को विमुक्त कर दिया गया है, आदि शामिल हैं।

रेल कार्गो को संभालने के लिए अतिरिक्त टर्मिनलों के विकास में उद्योग से निवेश



को बढ़ाने के लिए नई 'गति शक्ति मल्टी-मॉडल कार्गो टर्मिनल (जीसीटी)' नीति दिनांक 15 दिसंबर, 2021 को प्रारंभ की गई है और अगले तीन वित्त वर्षों अर्थात् 2022-23, 2023-24 और 2024-25 तक 100 गति शक्ति मल्टी-मॉडल कार्गो टर्मिनल (जीसीटी) चालू करने का लक्ष्य है।

रेल मंत्रालय के पास सामान्य प्रयोजन मालडिब्बों, विशेष प्रयोजन/उच्च क्षमता वाले मालडिब्बे और ऑटोमोबाइल कैरियर माल डिब्बों में निजी निवेशकों को आकर्षित करने के लिए योजनाएं हैं। 2021-22 के दौरान, सामान्य प्रयोजन वैगन निवेश योजना, स्वतंत्र विशेष ढुलाई ट्रेन परिचालक योजना और ऑटोमोबाइल ढुलाई ट्रेन परिचालक

योजना के अंतर्गत लगभग 150 रेकों की खरीद के लिए स्वीकृति दे दी गई है।

माल यातायात बाजार में रेलों की हिस्सेदारी बढ़ाने के लिए और इसे और आकर्षक बनाने के लिए कई तरीके अपनाए गए हैं, जैसे प्रति मालडिब्बा अतिरिक्त यातायात ढोने के लिए धुरा भार बढ़ाने, ढुलाई परिचालनों में अधिकाधिक कंप्यूटरीकरण का प्रयोग, उच्च क्षमता वाले रेल इंजनों और उच्च वाहक क्षमता वाले माल डिब्बों और रेल इंजनों का अनुरक्षण, रेलपथ और सिगनलिंग में सुधार, नई तकनीकी और प्रबंधन पद्धतियां अपनाने के लिए कर्मचारियों और अधिकारियों को प्रशिक्षण, दूरस्थ निदान और पूर्वानुमान अनुरक्षण, कृत्रिम बुद्धि (आर्टिफीशियल इंटेलिजेंस) के आधार पर भी सिग्नलिंग में प्रयास किया गया है।

इस समय रेल मंत्रालय ने 2 समर्पित ढुलाई गलियारों (डीएफसी) अर्थात् लुधियाना से सोननगर तक पूर्वी समर्पित ढुलाई गलियारा (ईडीएफसी) (1,337 किमी) और जवाहरलाल नेहरू पोर्ट टर्मिनल (जेएनपीटी) से दादरी तक पश्चिमी समर्पित ढुलाई गलियारा (डब्ल्यूडीएफसी) (1,506 किमी) के निर्माण का कार्य शुरू किया गया है। इस समय, डीएफसी के 2,843 किमी में से 1,110 किमी का काम पूरा हो गया है। इसके अतिरिक्त, पूर्व तट गलियारा (खड़गपुर से विजयवाड़ा-1,115 किमी), पूर्व-पश्चिम गलियारा (पालघर-भुसावल-नागपुर-खड़गपुर-दानकुनी-2,163 किमी और राजखरस्वां-कालीपहाड़ी-अंदल-195 किमी) और उत्तर-दक्षिण उप-गलियारा (विजयवाड़ा-नागपुर-इटारसी-975 किमी) के समर्पित ढुलाई गलियारों की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट के लिए सर्वेक्षण/तैयारी के लिए भी स्वीकृति दे दी है।

गति शक्ति कार्गो टर्मिनल

रेल कार्गो को संभालने के लिए अतिरिक्त टर्मिनलों के विकास में उद्योग से निवेश को बढ़ावा देने के लिए, 15 दिसम्बर, 2021 को एक नई 'गति शक्ति मल्टी-मॉडल कार्गो टर्मिनल (जीसीटी)' नीति शुरू की गई है। उद्योग से मांग और कार्गो यातायात की संभावना के आधार पर जीसीटी के लिए स्थानों की पहचान की जा रही है/उन्हें अंतिम रूप दिया जा रहा है। अब तक, 6 जीसीटी पहले ही कमीशन किए जा चुके हैं और जीसीटी के विकास के लिए लगभग 74 और स्थानों की अनंतिम रूप से पहचान की गई है। देश में अनंतिम रूप से चिह्नित स्थानों का राज्य-वार ब्यौरा निम्नानुसार है:-

क्र. सं.	राज्य का नाम	जीसीटी के लिए चिह्नित स्थानों की संख्या
1	आंध्र प्रदेश	4
2	असम	2
3	बिहार	8
4	छत्तीसगढ़	1
5	दिल्ली	1
6	गुजरात	3
7	हरियाणा	2
8	झारखंड	4
9	कर्नाटक	3
10	केरल	1
11	मध्य प्रदेश	1
12	महाराष्ट्र	11
13	ओडिशा	4
14	पंजाब	6
15	तमिलनाडु	3
16	तेलंगाना	5
17	उत्तर प्रदेश	10
18	उत्तराखंड	1
19	पश्चिम बंगाल	4



गति शक्ति कार्गो टर्मिनलों (जीसीटी) की मुख्य विशेषताएं निम्नानुसार हैं:-

- त्वरित और परेशानी मुक्त अनुमोदन के लिए सरलीकृत आवेदन और अनुमोदन प्रक्रिया।
- आवेदक से कोई विभागीय शुल्क नहीं वसूला जाएगा।
- संपर्कता के लिए उपयोग की जाने वाली रेलवे भूमि के लिए कोई भूमि लाइसेंस शुल्क नहीं वसूला जाएगा।
- वाणिज्यिक कर्मचारियों की कोई लागत नहीं वसूली जाएगी
- रेलवे द्वारा निर्मित और अनुरक्षित किए जाने वाले सर्विंग स्टेशन पर सभी सामान्य-प्रयोक्ता यातायात सुविधाएं
- 1 एम.टी अथवा उससे अधिक जावक यातायात वाले टर्मिनलों के लिए मध्य-खंड ब्लॉक हट/ब्लॉक स्टेशन की लागत की प्रतिपूर्ति 10% मालभाड़ा छूट के रूप में की जाएगी।
- यार्ड और लदान/उतराई लाइनों को छोड़कर, रेलवे द्वारा अपनी लागत पर सभी परिसंपत्तियों (रेलपथ, सिगनलिंग, ओएचई) का अनुरक्षण
- रेलवे द्वारा बनाए जा रहे रेलपथ के हिस्सों से दूसरे टर्मिनल (टर्मिनलों) को संपर्कता प्रदान करने का अधिकार रेलवे के पास रहेगा।
- अगले तीन वित्त वर्षों अर्थात् 2022-23, 2023-24 और 2024-25 में 100 जीसीटी स्थापित करने का लक्ष्य रखा गया है।

भारत में माल ढुलाई गलियारों की स्थिति

रेल मंत्रालय द्वारा दो डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर (डीएफसी) अर्थात ईस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर (ईडीएफसी), लुधियाना से सोननगर (1337 कि.मी.) और वेस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर (डब्ल्यूडीएफसी), जवाहरलाल नेहरु पोर्ट टर्मिनल (जेएनपीटी) से दादरी (1506 कि.मी.) के निर्माण का कार्य शुरू किया गया है। अभी तक, डीएफसी की 2843 कि.मी. की कुल स्वीकृत लंबाई में से 1110 कि.मी. के कार्यों को पूरा कर लिया गया है।



डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर से माल गाड़ियों के तीव्र पारवहन, डबल स्टैक कंटेनर गाड़ियों का संचालन और भारी माल गाड़ियों के कारण उच्चतर परिवहन निर्गम और ढुलाई क्षमता की पेशकश की जाएगी, जिसके कारण माल परिवहन की इकाई लागत में काफी हद तक कमी आएगी तथा उपस्कर लागत में उल्लेखनीय रूप से बचत होगी। इसके द्वारा डीएफसी के प्रभावी क्षेत्रों में स्थित उद्योगों/उपस्करों संबंधी उद्यमियों हेतु आपूर्ति श्रृंखला में सुधार होगा जिससे आयात-निर्यात(एग्जिम) का परिवहन भी विकसित होगा।

डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर के उपर्युक्त लाभों से डीएफसी मार्गों के साथ-साथ विकसित किए जा रहे औद्योगिक गलियारों/टाउनशिप का लाभ उठाकर उस क्षेत्र में औद्योगिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा। ईस्टर्न और वेस्टर्न दोनों डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोरों के साथ-साथ नए माल टर्मिनलों, मल्टीमॉडल उपस्कर पार्कों और अंतर्देशीय कंटेनर डिपुओं का विकास, कार्यान्वयन के विभिन्न चरणों में हैं।

उपर्युक्त उपायों से परियोजना-प्रभावी क्षेत्रों में प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के सृजन की भी संभावना है।

1 मार्च 2014 और 01 मार्च 2021 के मध्य डीएफसी की स्थिति और प्रगति

क्र.सं.	विवरण	उपलब्धि	
		01 मार्च 2014 तक	01 मार्च 2021 तक
1	पूंजीगत व्यय (₹ करोड़ में)	10,357	74,788
2	समापन (किमी में)	0	1110

रेलवे द्वारा 'डोर टू डोर डिलीवरी'

भारतीय डाक और भारतीय रेल का 'संयुक्त पार्सल उत्पाद' (जेपीपी) विकसित किया जा रहा है जिसमें प्रारंभिक-छोर और अंतिम-छोर संपर्कता डाक विभाग द्वारा मुहैया कराई जाएगी तथा स्टेशन से स्टेशन तक की मध्यवर्ती संपर्कता रेलवे के जरिए प्रदान की जाएगी। जेपीपी का उद्देश्य प्रेषक के परिसर से पार्सल लेना, बुकिंग करना और पाने वाले के घर पर डिलीवरी करना जैसे समग्र पार्सल सम्हलाई समाधान उपलब्ध करा कर बिजनेस-टू-बिजनेस और बिजनेस-टू-कस्टमर को लक्षित करना है।



भारतीय रेल और भारतीय डाक द्वारा जेपीपी को पायलट परियोजना के आधार पर शुरू किया गया है। पायलट परियोजना की पहली सेवा 31 मार्च, 2022 से सूरत से वाराणसी के लिए शुरू की गई है।

मशीनीकृत सफाई तकनीक



भारतीय रेल ने स्टेशन परिसरों में उचित स्वास्थ्यप्रदता, साफ-सफाई और स्वच्छता बनाए रखने के लिए प्रमुख स्टेशनों पर यंत्रीकृत सफाई शुरु कर दी है। यंत्रीकृत साफ-सफाई, अपेक्षित सामग्री और जनशक्ति के साथ-साथ उच्च दबाव वाले वाटर जेट, यंत्रीकृत फ्लोर स्क्रबर, वाक बिहाईड ऑटोमैटिक स्क्रबर ड्रायर, बैट्री परिचालित स्क्रबर, वैक्यूम क्लीनर, फ्लीपर, वेट और ड्राई वैक्यूम क्लीनर आदि का उपयोग करते हुए की जाती है।

गैर समतल सतह की यंत्रीकृत सफाई के लिए भी प्रयास किए जाते हैं। कुछ रेलों में हल्के गैर समतल सतहों के लिए राइड ऑन रोड स्वीपर मशीन, हाई प्रेशर जेट मशीन आदि का उपयोग किया जा रहा है। इसके अलावा, गैर समतल सतहों की सफाई सामान्यत: अनुशंसित रसायन/क्लिनिंग एजेंट सहित झाड़ू, हैंड स्क्रबर, वेट मॉप, वाईपर आदि जैसे उपकरणों का उपयोग करते हुए की जाती है।

'भारतीय रेल' के विजन 2020 का लक्ष्य स्वच्छता और अपशिष्ट प्रबंधन को प्राथमिकता देना है। भारतीय रेल में निम्नलिखित महत्त्वपूर्ण क्षेत्रों पर जोर दिया गया है:

- न्यूनीकरण, रिसाइकल और पुन:प्रयोग के सिद्धांत को अपनाकर लगभग शून्य अपशिष्ट स्थिति के लिए प्रत्येक स्टेशनों की विशेषताओं को जानने के लिए प्रत्येक स्टेशन का अध्ययन।
- उपयोगकर्ता जागरुकता अभियान के साथ-साथ जल आपूर्ति, जल निकासी, नालियां, वॉशेबल एप्रन, उचित रूप से डिजाइन किए हुए प्लेटफॉर्म और सक्षम एजेंसियों द्वारा अनुरक्षित पे एण्ड यूज शौचालय जैसी अवसंरचना और सुविधाएं।
- शहर के प्राधिकरणों के साथ समन्वय।
- सभी सवारी डिब्बों में डिस्चार्ज फ्री ग्रीन टॉयलेट के साथ रेट्रोफिटिंग द्वारा रेलट्रेन की साफ-सफाई में वृद्धि।
- अनुरक्षण टर्मिनलों पर यंत्रीकृत साफ-सफाई।
- ऑनबोर्ड हाउस कीपिंग और मार्ग में क्लीन ट्रेन स्टेशन पर यंत्रीकृत सफाई।
- जल की अधिकतम रिसाईकलिंग
- कीटों और कृंतकों के लिए व्यावसायिक एजेंसियों की सहायता।

यंत्रीकृत साफ-सफाई के लिए मानक बोली दस्तावेज (एसबीडी) में यथा उल्लिखित स्क्रबर में ट्विन मूवमेंट वाली स्क्रबर मशीन अर्थात स्क्रबर का रोटरी एक्शन और ट्रांसलेशनल मूवमेंट शामिल हैं और इसे भारतीय रेल पर यंत्रीकृत साफ-सफाई प्रणाली में उपयोग किया जा रहा है।

ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेलवे लाइन

ऋषिकेश-कर्णप्रयाग नई लाइन परियोजना को बजट 2010-11 में स्वीकृत किया गया था। परियोजना की प्रत्याशित लागत ₹16,216 करोड़ है, जिसमें से अब तक ₹6,618 करोड़ का व्यय किया जा चुका है। वित्त वर्ष 2021-22 में ₹4,200 करोड़ का परिव्यय आवंटित किया गया है। योग नगरी ऋषिकेश से वीरभद्र (5.7 किमी) खंड का कार्य मार्च, 2020 में पूरा हो गया है। किमी 6.0 से आगे, संरेखण अधिकांशत: सुरंगों में है। सभी सुरंगों और बड़े पुलों पर काम शुरू कर दिया गया है।

सम्पूर्ण परियोजना में भूमि अधिग्रहण और वन मंजूरी का कार्य पूरा हो गया है। पर्यावरण वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (एमओईएफ एण्डसीसी) के वन अधिकार अधिनियम -2006 के दिशा-निर्देशों में निर्धारित की गई रेल परियोजना की लाइन के साथ-साथ स्थित सभी ग्राम सभाओं से 'अनापत्ति प्रमाण पत्र' प्राप्त कर लिए गए हैं।



भूमि अधिग्रहण, पुनर्वास और पुनर्स्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता अधिकार अधिनियम, 2013 की तीन अनुसूचियों में दिए गए प्रावधानों के अनुसार प्रभावित परिवारों को मुआवजे और पुनर्वास की योजनाएं प्रदान की गई हैं।

67वां राष्ट्रीय रेल पुरस्कार समारोह
उत्साहपूर्वक सम्पन्न



भुवनेश्वर में आयोजित राष्ट्रीय रेल पुरस्कार समारोह-2022 में रेलकर्मियों को पुरस्कृत करते हुए रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव साथ में हैं रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष और मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री विनय कुमार त्रिपाठी तथा अन्य उच्च अधिकारीगण

67वें राष्ट्रीय रेल पुरस्कार समारोह-2022 का आयोजन 28 मई, 2022 को पूर्व तट रेलवे के तत्वावधान में रेलवे सभागार, भुवनेश्वर में किया गया। इस अवसर पर श्री अश्विनी वैष्णव, केंद्रीय रेल, संचार और इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री ने मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे।

इस अवसर पर रेलकर्मियों उत्साह बढ़ाते हुए श्री वैष्णव ने कहा कि रेल कर्मियों में निहित प्रतिभा को उकेरे जाने की आवश्यकता है। रेलवे के परिवर्तन से भारतीय अर्थव्यवस्था का परिदृश्य बदल सकता है। बेहतर भविष्य के लिए भारतीय रेल के परिवर्तन पर जोर दिया जा रहा है, जो भारतीय अर्थव्यवस्था के विकास को नई ऊंचाइयों पर ले जाने में मदद करेगा।

भारतीय रेल में मूलभूत परिवर्तन लाने के दृष्टिकोण पर बोलते हुए श्री वैष्णव ने कहा कि देश को भारतीय रेल से कई गुणा अपेक्षा है और इसे पूरा करने की क्षमता रेलवे के हर कर्मचारी, हर अधिकारी और उनके परिवार में है। उन्होंने कहा कि हमें बड़े लक्ष्य लेकर चलने की आवश्यकता है और रेलकर्मियों की प्रतिबद्धता, समर्पण, अनुशासन, तकनीकी ज्ञान द्वारा इन लक्ष्यों को पूरा करना संभव है। उन्होंने कहा कि इस अपेक्षा को पूरा करने हेतु रोलिंग स्टॉक, निर्माण कार्यों, सुरक्षा और साइबर सुरक्षा के मामले में प्रौद्योगिकी के तेजी से इस्तेमाल की भी आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि रेलवे के विकास के लिए और अधिक निवेश की जरूरत है। सरकार 2014 से रेलवे में निवेश बढ़ाने के प्रयास कर रही है और इस साल यह ₹ एक लाख 37 हजार करोड़ तक पहुंच गया है। उन्होंने यह भी बताया कि 'पीएम गति शक्ति' योजना के तहत परियोजनाओं को प्राथमिकता देने की दृष्टि से रेलवे बोर्ड के तहत एक नया निदेशालय स्थापित किया गया है।

इससे पहले रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष और मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री विनय कुमार त्रिपाठी ने अपने स्वागत भाषण में हाल के दिनों में परिवर्तन के साथ भारतीय रेल के विकास कार्यों बारे में बताया।

समारोह में विभिन्न जोनल रेलवे के 155 रेलकर्मियों ने रेल मंत्री से उत्कृष्टता प्रमाण पत्र और पुरस्कार प्राप्त किए। इसके अलावा, विभिन्न रेलवे, उत्पादन इकाइयों और रेलवे के सार्वजनिक उपक्रमों को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन और दक्षता के लिए 21 शील्ड प्रदान की गई। 10 ट्रैकमैन, जिनमें 8 सुरक्षा श्रेणी में 2 संचालन, सुरक्षा और सुरक्षा श्रेणी में शामिल हैं, को सम्मानित किया गया। 28 रेलकर्मियों को व्यक्तिगत सुरक्षा की परवाह किए बिना कर्तव्य पालन के लिए पुरस्कृत किया गया। 42 रेलकर्मियों को परिचालन में सुधार, सुरक्षा और संरक्षा, बेहतर रखरखाव और परिसंपत्तियों के उपयोग के लिए किए गए अनुकरणीय कार्यों के लिए सम्मानित किया गया, 28 कर्मचारियों को नवाचारों के लिए सम्मानित किया गया। प्रक्रियागत खर्च में मितव्ययिता, उत्पादकता में सुधार, आदि के लिए 11 कर्मचारियों को सम्मानित किया गया, 12 रिकॉर्ड समय में परियोजनाओं को पूरा करने के लिए, 01 खेल के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए, 33 रेलकर्मियों को अन्य क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया गया।

समारोह में रेलवे बोर्ड से श्री मोहित सिन्हा, सदस्य (वित्त); श्री ओ.पी. सिंह, सदस्य (इन्फ्रास्ट्रक्चर), श्री डी.सी. शर्मा, सदस्य (ट्रैक्शन एंड रोलिंग स्टॉक); श्री एस. के. मोहंती, सदस्य (संचालन और व्यवसाय विकास) और श्री आर.एन. सिंह, सचिव, रेलवे बोर्ड सहित देश के सभी क्षेत्रीय रेलों एवं उत्पादन इकाइयों के महाप्रबंधक और रेलवे के सार्वजनिक उपक्रमों के साथ उच्च स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे।

समारोह में महाप्रबंधकों तथा अन्य उच्च अधिकारियों को शील्ड प्रदान करते हुए रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव



समग्र प्रदर्शन हेतु प्रतिष्ठित गोविंद वल्लभ पंत शील्ड रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव द्वारा महाप्रबंधक, पश्चिम मध्य रेलवे को प्रदान की गई



व्यापक स्वास्थ्य देखभाल शील्ड पश्चिम मध्य रेलवे और दक्षिण मध्य रेलवे को संयुक्त रूप से प्रदान करते हुए रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव



दक्षिण मध्य रेलवे को सुरक्षा शील्ड प्रदान करते हुए रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव



रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव द्वारा सिविल इंजीनियरी शील्ड पश्चिम रेलवे, दक्षिण मध्य रेलवे और मध्य रेल को संयुक्त रूप से प्रदान की गई



रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव से चल स्टॉक शील्ड (पूर्ववर्ती यांत्रिक इंजीनियरी शील्ड) प्राप्त करते हुए महाप्रबंधक, पश्चिम मध्य रेलवे



रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव से बिजली इंजीनियरी शील्ड प्राप्त करते हुए महाप्रबंधक, पूर्व तट रेलवे



महाप्रबंधक, उत्तर पश्चिम रेलवे को सिग्नल एवं दूरसंचार इंजीनियरी शील्ड प्रदान करते हुए रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव



दक्षिण मध्य रेलवे और पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधकों को संयुक्त रूप से भंडार शील्ड प्रदान करते हुए रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव



महाप्रबंधक, पूर्व मध्य रेलवे को यातायात परिवहन शील्ड प्रदान करते हुए रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव



महाप्रबंधक, पूर्व तट रेलवे को लेखा एवं वित्त प्रबंधन शील्ड प्रदान करते हुए रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव



रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव से वाणिज्यिक शील्ड प्राप्त करते हुए महाप्रबंधक, मध्य रेलवे



रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने सिविल इंजीनियरी निर्माण शील्ड दक्षिण मध्य रेलवे एवं उत्तर पश्चिम रेलवे को संयुक्त रूप से प्रदान की



रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव द्वारा कार्मिक प्रबंधन शील्ड दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे एवं पश्चिम मध्य रेलवे को संयुक्त रूप से प्रदान की गई



सर्वोत्तम उत्पादन इकाई शील्ड सवारी डिब्बा कारखाना और चित्तरंजन रेल इंजन कारखाना को संयुक्त रूप से प्रदान की गई



रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव द्वारा पर्यावरण एवं स्वच्छता शील्ड मध्य रेलवे को प्रदान की गई



सर्वोत्तम कारखाना (चल स्टाक) शील्ड रेल मंत्री द्वारा अजमेर (सवारी डिब्बा) कारखाना, उत्तर पश्चिम रेलवे को प्रदान की गई



रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव द्वारा रनिंग रूम शील्ड चेन्नै मंडल, दक्षिण रेलवे के जोलारपेट्टै रनिंग रूम को प्रदान की गई



रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने बिक्री प्रबंधन शील्ड उत्तर रेलवे और पश्चिम मध्य रेलवे को संयुक्त रूप से प्रदान की



समपार और ऊपरी/निचले सड़क पुल संरक्षा संबंधी निर्माण कार्य शील्ड रेल मंत्री द्वारा पश्चिम रेलवे को प्रदान की गई



संरक्षा शील्ड रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव द्वारा महाप्रबंधक, पश्चिम रेलवे को प्रदान की गई



रेल मदद शील्ड रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव द्वारा महाप्रबंधक, पूर्वोत्तर रेलवे को प्रदान की गई

हिन्दी निबंध प्रतियोगिता-2022 के विजेता (राजपत्रित कोटि)	
प्रथम	श्री नितिन गर्ग, उ. मु. इंजीनियर, रेलपथ मशीन इंजीनियरी विभाग
द्वितीय	श्री लोकेश विश्नोई, अपर मंडल रेल प्रबंधक/परिचालन, रायपुर मंडल
हिन्दी निबंध प्रतियोगिता-2022 के विजेता (अराजपत्रित कोटि)	
प्रथम	श्री संतराम बावनथाडे, सहायक/टीआरडी, रनिंग रिपेयर ओएचई कार्यालय, रायपुर
द्वितीय	श्रीमती शशि प्रभा, वरिष्ठ सेक्शन इंजीनियर/उपस्कर अनुसंधान निदेशालय, लखनऊ
अंग्रेजी निबंध प्रतियोगिता-2022 के विजेता (राजपत्रित कोटि)	
प्रथम	श्री नवदीप प्रकाश अग्रवाल, सदस्य सचिव, रेलवे भर्ती बोर्ड, भोपाल
द्वितीय	श्री टी. देलसों जोसफ, पूर्व उप. वित्त सलाहकार एवं मुख्य लेखाधिकारी, आईसीएफ
अंग्रेजी निबंध प्रतियोगिता-2022 के विजेता (अराजपत्रित कोटि)	
प्रथम	श्री मुकेश कुमार, पुस्तकालय और सूचना सहायक
द्वितीय	श्री प्रांजल राजेश पाटिल, सहायक (टीआरडी), एसएसई/आरसी कार्यालय, नागपुर मंडल

राष्ट्रीय रेल पुरस्कार-2022

प्राप्त करने वाले रेलकर्मियों की सूची

क्र.सं.	सर्वश्री/श्रीमती/सुश्री नाम	पदनाम	क्षेत्र
1	स्वर्गीय तपस मलिक	रेलपथ अनुरक्षक IV	पूर्वोत्तर सीमा रेलवे
2	राकेश रामदास शेल्के	रेलपथ अनुरक्षक ग्रेड IV	मध्य रेल
3	नवीन प्रताप सिंह	निरीक्षक/रेल सुरक्षा बल	मध्य रेल
4	विजय सिंह चंद्रावत	मुख्य लोको निरीक्षक	मध्य रेल
5	चन्द्रशेखर एम.बाकरे	मुख्य कार्यालय अधीक्षक	मध्य रेल
6	शिवराजन पी. के.	सुरक्षा परामर्शदाता (यांत्रिक)	मध्य रेल
7	मनराज मीना	वरिष्ठ मंडल सामग्री प्रबंधक	मध्य रेल
8	नर्मदेशवर झा	उपमुख्य परिचालन प्रबंधक (गुड्स)	मध्य रेल
9	अक्षय सेन	ट्रैकमैन ग्रेड IV	पूर्व रेलवे
10	कार्तिक	कुली	पूर्व रेलवे
11	चंदन कुमार	लोको पायलट	पूर्व रेलवे
12	सौमाभा दास	लोको पायलट	पूर्व रेलवे
13	दिलीप घोष दस्तीदार	वरिष्ठ सेक्शन इंजीनियर/आईटी	पूर्व रेलवे
14	मोहम्मद तारिक	उपसचिव(जी)	पूर्व रेलवे
15	डॉ नवेन्दु एन. जेना	मंडल चिकित्सा अधिकारी	पूर्व रेलवे
16	रौशन कुमार	वरिष्ठ मंडल परिचालन प्रबंधक	पूर्व रेलवे
17	अवनीश भारती	रेलपथ अनुरक्षक ग्रेड IV	पूर्व मध्य रेलवे
18	बैजू कुमार साह	रेलपथ अनुरक्षक ग्रेड III	पूर्व मध्य रेलवे
19	विजय कुमार	रेलपथ अनुरक्षक ग्रेड I	पूर्व मध्य रेलवे
20	उदय नारायण	लोको पायलट	पूर्व मध्य रेलवे
21	गुड्डू कुमार यादव	लोको पायलट	पूर्व मध्य रेलवे
22	संजय कुमार गुप्ता	लोको पायलट	पूर्व मध्य रेलवे
23	राकेश रंजन	यातायात निरीक्षक	पूर्व मध्य रेलवे
24	केशव आनंद	मंडल परिचालन प्रबंधक/डीएचएन	पूर्व मध्य रेलवे
25	विजय कुमार	रेलपथ अनुरक्षक ग्रेड III	पूर्व तट रेलवे
26	निहार रंजन मिश्रा	मुख्य प्रोटोकॉल निरीक्षक	पूर्व तट रेलवे
27	दीपक कुमार पृष्टी	सहायक सिग्नल एवं दूरसंचार इंजीनियर	पूर्व तट रेलवे
28	के. वेंकट राजू	सहायक परिचालन प्रबंधक/कोचिंग	पूर्व तट रेलवे
29	आशीष कुमार	मंडल यांत्रिक इंजीनियर (फ्रेट)	पूर्व तट रेलवे
30	धर्मेन्द्र कुमार	जूनियर इंजीनियर/निर्माण	उत्तर रेलवे
31	जुनफैद अली	जूनियर इंजीनियर/निर्माण	उत्तर रेलवे
32	मोहम्मद असलम	ट्रेन प्रबंधक	उत्तर रेलवे
33	सपन कुमार	वरिष्ठ सेक्शन इंजीनियर	उत्तर रेलवे
34	पवन कुमार	वरिष्ठ सेक्शन इंजीनियर/सी एंड डब्ल्यू	उत्तर रेलवे
35	आशीष बग्गा	मुख्य वाणिज्यिक निरीक्षक/दर	उत्तर रेलवे
36	आलोक भट्ट	सहायक मंडल यांत्रिक इंजीनियर	उत्तर रेलवे
37	रविन्दर कुमार	वरिष्ठ जनसंपर्क अधिकारी	उत्तर रेलवे
38	आत्मजीत सिंह	वरिष्ठ मंडल बिजली इंजीनियर	उत्तर रेलवे
39	डॉ. श्रुति सिंघल	वरिष्ठ मंडल वित्त प्रबंधक	उत्तर रेलवे
40	लोकेश सिंगला	वरिष्ठ मंडल वित्त प्रबंधक	उत्तर रेलवे
41	ऐश्वर्य सचान	वरिष्ठ मंडल यांत्रिक इंजीनियर	उत्तर रेलवे
42	अनुराग आनंद	वरिष्ठ मंडल सिग्नल एवं दूरसंचार इंजीनियर/समन्वय	उत्तर रेलवे
43	पंकज कुमार	ट्रैक मेंटेनर ग्रेड-II	उत्तर मध्य रेलवे
44	अशोक कुमार गुप्ता	कनिष्ठ इंजीनियर	उत्तर मध्य रेलवे
45	मानसी वर्मा	वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी	उत्तर मध्य रेलवे
46	अमित गोयल	वरिष्ठ मंडल सिग्नल एवं दूरसंचार इंजीनियर/समन्वय	उत्तर मध्य रेलवे
47	आकांक्षा शर्मा	उपमुख्य सामग्री प्रबंधक	उत्तर मध्य रेलवे
48	रामप्रीत	तकनीशियन ग्रेड III	पूर्वोत्तर रेलवे
49	वेद प्रकाश	इलेक्ट्रिकल सिग्नल अनुरक्षक ग्रेड-I	पूर्वोत्तर रेलवे
50	अनिरुद्ध राय	निरीक्षक/रेल सुरक्षा बल	पूर्वोत्तर रेलवे
51	मनीष यादव	वरिष्ठ सेक्शन इंजीनियर/निर्माण	पूर्वोत्तर रेलवे
52	कृष्णा चंद्र सिंह	उप महाप्रबंधक/सामान्य	पूर्वोत्तर रेलवे
53	रणविजय प्रताप	वरिष्ठ मंडल यांत्रिक इंजीनियर	पूर्वोत्तर रेलवे
54	ब्रजेश कुमार सिंह	हेल्पर	पूर्वोत्तर सीमा रेलवे
55	प्रदीप लाकड़ा	हेल्पर	पूर्वोत्तर सीमा रेलवे
56	के. कनकराजू	तकनीशियन ग्रेड-I	पूर्वोत्तर सीमा रेलवे
57	सूजन बैरागी	तकनीशियन ग्रेड-I	पूर्वोत्तर सीमा रेलवे
58	चन्द्रजीत दास	तकनीशियन ग्रेड-III	पूर्वोत्तर सीमा रेलवे
59	श्यामलाल मंडल	तकनीशियन ग्रेड-I	पूर्वोत्तर सीमा रेलवे
60	अरूप कर	तकनीशियन ग्रेड-I	पूर्वोत्तर सीमा रेलवे
61	बिमल दास	सहायक/सीएंडडब्ल्यू	पूर्वोत्तर सीमा रेलवे
62	शुभांकर बैनर्जी	सहायक/सीएंडडब्ल्यू	पूर्वोत्तर सीमा रेलवे
63	जतिन प्रामाणिक	क्रेन ड्राईवर ग्रेड-II	पूर्वोत्तर सीमा रेलवे
64	सुनील कुमार सिंह	वरिष्ठ सेक्शन इंजीनियर/आईसी	पूर्वोत्तर सीमा रेलवे
65	रमेश कुमार सिंह	वरिष्ठ सेक्शन इंजीनियर/सीएंडडब्ल्यू	पूर्वोत्तर सीमा रेलवे
66	अजित सरकार	सहायक उपनिरीक्षक/रेल सुरक्षा बल	पूर्वोत्तर सीमा रेलवे
67	मुन्ना कुमार	स्टेशन अधीक्षक	पूर्वोत्तर सीमा रेलवे
68	मेजर हेमंत बलवंत पॉल	वरिष्ठ मंडल वित्त प्रबंधक	पूर्वोत्तर सीमा रेलवे
69	राजपाल	वरिष्ठ सेक्शन इंजीनियर/बिजली	उत्तर पश्चिम रेलवे
70	मुकेश सैनी	वरिष्ठ मंडल वाणिज्यिक प्रबंधक	उत्तर पश्चिम रेलवे
71	अमित जैन	उप मुख्य इंजीनियर/निर्माण	उत्तर पश्चिम रेलवे
72	किशन स्वरूप	वरिष्ठ मंडल सिग्नल एवं दूरसंचार इंजीनियर	उत्तर पश्चिम रेलवे
73	के. मूर्ति	रेलपथ अनुरक्षक ग्रेड III	दक्षिण रेलवे
74	जे. आर सैयद हुसैन	लोको पायलट	दक्षिण रेलवे
75	एस. किरुबाकरण	वरिष्ठ सेक्शन इंजीनियर/सी एंड डबल्यू	दक्षिण रेलवे
76	आर. सुनील कुमार	यातायात निरीक्षक/योजना	दक्षिण रेलवे
77	डी. स्टेनली जोन्स	मुख्य नर्सिंग अधीक्षक	दक्षिण रेलवे
78	महेंद्र मोलुमूरी	वरिष्ठ मंडल सिग्नल एवं दूरसंचार इंजीनियर	दक्षिण रेलवे
79	टी.एस. चंद्र शेखर रेड्डी	निरीक्षक/रेल सुरक्षा बल	दक्षिण मध्य रेलवे
80	जी.एच. प्रसाद	लोको पायलट	दक्षिण मध्य रेलवे
81	बी. श्रीनिवास गौड़	लोको पायलट	दक्षिण मध्य रेलवे
82	जय प्रकाश	वरिष्ठ सेक्शन इंजीनियर	दक्षिण मध्य रेलवे
83	के.वी. श्रीनिवासु	वरिष्ठ सेक्शन अधिकारी (लेखा)	दक्षिण मध्य रेलवे
84	डॉ. एस सुनील कुमार	सहायक मंडल चिकित्सा अधिकारी	ष्दक्षिण मध्य रेलवे
85	डॉ सुरेश रेड्डी अवाटला	मंडल परिचालन प्रबंधक	दक्षिण मध्य रेलवे
86	प्रिया अग्रवाल	उपमुख्य सिग्नल एवं सिग्नल एवं दूरसंचार इंजीनियर/परियोजना	दक्षिण मध्य रेलवे
87	रामीरेड्डी विश्वनाथ रेड्डी	वरिष्ठ मंडल सिग्नल और दूरसंचार इंजीनियर	दक्षिण मध्य रेलवे
88	मोतीलाल भूक्या	वरिष्ठ मंडल इंजीनियर/समन्वय	दक्षिण मध्य रेलवे
89	बिजय रावत	रेलपथ अनुरक्षक ग्रेड III	दक्षिण पूर्व रेलवे
90	सिमरन कुमारी	महिला कांस्टेबल/रेल सुरक्षा बल	दक्षिण पूर्व रेलवे
91	सुभाष कुमार चौधरी	लोको पायलट	दक्षिण पूर्व रेलवे
92	दोल गोविंद हेमब्रम	वरिष्ठ सेक्शन इंजीनियर/सी एंड डब्ल्यू	दक्षिण पूर्व रेलवे
93	तंगाबलन स्वामीनाथन	वरिष्ठ मंडल परिचालन प्रबंधक (फ्रेट)	दक्षिण पूर्व रेलवे
94	राजकुमार	उपमुख्य टिकट निरीक्षक	दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे
95	रजनीश चौरसिया	वरिष्ठ सेक्शन इंजीनियर/रेलपथ	दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे
96	के. सी. प्रियदर्शी	मंडल सिग्नल एवं दूरसंचार इंजीनियर	दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे
97	सी.एस. भारती	मुख्य टिकट निरीक्षक	दक्षिण पश्चिम रेलवे
98	तमिल सेल्वी. आर	वरिष्ठ नर्सिंग अधीक्षक	दक्षिण पश्चिम रेलवे
99	भेष दत्त	वरिष्ठ मंडल यांत्रिक इंजीनियर/डीजल	दक्षिण पश्चिम रेलवे
100	रवि कुमार नारायण	पॉइंट्समैन	पश्चिम रेलवे
101	अय्यर पी.आर. शिवराम	लोको पायलट	पश्चिम रेलवे
102	अनु त्यागी	क्षेत्रीय प्रबंधक	पश्चिम रेलवे
103	अभिषेक कुमार सिंह	वरिष्ठ मंडल यांत्रिक इंजीनियर/समन्वय	पश्चिम रेलवे
104	मुकेश माहोर	ट्रैकमैन ग्रेड II	पश्चिम मध्य रेलवे

क्र.सं.	सर्वश्री/श्रीमती/सुश्री नाम	पदनाम	क्षेत्र
105	दर्शना महावर	तकनीशियन ग्रेड I	पश्चिम मध्य रेलवे
106	प्रेम कुमार निराला	वरिष्ठ यात्रा निरीक्षक (लेखा)	पश्चिम मध्य रेलवे
107	वेरोनिका हैंड्रिक्स	मुख्य नर्सिंग अधीक्षक	पश्चिम मध्य रेलवे
108	तुषार सारस्वत	वरिष्ठ मंडल प्रचालन प्रबंधक	पश्चिम मध्य रेलवे
109	कौशिक मित्रा	उपमुख्य संचालन प्रबंधक/ वाणिज्यिक	मेट्रो रेल
110	कांति प्रसन्ना भूमिज	वरिष्ठ सेक्शन इंजीनियर/डी एंड डी	चितरंजन रेलइंजन कारखाना
111	मिर्ज़ा मोहम्मद गुलाम वारिस बेग	उप मुख्य यांत्रिक इंजीनियर/संयंत्र	चितरंजन रेलइंजन कारखाना
112	भगवान प्रसाद गुप्ता	निर्माण प्रबंधक (एम एंड पी)	बनारस रेलइंजन कारखाना
113	संजय अंगोथु	उप मुख्य यांत्रिक इंजीनियर/डिजाइन	सवारी डिब्बा कारखाना
114	मोहम्मद फैजल	उप वित्तीय सलाहकार एवं ओर मुख्य लेखा अधिकारी	सवारी डिब्बा कारखाना
115	सुरेन्द्र कुमार	वरिष्ठ सेक्शन इंजीनियर	रेल डिब्बा कारखाना
116	अशोक कुमार अग्निहोत्री	वरिष्ठ यांत्रिक इंजीनियर/डिजाइन	आधुनिक रेल कोच फैक्ट्री
117	के. एस. सूर्यनारायणन	उप मुख्य इंजीनियर	रेल पहिया कारखाना
118	शक्ति सिंह	वरिष्ठ खेल अधिकारी	पटियाला रेलइंजन कारखाना
119	सुरेश मेंघनानी	कार्यपालक निदेशक (भंडार)	रेलवे बोर्ड
120	मनीष कुमार	वरिष्ठ सेक्शन इंजीनियर/आरई	कोर
121	एस. मुरली मनोहर	सहायक मंडल इलेक्ट्रिकल इंजीनियर / आरई	कोर
122	रोहन एम.एस	उप मुख्य बिजली इंजीनियर/आरई	कोर
123	विक्रम सिंह यादव	उ.मु. सिग्नल एवं दूरसंचार इंजीनियर/आरई	कोर
124	प्रमोद कुमार	वरिष्ठ सेक्शन इंजीनियर/निर्माण	पूर्वोत्तर सीमा रेलवे (निर्माण)
125	दीपज्योति सैकिया	सहायक कार्यपालक इंजीनियर (निर्माण)	पूर्वोत्तर सीमा रेलवे (निर्माण)
126	विनीत सिंह यादव	उपमुख्य इंजीनियर/निर्माण	पूर्वोत्तर सीमा रेलवे (निर्माण)
127	गिरिराज शरण शर्मा	उपनिदेशक	आरडीएसओ
128	मोहित वर्मा	निदेशक/बी एंड एस	आरडीएसओ

क्र.सं.	सर्वश्री/श्रीमती/सुश्री नाम	पदनाम	क्षेत्र
129	पटेकरी जे.एम	सहायक प्रोफेसर/ट्रैक-I	भारतीय रेल राष्ट्रीय अकादमी/इरीसेन
130	अतुल देशपांडे	सहायक प्रोफेसर/निर्माण	भारतीय रेल राष्ट्रीय अकादमी/इरीसेन
131	संजीवा राव आइंदलावाड़	प्रोफेसर/सूचना एवं प्रौद्योगिकी	भारतीय रेल राष्ट्रीय अकादमी
132	प्रभात रंजन सिंह	संयुक्त महाप्रबंधक/परियोजना	रेलवे बोर्ड /आरएलडीए
133	राहुल रैकवार	मल्टी ट्रास्किंग स्टाक	रेलवे बोर्ड
134	ललित	मल्टी ट्रास्किंग स्टाक	रेलवे बोर्ड
135	रवि दत्त शर्मा	लोको निरीक्षक/यांत्रिक	रेलवे बोर्ड
136	उदय भानु तिवारी	यातायात निरीक्षक ई एंड आर	रेलवे बोर्ड
137	राजीव कुमार	निरीक्षक/सुरक्षा	रेलवे बोर्ड
138	संजय उपाध्याय	वरिष्ठ सेक्शन इंजीनियर/दूरसंचार	रेलवे बोर्ड
139	रविंदर सिंह गिल	वरिष्ठ सेक्शन इंजीनियर/निर्माण	रेलवे बोर्ड
140	श्रीनिवास शर्मा	अनुभाग अधिकारी	रेलवे बोर्ड
141	रोविन गुप्ता	अनुभाग अधिकारी	रेलवे बोर्ड
142	प्रवीण कुमार सिन्हा	अनुभाग अधिकारी	रेलवे बोर्ड
143	दिनेश सूद	प्रधान निजी सचिव	रेलवे बोर्ड
144	तरुण	अवर सचिव/जी	रेलवे बोर्ड
145	उषा चट्टोपाध्याय	उपनिदेशक (जन शिकायत)	रेलवे बोर्ड
146	अजय बर्तवाल	संयुक्त निदेशक वित्त/सीसीए	रेलवे बोर्ड
147	शशि कुमार	वरिष्ठ कमांडिंग अधिकारी	रेलवे बोर्ड
148	श्रीनिवास थोगरू	निदेशक/सामान्य प्रशासन	रेलवे बोर्ड
149	सुनील कुमार तिवारी	निदेशक/रेलवे भंडार (डब्ल्यू)	रेलवे बोर्ड
150	पंकज कुमार	निदेशक/परियोजना निगरानी	रेलवे बोर्ड
151	कुमार संभव	निदेशक/यांत्रिक इंजीनियरी(उत्पादन इकाई)	रेलवे बोर्ड
152	डॉ राम निवास	निदेशक/बिजली इंजीनियर विकास	रेलवे बोर्ड
153	किशोर वैभव	निदेशक/बिजली इंजीनियर	रेलवे बोर्ड
154	प्रदीप नागर	निदेशक/सिविल इंजीनियर (योजना)	रेलवे बोर्ड
155	मोहित कुमार	निदेशक/निर्माण	रेलवे बोर्ड

उत्तर मध्य रेल में 67वां रेल सप्ताह के समारोह का आयोजन

उत्तर मध्य रेल मुख्यालय में महाप्रबंधक उत्तर मध्य रेल श्री प्रमोद कुमार की अध्यक्षता में 67वां रेल सप्ताह वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर उत्कृष्ट करने वाले रेलकर्मियों को पुरस्कृत किया गया। इसमें एक समूह पुरस्कार शामिल हैं। इसके अतिरिक्त तीनों मंडलों, कारखानों, अस्पतालों एवं अन्य इकाइयों को भी रनिंग शील्ड प्रदान की गई। मंडलवार शील्ड का विवरण निम्नवत् है:

झांसी मंडल- सर्वोत्तम मंडल शील्ड, सर्वोत्तम मंडल लेखा विभाग शील्ड, स्टेशन साफ-सफाई शील्ड- खजुराहो स्टेशन, रनिंग रूम शील्ड-झांसी मंडल, ट्रैक्शन डिस्ट्रीब्यूशन शील्ड, अंतर मंडलीय चिकित्सा शील्ड, बेस्ट कोचिंग रैक कप, परिचालन विभाग दक्षता शील्ड, संरक्षा दक्षता शील्ड, स्थापना कार्यो में सर्वोत्तम मंडल शील्ड, सिग्नल दक्षता शील्ड, भण्डार दक्षता शील्ड-सामान्य भण्डार डिपो, झांसी।

आगरा मंडल- वाणिज्य शील्ड, कार्य बागबानी शील्ड, रोलिंग स्टाक दक्षता शील्ड, समय पालन में सुधार शील्ड, स्क्रैप संग्रहण शील्ड, सर्वश्रेष्ठ मंडल राजभाषा शील्ड, खेलकूद शील्ड।

प्रयागराज मंडल- समग्र सुधार शील्ड, सर्वोत्तम स्टेशन प्रमाण पत्र-प्रयागराज जंक्शन, प्रयागराज मंडल, रेल पथ (ट्रैक) शील्ड, ब्रिज शील्ड, समग्र इंजीनियरिंग दक्षता शील्ड, इलेक्ट्रिक लोको शेड शील्ड, सामान्य सेवा एवं ऊर्जा दक्षता शील्ड, विद्युत विभाग दक्षता शील्ड, सर्वोत्तम स्वास्थ्य केन्द्र शील्ड-सूबेदारगंज स्वास्थ्य इकाई, बेस्ट कोचिंग डिपो कप, माल भाड़ा परिचालन शील्ड, सुरक्षा दक्षता शील्ड,



यात्री सुरक्षा शील्ड, दूरसंचार दक्षता शील्ड, जनसम्पर्क समग्र दक्षता शील्ड।

इसके अतिरिक्त सर्वोत्तम कारखाना शील्ड-सिथौली कारखाना, ग्वालियर, सर्वश्रेष्ठ कारखाना राजभाषा शील्ड-सिथौली कारखाना, निर्माण विभाग दक्षता शील्ड-उप मुख्य इंजीनियर/निर्माण, आगरा, कारखाना दक्षता शील्ड-सी.एम.एल.आर. कारखाना झांसी, कार्य दक्षता शील्ड-एनसीआरपीयू, सर्वोत्तम चिकित्सालय शील्ड-केन्द्रीय चिकित्सालय, प्रयागराज को दी गई।

उत्तर पश्चिम रेलवे द्वारा 67वां रेल सप्ताह समारोह उल्लासपूर्वक मनाया गया



उत्तर पश्चिम रेलवे द्वारा 67वां क्षेत्रीय रेल सप्ताह समारोह मनाया गया। समारोह के मुख्य अतिथि उत्तर पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक श्री विजय शर्मा ने इस अवसर पर उत्तर पश्चिम रेलवे के विभिन्न मंडलों/यूनिटों को अलग-अलग कार्यक्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए शील्ड प्रदान की। इस अवसर पर 175 रेलकर्मियों को महाप्रबंधक स्तर पर पुरस्कृत किया गया, जिनमें 32 राजपत्रित एवं 143 अराजपत्रित कर्मचारी शामिल हैं। इसके अतिरिक्त 15 सामूहिक पुरस्कार भी प्रदान किए गए। इस अवसर पर 67वां राष्ट्रीय रेल सप्ताह में पुरस्कृत 8 रेलकर्मियों तथा रेल मंत्री निबंध प्रतियोगिता में विजेता रेलकर्मी को भी सम्मानित किया गया। इस अवसर पर उत्तर पश्चिम रेलवे के थीम सॉन्ग को भी रिलीज किया गया।

इस अवसर पर कुल 35 कार्यकुशलता शील्ड प्रदान की गई। इस वर्ष अजमेर मण्डल को महाप्रबंधक की सम्पूर्ण कार्यकुशलता शील्ड एवं जोधपुर व जयपुर मण्डल को 6-6 माह के लिए रनर-अप शील्ड देकर सम्मानित किया गया।

श्री विजय शर्मा, महाप्रबंधक-उत्तर पश्चिम रेलवे ने समारोह के दौरान उपस्थित रेलकर्मियों व उनके परिजनों को सम्बोधित करते हुए उत्तर पश्चिम रेलवे जोन की प्रगति हेतु सभी अधिकारियों व कर्मचारियों को भारतीय रेल में अपने श्रेष्ठतम प्रदर्शन करने के लिए बधाई दी।

इस समारोह में उत्तर पश्चिम रेलवे के सांस्कृतिक दल ने अनेक मनमोहक प्रस्तुतियां दीं। प्रमुख मुख्य कार्मिक अधिकारी श्री प्रभाष कुमार ने सभी अतिथियों का स्वागत व अभिनन्दन किया। इस अवसर पर श्री गौतम अरोड़ा, अपर महाप्रबंधक, श्रीमती नीता शर्मा, अध्यक्षा, उत्तर पश्चिम रेलवे महिला कल्याण संगठन सहित अधिकारीगण व कर्मचारीगण उपस्थित थे।

आरडीएसओ में 67वां रेल सप्ताह पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन

आरडीएसओ में 67वां रेल सप्ताह समारोह का आयोजन 13 अप्रैल 2022 को किया गया, जिसमें महानिदेशक, आरडीएसओ श्री संजीव भुटानी, ने उत्कृष्ट और सराहनीय सेवाओं के लिए 78 अधिकारियों एवं कर्मचारियों को पुरस्कृत किया।



इस अवसर पर महानिदेशक द्वारा चल दक्षता शील्ड के क्रम में सर्वोत्तम अनुरक्षित कार्यालय के लिए परीक्षण निदेशालय को, सर्वोत्तम अनुरक्षित प्रयोगशाला के लिए संकेत प्रयोगशाला को प्रथम एवं परीक्षण प्रयोगशाला को द्वितीय तथा बेस्ट रिसर्च प्रोजेक्ट शील्ड सवारी डिब्बा निदेशालय को प्रदान की गई।

स्वच्छता पखवाड़ा 16 सितम्बर से 02 अक्टूबर 2021 के दौरान स्वच्छता प्रतियोगिताएँ आयोजित की गई थीं। महानिदेशक द्वारा इस अवसर पर सर्वोत्तम स्वच्छ कार्यालय के लिए रेलपथ मशीन एवं मानीटरिंग को, सर्वोत्तम स्वच्छ प्रयोगशाला हेतु सिग्नल प्रयोगशाला को, सर्वोत्तम स्वच्छ सेक्टर एवं सर्वोत्तम स्वच्छ कार्यालय भंडार हेतु सेक्टर-B को एवं सर्वोत्तम स्वच्छ विद्यालय हेतु अरुणोदय विद्यालय को पुरुस्कृत किया गया।

महानिदेशक ने अब तक किए गए प्रयासों की सराहना करते हुए सभी अधिकारियों/कर्मचारियों से अपना कार्य और अधिक समर्पण, परिश्रम और ईमानदारी से करने का आह्वान किया। इस अवसर पर आरडीएसओ ललित कला समिति द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए गये।

इस अवसर पर रेल महिला कल्याण एसोसिएशन की अध्यक्षा श्रीमती निशा भुटानी, श्री ज्योति प्रकाश पांडेय, महानिदेशक विशेष (वेंडर विकास), श्री रमेश पिंजानी, अपर महानिदेशक/आरडीएसओ एवं अन्य अधिकारीगण और कर्मचारीगण समारोह में उपस्थित रहे।

मध्य रेल में महाप्रबंधक वार्षिक रेलवे पुरस्कार समारोह संपन्न



श्री अनिल कुमार लाहोटी, महाप्रबंधक, मध्य रेल ने 26 अप्रैल, 2022 को वित्त वर्ष 2021-22 के दौरान मध्य रेल के 136 अधिकारियों/कर्मचारियों को उनके अनुकरणीय कार्य हेत व्यक्तिगत महाप्रबंधक पुरस्कार से सम्मानित किया। समारोह में विभागों/कारखानों/इकाइयों को 21 शील्ड प्रदान की गई। उन्होंने मंडलों, कार्यशालाओं, रेलवे स्टेशनों को अंतर-मंडल दक्षता शील्ड भी प्रदान की।

मुंबई मंडल और नागपुर मंडल ने संयुक्त रूप से सम्पूर्ण दक्षता शील्ड जीती। मुंबई मंडल को 4 विभागीय दक्षता शील्ड मिली, जिसमें वाणिज्य, विद्युत, यांत्रिक और सफाई शामिल है। मुंबई मंडल ने सोलापुर मंडल के साथ संयुक्त रूप से इंजीनियरिंग, भुसावल मंडल के साथ सिग्नल और दूरसंचार, पुणे मंडल के साथ संयुक्त रूप से कार्मिक शील्ड और नागपुर मंडल के साथ संयुक्त रूप से सुरक्षा शील्ड जीती। सोलापुर मंडल ने सेफ्टी, मेडिकल शील्ड, पुणे मंडल ने समयपालन शील्ड, नागपुर मंडल ने अकाउंट्स और ऑपरेटिंग शील्ड और भुसावल मंडल ने ट्रैक मशीन शील्ड जीती। वर्कशॉप दक्षता शील्ड माटुंगा वर्कशॉप, मुंबई ने जीती। पुणे और भुसावल मंडलों द्वारा संयुक्त रूप से स्टोर शील्ड, भुसावल और नागपुर मंडल द्वारा संयुक्त रूप से वर्क्स एफिशिएंसी शील्ड और अहमदनगर और पुणे इकाइयों द्वारा संयुक्त रूप से बेस्ट कंस्ट्रक्शन यूनिट शील्ड जीती। मुलुंड स्टेशन ने स्वच्छता के लिए सर्वश्रेष्ठ स्टेशन (सी, डी और ई श्रेणी के स्टेशनों के तहत) के लिए शील्ड प्राप्त की और भुसावल मंडल के नासिक रोड स्टेशन ने स्वच्छता के लिए सर्वश्रेष्ठ स्टेशन (ए 1, ए और बी श्रेणी के स्टेशनों के तहत)जीती। पुणे मंडल के उरुली रेलवे स्टेशन को सर्वश्रेष्ठ बेस्ट कैप्ट गार्डन और नागपुर मंडल के मुलताई स्टेशन को दूसरा बेस्ट कैप्ट गार्डन के लिए प्रदान किया गया।

श्री बी.के. दादाभोय, अपर महाप्रबंधक डॉ. ए.के. सिन्हा, प्रधान मुख्य कार्मिक अधिकारी उपस्थित थे। समारोह के पूर्व सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया।

आरेडिका में 67वां रेल सप्ताह

महाप्रबंधक पुरस्कार का वितरण आयोजन

आधुनिक रेल डिब्बा कारखाना में 67वां रेल सप्ताह महाप्रबंधक पुरस्कार का वितरण समारोह का आयोजन आरेडिका के सरस्वती प्रेक्षागृह में किया गया । इस दौरान सभी विभागों के विभागाधयक्ष एवं उच्च अधिकारीगण उपस्थित रहे।

इस समारोह में 75 एकल एवं 18 समूहों में 114 समूहिक पुरस्कारों सहित कुल 189 कर्मचारियों और अधिकारियों को महाप्रबंधक स्तर के पुरस्कार दिये गये। ज्ञात हो कि भारत में पहली रेल सेवा 16 अप्रैल 1853 को बम्बई से ठाणे के मध्य शुरू हुई थी, इसी उपलक्ष्य में अप्रैल माह में रेल सप्ताह पुरस्कारों का वितरण किया जाता है।



भारती
पत्रिका की ऑनलाइन सदस्यत

STEP 1

ऑनलाइन सदस्यता हेतु **www.irctc.co.in** पर जाएं।

इस पेज के **विज्ञापन** (Promotions) पर जाएं।

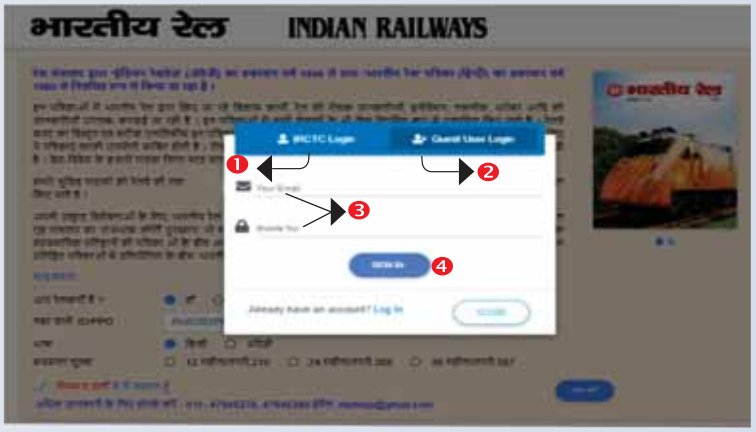
आप सीधे www.irctctourism.com/ IRBRmag/#/home/hn पर भी जा सकते हैं।



❸ **'भारतीय रेल पत्रिका'** पर क्लिक करें।

STEP 3

❶ इस बॉक्स में यदि आप के पास आईआरसीटीसी का लॉग-इन, पासवर्ड है तो उसका उपयोग करें।

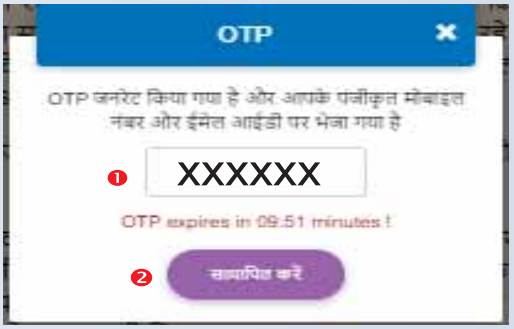


❷ लॉग-इन आईडी नहीं है तो गेस्ट लॉग-इन पर क्लिक करें।

❸ उसमें अपना ई-मेल तथा मोबाइल नंबर दर्ज करें।

❹ सबमिट बटन दबाएँ।

STEP 5



❶ आपके पंजीकृत मोबाइल एवं ई-मेल पर आए ओटीपी को बॉक्स में दर्ज करें एवं

❷ सत्यापित करें

STEP 6



❶ पेमेंट मोड (कार्ड, नेट बैंकिंग, यूपीआई, वॉलेट, इंटरनेशनल कार्ड तथा आईपे) एवं

❷ पेमेंट गेट-वे का ऑप्शन पसंद करें

❸ मेक पेमेंट का बटन दबाएं

ीय रेल
ना प्राप्त करने की सरल प्रक्रिया

STEP 2

❶ यदि आप रेलकर्मी हैं तो 'हां' पर या रेलकर्मी नहीं हैं तो 'नहीं' पर क्लिक करें।

❷ यदी 'हां' तो बॉक्स में अपना आरयूआईडी/ आईडी/पीपीओ नंबर तथा एक आधिकारिक आईडी की स्कैन कॉपी अपलोड करें।

❸ 'भारतीय रेल' पत्रिका के लिए 'हिंदी' को और 'इंडियन रेलवेज' पत्रिका के लिए 'अंग्रेजी' में क्लिक करें।

❹ एक, दो या तीन यानि जितने साल की सदस्यता चाहते हैं, उस बिन्दु पर क्लिक करें।



❺ नियम व शर्तों पर क्लिक करें तथा उसे ध्यान से पढ़ लें। यदि सहमत हों तो बॉक्स में टिक मार्क करें।

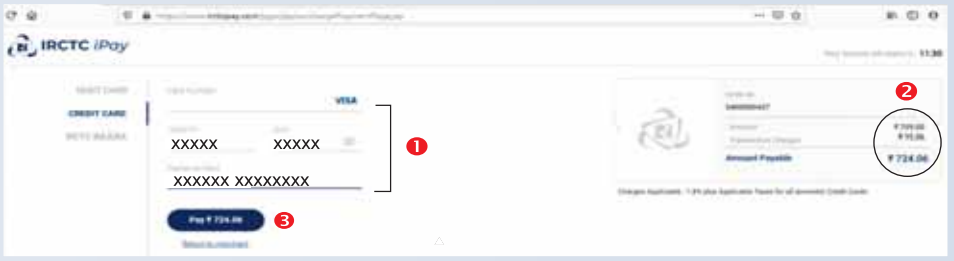
STEP 4

❶ अपना पूरा पता पिन कोड के साथ दर्ज करें



❷ सबमिट बटन दबाएँ।

STEP 7



❶ पेमेंट मोड की डीटेल भरें
❷ पेमेंट एमाउंट की जानकारी देखें।
❸ संतुष्ट होने पर ही 'पे' बटन को दबाएं।
➲ बैंक ओटीपी की प्रक्रिया पूर्ण होने पर पेमेंट सक्सेस फुल का मैसेज स्क्रीन पर दिखाई देगा।

कृपया ध्यान दें

- पेमेंट के समय नियमानुसार ट्रांजेक्शन शुल्क लगते हैं, कृपया पेमेंट करते समय देख लें।
- पेमेंट की प्रक्रिया पूर्ण होने पर आपको सदस्यता संबंधित जानकारी का एस.एम.एस. तथा मेल प्राप्त होगा।
- पेमेंट प्राप्त होते ही निर्धारित माह से आपको पत्रिका प्राप्त होनी शुरू हो जाएगी।

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें - 011- 47845378, 47845380 ईमेल: irbrhelp@gmail.com

पूर्वोत्तर रेलवे 67वां रेल सप्ताह पुरस्कार समारोह-2022 सम्पन्न



67वां रेल सप्ताह समारोह के अवसर पर 19 अप्रैल, 2022 को रेलवे प्रेक्षागृह, गोरखपुर में आयोजित रेल सप्ताह पुरस्कार वितरण समारोह में पूर्वोत्तर रेलवे के महाप्रबन्धक श्री अनुपम शर्मा ने विभिन्न विभागों के 100 रेल अधिकारियों एवं कर्मचारियों को उनकी विशिष्ट सेवाओं के लिए पुरस्कृत किया। विभिन्न श्रेणियों में अन्तरमंडलीय कार्यकुशलता शील्ड एवं ट्राफियां भी प्रदान की गई। अन्तर्मण्डलीय सर्वांगीण कार्यकुशलता शील्ड लखनऊ मंडल को प्रदान की गई।

महाप्रबन्धक ने कहा कि रेल मदद एवं सी.पी.ग्राम पर प्राप्त जन परिवादों का निस्तारण प्राथमिकता के स्तर पर किया जा रहा है। शत-प्रतिशत परिवाद मामलों का निस्तारण निर्धारित समय-सीमा से भी कम समय में किया गया, जिसके फलस्वरूप इस क्षेत्र में पूर्वोत्तर रेलवे, सम्पूर्ण भारतीय रेल में प्रथम स्थान पर है। परिवाद निस्तारण के क्षेत्र में यात्रियों से प्राप्त फीडबैक उत्कृष्ट रहा है।

यूल सेविंग, संरक्षा, वाणिज्य, विद्युत, लेखा, राजभाषा, भंडार की अन्तर्मण्डलीय कार्यकुशलता शील्ड सहित सर्वांगीण कार्यकुशलता शील्ड लखनऊ मंडल को, परिचालन, लोको परिचालन, यांत्रिक (सवारी एवं माल डिब्बा), इंजीनियरिंग, सुरक्षा, कार्मिक एवं कर्षण वितरण की अन्तर्मण्डलीय कार्यकुशलता शील्ड वाराणसी मण्डल को तथा संकेत एवं दूरसंचार, सौर ऊर्जा उत्पादन, नागरिक केन्द्रित सेवा दक्षता एवं नवोन्मेषी अन्तर्मण्डलीय कार्यकुशलता शील्ड इज्जतनगर मण्डल को प्रदान की गई।

मुख्य कार्मिक अधिकारी/आई.आर. श्री संजय कुमार ने महाप्रबन्धक सहित सभी वरिष्ठ रेल अधिकारियों एवं कर्मचारियों का स्वागत किया। श्री पंकज कुमार सिंह, मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी ने समारोह का संचालन तथा धन्यवाद ज्ञापन अध्यक्ष/रेलवे भर्ती सेल, गोरखपुर श्री अतुल त्रिपाठी ने किया।

रेल पर्यटन व साहित्य को साथ संजोए

रेल मंत्रालय द्वारा विगत 60 सालों से भी अधिक समय से प्रकाशित मासिक पत्रिकाओं



भारतीय रेल
(हिन्दी)

की सदस्यता अब
ऑनलाइन
भी उपलब्ध

विज़िट करें

www.irctctourism.com/IRBRmag/#/home



Indian Railways
(English)

शर्तें एवं दरें लागू

बरेका ने वित्त वर्ष 2021-22 के दौरान अब तक का सर्वाधिक 367 लोको का उत्पादन किया

- ***इस वित्तीय वर्ष मोजाम्बिक को निर्यात किए जाने वाले 04 रेल इंजनों सहित कुल 367 रेल इंजनों का निर्माण किया गया।***
- ***बरेका ने वित्तीय वर्ष 2021-22 में निर्यातित लोको से ₹60.68 करोड़ राजस्व की प्राप्ति की।***

बनारस रेल इंजन कारखाना ने वित्तीय वर्ष 2021-22 के दौरान अब तक के सर्वाधिक रेल इंजनों का निर्माण कर एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। इस वित्तीय वर्ष मोजाम्बिक को निर्यात किए गए 04 रेल इंजनों सहित कुल 367 रेल इंजनों का निर्माण किया गया, जो अपने आप में एक बहुत बड़ी उपलब्धि है। इन 367 रेल इंजनों में यात्री रेल इंजन WAP7 कुल 31, मालवाहक रेल इंजन WAG9 कुल 332 एवं मोजाम्बिक हेतु 04 रेल इंजन सम्मिलित हैं।

साथ ही, बरेका ने वित्तीय वर्ष 2021-22 में निर्यातित लोको से ₹60.68 करोड़ एवं वर्ष 2011 से अब तक कुल ₹704 करोड़ तथा गैर रेलवे ग्राहकों से वर्ष 2011 से अब तक ₹1,837 करोड़ राजस्व की प्राप्ति की। वित्त वर्ष 2021-22 में बरेका ने निर्यातित रेल इंजनों के पुर्जों से ₹6.09 करोड़ राजस्व की प्राप्ति की, जो पिछले वर्ष 2020-21 में ₹1.08 करोड़ थी जोकि पिछले वर्ष की तुलना में 464 प्रतिशत अधिक है। इसी प्रकार गैर रेलवे ग्राहकों से रेल इंजनों के पुर्जों की आपूर्ति से ₹16.4 करोड़ की राजस्व प्राप्ति हुई जो पिछले वर्ष 2020-21 में ₹8.29 करोड़ थी तथा जो तुलनात्मक रूप से 98.6 प्रतिशत अधिक रही।

जिम्बाब्वे की राष्ट्रीय रेलवे के उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल का बनारस रेल इंजन कारखाने का दौरा

बरेका में बनने वाले डीजल लोकोमोटिव अफ्रीका में अपनी उपस्थिति दर्ज करा रहे हैं। 'आत्मनिर्भर भारत' की संकल्पना को साकार करते हुए इन केप गेज डीजल रेल इंजनों को निर्यात के लिए भारत द्वारा डिजाइन मोजाम्बिक के लिए निर्यात किया गया था

क्रैंक-केस असेंबली, जो रेल इंजन का सबसे महत्त्वपूर्ण आइटम है, को बरेका में इन-हाउस बनाया गया है। इन इंजनों को वर्तमान में कोयला खदानों से कोयला ढोने के लिए भिन्न-भिन्न इकाइयों में सफलतापूर्वक संचालित किया जा रहा है।

इन इंजनों का उद्घाटन औपचारिक रूप से मोजाम्बिक के महामहिम राष्ट्रपति ने 11 फरवरी 2022 को बीरा, मोजाम्बिक में जिम्बाब्वे के महामहिम राष्ट्रपति और भारत के उच्चायुक्त की उपस्थिति में किया था। इस प्रकार बनारस रेल इंजन कारखाना एक भरोसेमंद भागीदार और लोकोमोटिव निर्माण ब्रांड के रूप में विश्व पटल पर आया। परिणामस्वरूप, मैसर्स राइट्स के अधिकारियों के साथ जिम्बाब्वे के राष्ट्रीय



रेलवे की पांच सदस्यीय उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने भारत का दौरा किया। महाप्रबंधक बरेका अंजली गोयल ने जिम्बाब्वे बोर्ड के अध्यक्ष एनआरजेड एडवोकेट मार्टिन तफारा दीन्हा, बोर्ड के सदस्य श्री इलेश कुमार पटेल, महाप्रबंधक सुश्री रेस्पिना जिनांडुको, ट्रैक्शन एंड क्वालिटी श्री लवमोर कटोन्हा और क्षेत्रीय अभियंता श्री त्सेत्सी एनडलोवु को बैठक के दौरान बधाई दी। राइट्स और उन्हें अपने निर्यात आदेशों को पूरा करने में पूर्ण समर्थन और मुस्तैदी का आश्वासन दिया। महाप्रबंधक बरेका ने जिम्बाब्वे की टीम को यह भी आश्वासन दिया कि बरेका जिम्बाब्वे के राष्ट्रीय रेलवे के आर्थिक विकास और आधुनिकीकरण में भाग लेने के लिए बहुत उत्सुक है। जिम्बाब्वे की राष्ट्रीय रेलवे की टीम ने बरेका में उपलब्ध निर्माण सुविधाओं को देखने के लिए दिनांक 29 मार्च, 2022 को बनारस रेल इंजन कारखाना का दौरा किया।

इस अवसर पर बरेका के उच्चाधिकारियों की टीम के साथ प्रतिनिधियों की बैठक हुई। बैठक के दौरान बरेका की क्षमताओं का प्रदर्शन किया गया और जिम्बाब्वे के प्रतिनिधिमंडल को निर्यात किए गए लोको के विवरण से अवगत कराया गया।

इसके बाद उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने बरेका कार्यशाला की विभिन्न शॉप्स, जैसे न्यू ब्लॉक शॉप, इंजन टेस्ट शॉप, लोको असेंबली शॉप आदि का दौरा किया। शॉप के दौरे के दौरान प्रतिनिधिमंडल को लोकोमोटिव के निर्माण में शामिल निर्माण के विभिन्न चरणों से अवगत कराया गया एवं बरेका में उपलब्ध अत्याधुनिक विनिर्माण सुविधाओं को भी दिखाया गया। प्रतिनिधिमंडल को ब्रॉड गेज लोकोमोटिव से परिवर्तित मानक गेज लोकोमोटिव भी दिखाया गया। प्रतिनिधिमंडल बरेका में उपलब्ध डिजाइन क्षमताओं और निर्माण सुविधाओं से काफी प्रभावित हुआ।



पूर्वोत्तर सीमा रेलवे की 'मेरी सहेली' टीम बनी हाईटेक

ट्रेनों से सफर करने वाली महिला यात्रियों को बेहतर सुरक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से पू. सी. रेल की 'मेरी सहेली' टीम को अब उच्च तकनीकी उपकरण उपलब्ध कराए जा रहे हैं। पू. सी. रेल के महाप्रबंधक श्री अंशुल गुप्ता ने सम्पूर्ण जोन में 'मेरी सहेली' पहल के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए 75 बॉडी वॉर्न कैमरों और 18 टैबलेट कंप्यूटरों के लिए मंजूरी प्रदान की है। टैब और बॉडी वॉर्न कैमरों के प्रावधान के अलावा पू. सी. रेल भारतीय रेल का एकमात्र ऐसा जोन है, जिसने 24 स्टेशनों पर स्थित 24 वायरलेस एक्सेस प्वॉइंट्स के माध्यम से नेटवर्किंग की सुविधा प्रदान की है। इस बढ़ी हुई सुविधाओं के साथ रेलवे सुरक्षा बल का संबंधित सुरक्षा नियंत्रण मोबाइल रे.सु.ब. टीमों के साथ नियमित रूप से संपर्क में रह सकता है ताकि इसके साथ-साथ बाद



में आवश्यक कार्रवाई करने के लिए स्थानीय रे.सु.ब. और जीआरपी इकाइयों को वास्तविक समय पर सूचित/ अद्यतन किया जा सके। रेलवे बोर्ड के निर्देशानुसार, पू. सी. रेल में 'मेरी सहेली' पहल लागू की गई है। इस पहल का उद्देश्य महिला यात्रियों को उनकी सम्पूर्ण ट्रेन यात्रा के लिए शुरू से लेकर गंतव्य स्टेशनों तक सुरक्षा और संरक्षा प्रदान करना है।

'मेरी सहेली' की टीमें महिला यात्रियों के साथ बातचीत करती हैं और उनके बोर्डिंग स्टेशनों पर उनके बर्थ/सीट नंबर आदि एकत्र करती हैं और स्प्रेडशीट के माध्यम से रास्ते में रेल सुरक्षा बल इकाइयों तक पहुंचाती हैं।

कूचबिहार-गौरीपुर-अभयापुरी-गोवालपारा अनुभाग पर मालगाड़ी का परिचालन शुरु



पूर्वोत्तर क्षेत्र को बेहतर रेल कनेक्टिविटी प्रदान करने की दिशा में एक और कदम उठाते हुए, पू. सी. रेल के अलीपुरद्वार मंडल ने नवनिर्मित न्यू कोचबिहार-गौरीपुर-अभयापुरी-गोवालपारा खंड में माल ट्रेन का परिचालन शुरू कर दिया है, जो न्यू मैनागुड़ी-जोगीघोपा नई लाइन (226.83) परियोजना का एक हिस्सा है।

सीआरएस (रेल संरक्षा आयुक्त) ने पहले बिलासीपारा-अभयापुरी (47.65 किमी) खंड के लिए 90 किमी प्रति घंटे की अधिकतम अनुमेय गति के साथ ट्रेनों के परिचालन के लिए प्राधिकृत किया था। बिलासीपारा से अभयापुरी खंड के साधिकार से अब असम के धुबरी और बंगाईगांव जिलों को कवर करते हुए गौरीपुर से अभयापुरी तक ट्रेन सेवाएं चलाई जा सकती हैं।

नव स्थापित गौरीपुर-अभयापुरी मार्ग इस क्षेत्र के लोगों को बेहतर कनेक्टिविटी और पहुंच प्रदान करेगा। नए बीजी अनुभाग में मालट्रेन चलने से अन्य व्यस्ततम खंड में व्यस्तता घटाने और मालगाड़ियों की तेज आवाजाही में मदद मिलेगी।

पूर्वोत्तर सीमा रेल के कटिहार मंडल में सबसे लंबे बो वाले स्ट्रिंग गार्डर पुल स्थापित

कठिन चुनौतियों के बावजूद पूर्वोत्तर सीमा रेल ने बिहार के कटिहार स्थित मंगल बाजार क्षेत्र में नए सड़क ऊपरी पुल (आरओबी) चालू कर एक बोलस्टियरिंग इंफ्रास्ट्रक्चर को सफलतापूर्वक पूरा किया। 72 मीटर स्पान वाला यह पुल कटिहार मंडल का सबसे लंबा बो स्ट्रिंग गार्डर आरओबी है। कटिहार (मंगल बाजार) में वर्ष 1964 में निर्मित तथा अत्यंत पुराने तथा जर्जर हो चुके आरओबी के स्थान पर इस नए आरओबी का निर्माण किया गया। रेल यातायात में न्यूनतम रुकावट के 13.4 घंटे के अभियांत्रिकी प्रयासों से इसे स्थापित किया गया। इसके अनोखे डिजाइन तथा कठिन स्थल होने के कारण इस परियोजना को पूरा करना काफी मुश्किल था। वर्ष 2019 के अंतिम माह में दो लेन वाले आरओबी का निर्माण कार्य आरम्भ हुआ था, परंतु कोरोना महामारी के कारण इस पुल के निर्माण कार्य में रुकावट पैदा हुई। कोरोना की प्रकोप में कमी आते ही निर्माण कार्य में तेजी लाई गई। यह पुल कटिहार की जीवन रेखा भी है, जो पूर्वी एवं पश्चिमी कटिहार को जोड़ता है तथा मुख्य बाजार को विभिन्न जिलों के साथ सम्पर्क साधता है। यह पुल आसानी से 12 टन/एक्सल भार वहन करने में सक्षम है तथा 20 टन/एक्सल भार की ढुलाई हेतु भी इसे परीक्षण किया गया है। धनुषाकार शेप में इस्पात सामग्री से निर्मित यह पुल भारतीय रेल के बेहतरीन बो-स्ट्रिंग गार्डर पुलों में से एक है। इसके दोनों तरफ के एप्रोच करीब 250 मीटर-140 मीटर है तथा इसकी चौड़ाई 12.5 मीटर है।

'जीरो स्क्रैप मिशन' के तहत विगत 10 वर्षों में अब तक की सर्वोच्च स्क्रैप बिक्री दर्ज

भारतीय रेल के 'जीरो स्क्रैप मिशन' की तर्ज पर पूर्वोत्तर सीमा रेल अपने क्षेत्राधिकार के अधीन सभी प्रतिष्ठानों तथा इकाइयों को स्क्रैप सामग्रियों से मुक्त बनाने हेतु प्रतिबद्ध है। महाप्रबंधक श्री अंशुल गुप्ता ने निरीक्षणों तथा बैठकों में 'जीरो स्क्रैप मिशन' पर बल देते हुए सभी को नया कीर्तिमान स्थापित करने के लिए प्रोत्साहित किया। पूर्वोत्तर सीमा रेल ने 31 जनवरी, 2022 तक ₹114 करोड़ मूल्य की स्क्रैप सामग्रियों की बिक्री की। स्क्रैप सामग्रियों में स्क्रैप रेलों, पी-वे सामग्रियां, परित्यक्त कोच, वैगग तथा रेल इंजन इत्यादि शामिल हैं। यह विगत वर्ष में इसी अवधि के दौरान कुल बिक्री ₹55.71 करोड़ की तुलना में 104.65 प्रतिशत अधिक है। यह पूर्वोत्तर सीमा रेल द्वारा पिछले 10 वर्षों में स्क्रैप सामग्रियों की सर्वोच्च बिक्री है।

पू.सी. रेल ने 31 जनवरी, 2022 तक 25,640 एमटी स्क्रैप रेलों, पी-वे सामग्रियों तथा डिपो स्क्रैप इकट्ठा किया। इसके अलावा, वर्ष के दौरान परित्यक्त रोलिंग स्टॉक यानी 54 वैगनों, 33 कोचों तथा 27 डीजल रेल इंजनों की भी बिक्री की गई।

'जीरो स्क्रैप मिशन' से न केवल राजस्व उत्पन्न हुआ है, बल्कि स्क्रैप के साथ अन्य सामग्रियों को जमा करने के लिए जगह बनाती है तथा इससे स्टेशनों, कार्य स्थलों तथा निकटवर्ती क्षेत्रों का परिवेश भी सुधरता है।

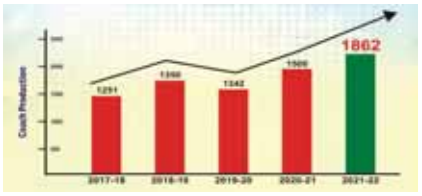
हरित ऊर्जा की दिशा में पूर्वोत्तर सीमा रेल की पहल

पू. सी. रेल ने अपने 'गो-ग्रीन' मिशन की दिशा में निर्धारित लक्ष्यों की ओर उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। इस उद्देश्य के साथ रूफ-टॉप सौर ऊर्जा संयंत्रों को चालू कर दिया गया है, जो पूरे पू. सी. रेल में लगभग 4,238.233 केडब्ल्यूपी उत्पन्न करते हैं। इससे लगभग 43.31 लाख यूनिट की बचत होती है, जो मौद्रिक मूल्य में करीब ₹3.47 करोड़ प्रति वर्ष है। मार्च, 2022 तक अतिरिक्त 1620 केडब्ल्यूपी चालू करने का कार्य प्रगति पर है और इससे 16.56 लाख यूनिट की बचत होगी, जिसका मौद्रिक मूल्य ₹1.32 करोड़ है। रेल मंत्रालय ने भी अपनी खाली अनुपयोगी जमीन पर बड़े पैमाने पर सौर ऊर्जा संयंत्र लगाने का निर्णय लिया है। कई अतिरिक्त रिनुवेबल एनर्जी परियोजनाएं प्रगति पर हैं, जो एक बार पूरी हो जाने पर स्वच्छ और हरित ऊर्जा उत्पन्न करेंगी। रेलवे एनर्जी मैनेजमेंट कंपनी लिमिटेड सौर ऊर्जा के उपयोग को बड़े पैमाने पर फैलाने के लिए अथक प्रयास कर रही है। इन पहलों के साथ, भारतीय रेल जलवायु चुनौती के खिलाफ भारत की लड़ाई का नेतृत्व कर रहा है और शुद्ध-शून्य कार्बन उत्सर्जन संगठन होने के अपने लक्ष्यों को पूरा करने



की दिशा में महत्त्वपूर्ण कदम उठा रहा है।

रेल कोच फैक्ट्री, कपूरथला द्वारा
वित्त वर्ष 2021-22 में 1862 कोचों का रिकॉर्ड उत्पादन



रेल कोच फैक्ट्री (आरसीएफ), कपूरथला ने वित्त वर्ष 2021-22 के दौरान 1,862 कोचों का अब तक का रिकॉर्ड कोच उत्पादन किया है। यह वर्ष 2020-21 में 1,500 कोचों के उत्पादन की तुलना में 24% ज्यादा और अब तक का सबसे अधिक उत्पादन है। इसके अलावा इस वर्ष आर सी एफ ने रिकॉर्ड 841 एयर कंडीशंड कोच भी बनाए और इस प्रकार पिछले वर्ष की तुलना में 78% की वृद्धि दर्ज की।

आरसीएफ ने इस वर्ष मार्च के केवल 25 कामकाजी दिनों में प्रतिदिन औसत 7.76 कोच उत्पादन के साथ 194 कोचों का अब तक का सबसे अधिक मासिक उत्पादन हासिल किया। श्री अशेष अग्रवाल, महाप्रबंधक/आरसीएफ ने इस उल्लेखनीय रिकॉर्ड उत्पादन के लिए सभी अधिकारियों, सुपरवाईजरों और कर्मचारियों को बधाई दी और कहा कि टीम आगामी वित्तीय वर्ष में रेलवे बोर्ड द्वारा निर्धारित और भी अधिक कठिन लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए समन्वित तरीके से कड़ी मेहनत करने और उत्पादन बढ़ाने के संकल्प के लिए प्रतिबद्ध है, जिसमें मुख्य रूप से एसी कोचों के अलावा नए वेरिएंट, जैसे वंदे भारत ट्रेन सेट, कालका-शिमला रेलवे के लिए नैरो गेज पैनारोमिक कोचों आदि का उत्पादन शामिल हैं।

पूर्वोत्तर रेलवे पर 'एक स्टेशन : एक उत्पाद' योजना

बजट 2022-23 में की गई उद्घोषणा के अनुरूप स्थानीय कारीगरों, शिल्पकारों, कुम्हारों, बुनकरों एवं जन-जातियों के बेहतर जीविकोपार्जन एवं कल्याण हेतु रेलवे स्टेशनों के प्लेटफॉर्म्स पर लोकल उत्पादों के मार्केटिंग हेतु 'स्टॉल' निर्धारित स्थान पर उपलब्ध कराया गया है।

पूर्वोत्तर रेलवे पर 'एक स्टेशन: एक उत्पाद' योजना के कार्यान्वयन हेतु पायलट प्रोजेक्ट के रूप में गोरखपुर जंक्शन एवं बनारस स्टेशन का चयन किया गया है। गोरखपुर जं. पर 'टेराकोटा हस्तशिल्प' तथा



बनारस स्टेशन पर 'आजमगढ़ की ब्लैक पॉटरी' के प्रदर्शन हेतु 25 मार्च से 08 अप्रैल, 2022 तक स्टॉल लगाया गया था। इसके पश्चात पायलट प्रोजेक्ट की अवधि को दो किश्तों में एक माह के लिए बढ़ा दिया गया।

'एक स्टेशन: एक उत्पाद' योजना के अन्तर्गत गोरखपुर जंक्शन पर टेराकोटा हस्तशिल्प स्टाल प्लेटफॉर्म संख्या 01 एवं 02 पर तथा बनारस स्टेशन के द्वितीय प्रवेश द्वारा के कॉनकोर्स में आजमगढ़ की ब्लैक पॉटरी के प्रदर्शन के लिए उपलब्ध कराया गया है।

टेराकोटा के उत्पाद गोरखपुर के पास स्थित औरंगाबाद गाँव में बनाए जाते हैं। इसी प्रकार आजमगढ़ की ब्लैक पॉटरी निजामाबाद गाँव एवं आस-पास के क्षेत्रों में रहने वाले लोगों द्वारा बनायी जाती है।

महाप्रबंधक, पूर्वोत्तर रेलवे द्वारा कन्वेंशनल विद्युत
लोकोमोटिव पाठ्य पुस्तिका का विमोचन

महाप्रबंधक, पूर्वोत्तर रेलवे श्री अनुपम शर्मा ने 06 अप्रैल, 2022 को उप निदेशक/एम. एस.टी.सी. श्री बी.पी. सिंह के दिशा-निर्देश में बहुविषयक पद्धति प्रशिक्षण केन्द्र, गोरखपुर के अनुदेशक डॉ. महेश कुमार द्वारा तैयार 'कन्वेंशनल विद्युत लोकोमोटिव' पाठ्य पुस्तिका का विमोचन किया।

महाप्रबंधक श्री शर्मा ने कहा कि यह पुस्तिका विद्युत लोकोमोटिव को संचालित करने वाले रनिंग संवर्ग के रेलकर्मियों को ट्रेन संचालन में कार्य के दौरान विद्युत



लोकोमोटिव में होने वाली विफलता के शीघ्र निवारण में लाभप्रद होगी। इस अवसर पर अपर महाप्रबंधक श्री अमित कुमार अग्रवाल, वरिष्ठ उप महाप्रबंधक श्री डी. के. सिंह, प्रमुख मुख्य विद्युत इंजीनियर श्री ए. के. शुक्ला, प्रमुख मुख्य सिग्नल एवं दूर संचार इंजीनियर श्री अनिल कुमार मिश्रा, उप मुख्य विद्युत इंजीनियर (लोको) श्री ए. के. राय एवं उप निदेशक/एम. एस. टी. सी. श्री बी.पी. सिंह सहित वरिष्ठ रेल अधिकारी उपस्थित थे।

चिरेका/डानकुनी इकाई ने
250वें रेलइंजन का निर्माण किया



सर्वाधिक विद्युत रेलइंजन निर्माण के कीर्तिमान की गौरवशाली यात्रा को जारी रखते हुए भारतीय रेल के मानचित्र के शिखर पर विराजमान चित्तरंजन रेलइंजन कारखाना (चिरेका) की विद्युत लोको एसेम्ब्ली एवं सहायक इकाई (ELAAU)/ डानकुनी ने, 2014 में स्थापना के बाद से रिकॉर्ड 250 विद्युत रेल इंजिन का उत्पादन कर एक और ऐतिहासिक कीर्तिमान रचा।

श्री सतीश कुमार कश्यप, महाप्रबंधक/ चिरेका ने 25 मार्च 2022 को इस रिकॉर्ड 250वें रेलइंजन (डब्लूएजी 9 एचसी/ 33542) को ELAAU/ डानकुनी इकाई से हरी झंडी दिखा कर रवाना किया और इस उपलब्धि के लिए पूरी टीम को बधाई दी।

इस अवसर पर ईएलएएयू/ डानकुनी इकाई के वरीय अधिकारीगण उपस्थित थे। वहीं वर्चुअल (वीसी) माध्यम से चिरेका के अधिकारीगण इस कार्यक्रम में शामिल हुए।

चिरेका ने वित्त वर्ष 2021-22 में
₹21.82 करोड़ की स्क्रैप बिक्री की

चित्तरंजन रेलइंजन कारखाना (चिरेका) ने वित्त वर्ष 2021-22 स्क्रैप बिक्री के माध्यम से ₹21.82 करोड़ की राशि अर्जित किया है। चिरेका ने सुनियोजित सघन अभियान के माध्यम से ₹18 करोड़ के लक्ष्य के मुकाबले स्क्रैप बेचकर ₹21.82 करोड़ कमाए हैं। वित्तीय वर्ष 2021-22 की कुल कमाई ₹21.82 करोड़ अबतक का रिकॉर्ड उपलब्धि है। विद्युत रेलइंजन की सबसे बड़ी विनिर्माण इकाई चिरेका ने पिछले 5 वित्तीय वर्षों के दौरान स्क्रैप की बिक्री से अब तक ₹81.35 करोड़ अर्जित करने में सफलता प्राप्त की है।

चिरेका द्वारा स्क्रैप बिक्री की सफलता ने जहां एक ओर भारतीय रेल को आर्थिक मजबूती प्रदान किया ह, वहीं चिरेका प्रांगण को अधिक स्वच्छ और अधिक अतिरिक्त जगह बनाए रखने में भी सहयोग किया है। श्री सतीश कुमार कश्यप, महाप्रबंधक, चिरेका ने इस उपलब्धि के लिए पूरी चिरेका टीम की प्रशंसा की और आगे इसे जारी रखने का भी आह्वान किया है।



चिरेका को मिला आईआरआईएस प्रमाणन

चिरेका को इलेक्ट्रिक इंजनों का डिजाइन, विकास और निर्माण, ट्रैक्शन मोटर उपकरण और उससे संबंधित पुर्जे, रोलिंग स्टॉक कास्टिंग का निर्माण आदि क्षेत्रों में बेहतर प्रदर्शन हेतु इंटरनेशनल रेलवे इंडस्ट्रीज स्टैंडर्ड (आईआरआईएस) प्रमाणन अनुरूपता मूल्यांकन 2020 से सम्मानित किया गया है। यह डीएनवी बिजनेस एश्योरेंस आईएसओ/टीएस 22163:2017 पर आधारित है। श्री सतीश कुमार कश्यप, महाप्रबंधक, चिरेका ने इस उपलब्धि के लिए 'टीम चिरेका' को बधाई दी।

महाप्रबंधक, मेट्रो रेलवे द्वारा सियालदह मेट्रो स्टेशन का निरीक्षण

महाप्रबंधक श्री अरुण अरोरा ने दिनांक 21 अप्रैल 2022 को सियालदह मेट्रो स्टेशन की अंतिम समय की तैयारियों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कोलकाता मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (केएमआरसीएल) के प्रबंध निदेशक श्री सी एन झा और मेट्रो रेलवे और केएमआरसीएल के अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।



श्री अरोड़ा ने सियालदह मेट्रो स्टेशन पर लिफ्ट, एस्केलेटर, एएफसी-पीसी गेटों, स्टेशन कंट्रोल रूम, फायर एंड स्मोक डिटेक्शन एंड सप्रेशन सिस्टम और अन्य यात्री सुविधाओं का निरीक्षण किया।

उन्होंने सियालदह मेट्रो स्टेशन के निरीक्षण के बाद ईस्ट-वेस्ट मेट्रो कॉरिडोर के सियालदह से सॉल्ट लेक सेक्टर V तक के हिस्से का निरीक्षण किया और सियालदह मेट्रो स्टेशन की तैयारियों को देखकर संतोष व्यक्त किया।

यहां यह उल्लेख करना उचित होगा कि सियालदह मेट्रो स्टेशन को शीघ्र ही यात्रियों के लिए खोल दिया जाएगा।

गैर-किराया राजस्व आय मामले में मेट्रो ने
वित्त वर्ष 2021-22 में ₹19.45 करोड़ की रिकॉर्ड कमाई की



वित्तीय वर्ष 2021-22 में मेट्रो रेलवे ने गैर किराया राजस्व के रूप में ₹19.45 करोड़ अर्जित किए जो पिछले साल की आय से करीब 71 प्रतिशत अधिक है। कोविड के बावजूद यह प्रदर्शन महत्त्वपूर्ण उपलब्धि है। मेट्रो रेलवे ने विभिन्न नए उपायों द्वारा अपने गैर-किराया राजस्व को बढ़ाने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

मेट्रो रेलवे ने कुल 10 मेट्रो स्टेशनों की स्टेशन ब्रांडिंग पूरी कर ली है। इसने मेट्रो रेक के अंदर और बाहर विज्ञापनों, एस्केलेटर की साइड की दीवारों, खुले स्थानों में होर्डिंग, स्वास्थ्य जांच कियॉस्क, डिजिटल घड़ियां, विभिन्न स्टेशनों पर डिजिटल किराया चार्ट आदि के माध्यम से गैर-किराया राजस्व को और बढ़ाने के लिए बहुआयामी रणनीति अपनाई है। इसके अलावा, मेट्रो रेलवे ने कार्ड बैलेंस चेकिंग टर्मिनल (सीबीसीटी) ब्रांडिंग, स्वचालित स्मार्ट कार्ड रिचार्ज मशीन (एएससीआरएम) ब्रांडिंग, स्वचालित किराया संग्रह-यात्री नियंत्रण (एएफसी-पीसी) गेट ब्रांडिंग आदि के माध्यम से अपने गैर-किराया राजस्व में वृद्धि की है।



आपको यह अंक कैसा लगा हमें जरूर बताएं

ई-मेल : editorbhartiyarailrb@gmail.com

पत्र लिखें :

संपादक, भारतीय रेल,
कमरा नं. 411, रेल भवन,
नई दिल्ली-110 001

मेट्रो रेलवे : श्याम बाजार मेट्रो स्टेशन पर दो स्वचालित सीढ़ियों का शुभारंभ

मेट्रो रेलवे अपने परिसर में यात्री सुविधाओं में लगातार वृद्धि कर रही है। उसी के एक हिस्से के रूप में श्याम बाजार मेट्रो स्टेशन पर दो पुराने एस्केलेटरों की जगह 05 अप्रैल, 2022 को प्लेटफॉर्म से मेजेनाइन फ्लोर तक दो एस्केलेटर चालू किए गए। अत्याधुनिक हैवी ड्यूटी एस्केलेटर सभी सुरक्षा विशेषताओं सें युक्त और अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप हैं। इन एस्केलेटरों का उद्घाटन मेट्रो यात्रियों के रूप में दो छोटे बच्चों द्वारा करवाया गया था।

इन एस्केलेटरों में ऊर्जा दक्ष वीवीवीएफ ड्राइव उपलब्ध हैं जो ऊर्जा की खपत को 50% तक कम कर देते हैं। इसके अलावा ये एस्केलेटर निष्क्रिय रहने के दौरान ठहर जाते हैं या धीरे-धीरे चलते हैं। वृद्ध व्यक्तियों और बच्चों को इन हैवी ड्यूटी वाले एस्केलेटर पर सवारी करना सुविधाजनक होगा क्योंकि ऊपर और नीचे अधिक सपाट सीढ़ियां लगाई गई हैं।



उत्तर पश्चिम रेलवे ने वित्त वर्ष 2021-22 में रिकार्ड 29.55 मिलियन टन माल लदान किया

उत्तर पश्चिम रेलवे इस वर्ष 98.36% के समयपालन को प्राप्त कर सम्पूर्ण भारतीय रेल पर विगत तीन वर्ष से लगातार प्रथम स्थान पर है।

उत्तर पश्चिम रेलवे पर वर्तमान में माल लदान में अभिनव प्रयोग किए, जिसके फलस्वरूप इण्डस्ट्रियल वॉटर, पुट्टी, प्याज, किन्नू एवं चाईना क्ले आदि के नवीन मदों का लदान प्रारम्भ किया गया है। उत्तर पश्चिम रेलवे पर इस वर्ष 29.55 मिलियन टन माल लदान किया गया, जो कि उत्तर



पश्चिम रेलवे के स्थापना से अब तक सर्वाधिक है। गत वर्ष की तुलना में उत्तर पश्चिम रेलवे ने 33.9% अधिक माल लदान किया है, यह वृद्धि दर समस्त भारतीय रेल में सर्वाधिक है। उत्तर पश्चिम रेलवे पर इस वर्ष अन्य क्षेत्रीय रेलों को प्रतिदिन औसत 260 ट्रेनें इंटरचेंज पर दी गई, जो विगत वर्ष के औसत 188 ट्रेनों से 37.79% अधिक है। श्री विजय शर्मा महाप्रबंधक-उत्तर पश्चिम रेलवे के निर्देशन में उत्तर पश्चिम रेलवे ने यात्री तथा माल परिवहन संचालन में सम्पूर्ण भारतीय रेल पर अलग पहचान बनाई है।

उत्तर पश्चिम रेलवे ने वित्त वर्ष 2021-22 में रिकार्ड 680 किमी ट्रैक का विद्युतीकरण कार्य पूर्ण किया

उत्तर पश्चिम रेलवे वित्त वर्ष 2021-22 में रिकार्ड 680 किमी ब्रॉडगेज लाइनों का विद्युतीकरण करके दक्षिण मध्य रेल के बाद द्वितीय स्थान पर रही। उत्तर पश्चिम रेलवे पर अब तक कुल 2,864 किमी मार्ग के विद्युतीकरण कार्य पूर्ण किया जा चुका है।

इस वर्ष अजमेर-दौराई, ब्यावर-गुड़िया, मदार-बाईपास-आदर्शनगर, नोहर-हनुमानगढ, चूरू-रतनगढ़, रींगस-सीकर-झुंझुनूं-लोहारू, मदार-पुष्कर, रतनगढ़-सरदार शहर-बनीसर,



हिसार-सूरतपुरा एवं मारवाड़-लूणी-जोधपुर रेलखण्डों का विद्युतीकरण पूर्ण किया गया है।

उत्तर पश्चिम रेलवे के जोधपुर मण्डल के मारवाड-लूणी व लूनी-जोधपुर रेलखण्ड के 104 किमी मार्ग का रिकार्ड समय में विद्युतीकरण होने के बाद जोधपुर का विद्युतीकृत रेललाइन के साथ सम्पर्क स्थापित हो गया है। इन रेलखण्डों पर विद्युतीकरण कार्य होने के बाद जोधपुर मण्डल भी विद्युतीकृत रेल लाइनों वाले मण्डलों में सम्मिलित हो गया है। उत्तर पश्चिम रेलवे के सभी चारों मण्डल विद्युतीकृत रेल लाइनों वाले मण्डलों में सम्मिलित है।

वित्त वर्ष 2021-22 में 265 किमी निर्माण परियोजनाओं को पूरा किया



उत्तर पश्चिम रेलवे पर वित्त वर्ष 2021-22 में 265 किमी निर्माण परियोजनाओं को पूरा किया गया, जोकि सम्पूर्ण भारतीय रेल पर अधिकतम है। यह विगत 10 वर्षों में भी सर्वाधिक है।

उत्तर पश्चिम रेलवे के फुलेरा-जोधपुर रेलमार्ग पर वित्त वर्ष 2021-22 में मात्र 5 माह में 128 किमी मार्ग का दोहरीकरण पूर्ण कर रेल संचालन प्रारम्भ कर दिया गया है।

आमान परिवर्तन के कार्यों को भी प्राथमिकता के साथ किया जा रहा है। वित्त वर्ष 2021-22 में उत्तर पश्चिम रेलवे पर 134 किमी रेलखण्ड का आमान परिवर्तन किया गया। विगत वर्षों में निर्माण परियोजनाओं के लिए पर्याप्त बजट का आंवटन किया गया है, जिससे इन परियोजनाओं को समयानुसार पूर्ण किया जा सके ताकि इनकी लागत में वृद्धि न हो और समय से यात्री इनका लाभ प्राप्त कर सकें। भारतीय रेल की प्रतिबद्धता है कि आधारभूत ढांचा मजबूत बनाकर रेल उपभोक्ताओं को सुविधा प्रदान की जाए।

उत्तर मध्य रेलवे ने रेल मार्गों के दोहरीकरण, तिहरीकरण और चौहरीकरण के कामों में लाई तेजी

वित्त वर्ष 2021-22 उत्तर मध्य रेल के लिए उपलब्धियों का वर्ष रहा है। वर्ष के दौरान बड़े स्तर पर आधारभूत संरचना के विस्तार कार्य पूरे किए गए है। वित्त वर्ष 2021-22 में 51.2 किमी दोहरीकरण 71.89 किमी का तिहरीकरण और 28.04 किमी चौहरीकरण का काम पूरा कर लिया गया है। इसके अलावा, उत्तर मध्य रेल के विभिन्न स्टेशनों पर



वर्ष के दौरान 18 नए फुट ओवर ब्रिज का निर्माण किया गया और 46 फुट ओवर ब्रिजों का सुधार किया गया। इसी क्रम में, 08 नए रोड ओवर ब्रिज (आरओबी) चालू किए गए और 46 नए रोड अंडर ब्रिज (आरयूबी) 2021-22 में पूरे किए गए। उत्तर मध्य रेल के 08 स्टेशनों पर कवर ओवर प्लेटफॉर्म की सुविधा प्रदान की गई और उत्तर मध्य रेल के 21 स्टेशनों पर प्लेटफॉर्म विस्तार का काम पूरा किया गया।

झांसी मंडल द्वारा 'आजादी का अमृत महोत्सव' के तहत सोनागिरि तीर्थ स्थल पर रेल प्रदर्शनी का आयोजन

देश भर में जैन समाज का प्रमुख तीर्थ स्थल सोनागिरि तीर्थ पर उत्तर मध्य रेल झांसी मंडल जनसंपर्क विभाग द्वारा जैन मेले के अवसर पर 17 मार्च, 2022 से 21 मार्च, 2022 तक रेल प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। प्रदर्शनी में देश की स्वतंत्रता में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले प्रतिष्ठित व्यक्तित्व के साथ भूले-बिसरे क्रांतिकारियों को भी दर्शाया गया। इसके साथ महिला सशक्तीकरण को ध्यान में रखते हुए रेलवे की महिला खिलाड़ियों की



ख्याति हेतु एक वॉल लगाई गई इसके साथ ही प्रदर्शनी में देश की सबसे तीव्र गति से चलने वाली गतिमान एक्सप्रेस का मॉडल, सबसे आधुनिक एलएचबी कोच, कोलकाता मेट्रो और श्रीलंकन डेमू के साथ जनशताब्दी का मॉडल भी प्रदर्शित किया गया। अन्य मॉडलों में वीरांगना लक्ष्मीबाई स्टेशन का मॉडल भी प्रदर्शित किया गया।

इस प्रदर्शनी में प्रतिदिन नुक्कड़ नाटक के माध्यम से रेलवे के नियमों की जानकारी जैसे मानव रहित फाटकों को पार करते समय सावधानी बरतने, प्लेटफॉर्म पर गंदगी न फैलाने, ट्रेन के पायदान एवं छत पर यात्रा न करने आदि के बारे में यात्रियों को जागरुक किया गया।

सौर मिशन उत्तर मध्य रेलवे- वित्त वर्ष 2021-22

सौर मिशन पर राष्ट्रीय पहल के अनुसरण में उत्तर मध्य रेल ने सौर ऊर्जा उत्पादन को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। उत्कृष्ट रख-रखाव, सौर ऊर्जा संयंत्र के संचालन की सघन मॉनिटरिंग और सौर मिशन-2021-22 के तहत किए गए अभिनव प्रयासों के कारण वित्त वर्ष 2021-22 में उत्तर मध्य रेल में सौर संयंत्रों की उत्पादकता सभी जोनल रेलवे में सबसे अधिक रही है।



उत्तर मध्य रेल ने 2020-21 के दौरान सौर ऊर्जा का उपयोग करके 106 लाख यूनिट ऊर्जा उत्पन्न की वित्तीय वर्ष 2021-22 में सौर ऊर्जा का उपयोग करके 124 लाख यूनिट ऊर्जा उत्पन्न की गई, जो पिछले वर्ष की तुलना में 17% अधिक है।

उत्तर मध्य रेल ने वित्त वर्ष 2021-22 में सौर ऊर्जा का उपयोग करके ₹5.01 करोड़ की शुद्ध राजस्व बचत हासिल की है। वित्त वर्ष 2020-21 में जहां ₹3.97 करोड़ की शुद्ध राजस्व बचत हुई, वहीं इस साल सौर ऊर्जा के इस्तेमाल से राजस्व बचत में 26 फीसदी का सुधार दर्ज किया गया है। उत्तर मध्य रेल की कुल स्थापित क्षमता 11.03 मेगावाट है। इसमें से 120 kWp रेलवे द्वारा स्थापित किया गया है, शेष 10882.34 kWp क्षमता दो प्रमुख सौर ऊर्जा डेवलपर्स द्वारा पीपीपी आधार पर स्थापित की गई है।

दक्षिण पूर्व रेलवे में 'अंतरराष्ट्रीय नर्स दिवस' मनाया गया



दक्षिण पूर्व रेलवे ने आधुनिक नर्सिंग प्रणाली की प्रणेता सुश्री फ्लोरेंस नाइटिंगेल की जयंती 12 मई, 2022 पर केंद्रीय अस्पताल, गार्डनरीच में 'अंतरराष्ट्रीय नर्स दिवस' मनाया। सुश्री अर्चना जोशी, महाप्रबंधक, दक्षिण पूर्व रेलवे इस अवसर पर मुख्य अतिथि थीं। श्री अतुल्य सिन्हा, अपर महाप्रबंधक, डॉ. मिहिर कुमार चौधरी, प्रमुख मुख्य चिकित्सा निदेशक, डॉ. अंजना मल्होत्रा, चिकित्सा निदेशक और रेलवे के अन्य वरिष्ठ चिकित्सक और अधिकारी भी इस अवसर पर उपस्थित थे।

इस वर्ष अंतरराष्ट्रीय नर्स दिवस 2022 का विषय है-'नर्स: ए वॉयस टू लीड-नर्सिंग में निवेश और वैश्विक स्वास्थ्य को सुरक्षित करने के अधिकारों का सम्मान'।

सुश्री अर्चना जोशी ने अंतरराष्ट्रीय नर्स दिवस के अवसर पर सम्बोधित करते हुए कोविड-19 महामारी के प्रकोप के बाद से दक्षिण पूर्व रेलवे अस्पतालों के नर्सिंग स्टाफ द्वारा दी गई समर्पित और नि:स्वार्थ सेवाओं का उल्लेख किया।

सुश्री अर्चना जोशी, महाप्रबंधक, दक्षिण पूर्व रेलवे ने अंतरराष्ट्रीय नर्स दिवस के उपलक्ष्य में दक्षिण पूर्व रेलवे केंद्रीय अस्पताल, गार्डनरीच में दो मॉड्यूलर ऑपरेशन थियेटरों का भी उद्घाटन किया।

'रेलवे विरासत और जलवायु परिवर्तन' पर संगोष्ठी

दक्षिण पूर्व रेलवे द्वारा विश्व विरासत दिवस-2022 के सप्ताह के एक भाग के रूप में अपने मुख्यालय गार्डनरीच में दिनांक 20 अप्रैल, 2022 को 'रेलवे विरासत और जलवायु परिवर्तन' विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। श्री सौमित्र पाल, कोलकाता उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश और श्री संजय मुखर्जी, सेवानिवृत्त वित्तीय आयुक्त, रेलवे बोर्ड सेमिनार में अतिथि वक्ता थे। इस अवसर पर सुश्री अर्चना जोशी, महाप्रबंधक, दक्षिण पूर्व रेलवे, श्री अतुल्य सिन्हा, अपर महाप्रबंधक और दक्षिण पूर्व रेलवे के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।



श्री सौमित्र पाल ने इस अवसर पर सम्बोधित करते हुए सदियों पुरानी विरासत को संरक्षित करने के महत्त्व के बारे में बताया। श्री संजय मुखर्जी ने विरासत को संरक्षित करने के लिए रेल मंत्रालय द्वारा तैयार किए गए दिशानिर्देशों और नीतियों के बारे में बताया।

सुश्री अर्चना जोशी ने अपनी गौरवशाली विरासत और इमारतों, पुलों, स्टेशनों, आदि के रूप में समृद्ध विरासत को संरक्षित करने के लिए दक्षिण पूर्व रेलवे द्वारा अपनाए गए उपायों पर बात की और सभी से विरासत प्रतिष्ठानों की रक्षा करते हुए विकास कार्यों को करने की अपील की। श्री अतुल्य सिन्हा, अपर महाप्रबंधक ने धन्यवाद ज्ञापन दिया।

पश्चिम मध्य रेल ने वित्त वर्ष 2021-22 में पहली बार 25 से अधिक नई वस्तुओं का लदान किया

माल ढुलाई को बेहद आकर्षक बनाने के लिए रेलवे द्वारा कई तरह की रियायतें/छूट एवं सुविधाएं दी जा रही हैं, जिससे व्यापारी अधिक से अधिक रेलवे की तरफ आकर्षित हो रहे हैं। मिशन मोड पर पश्चिम मध्य रेल के तीनों मण्डलों में स्थापित बीडीयू मार्केटिंग के तहत नई एवं परम्परागत प्रमुख वस्तुओं से माल ढुलाई अलावा अन्य नए माल उत्पादकों को ढूंढ़ निकाला गया है।

पमरे मुख्यालय और तीनों मंडलों में व्यवसाय विकास इकाई (बीडीयू) की स्थापना की गई है। जबलपुर, भोपाल और कोटा को पारंपरिक वस्तुओं में मॉडल रेलवे हिस्सेदारी को मजबूत करने और मौजूदा और नए संभावित माल ढुलाई ग्राहकों के साथ प्रभावी बातचीत के लिए विभिन्न मुद्दों को सुलझाने और इस तरह माल ढुलाई बढ़ाने के लिए बीडीयू के प्रयासों से 2021-22 में पहली बार पमरे में 25 से अधिक नई वस्तुओं को लोड किया गया है।

वित्त वर्ष 2021-22 में मिशन मोड पर पश्चिम मध्य रेल के तीनों मण्डलों में स्थापित बीडीयू मार्केटिंग के तहत नई कमोडिटी स्ट्रीम से माल ढुलाई में रेल राजस्व अर्जित किया गया है। नई वस्तुओं में लाल गेरू पॉउडर की लोडिंग, कोल लोडिंग, ग्रेन लोडिंग (चना), सैंड लोडिंग (रेत), ब्लास्ट लोडिंग, ऑयरन ओर लोडिंग, सोया सीड लोडिंग, ऑयल सीड लोडिंग, मस्टर्ड लोडिंग व बाजरा लोडिंग आदि प्रमुख हैं।

पश्चिम मध्य रेल में कम्प्यूटरीकृत पार्सल मैनेजमेंट सिस्टम की शुरुआत

पार्सल यातायात को ट्रैक करने के लिए पश्चिम मध्य रेल ने कम्प्यूटरीकृत पार्सल प्रबंधन प्रणाली की शुरुआत की है। इससे लगेज को ट्रैक करना काफी आसान हो गया है। सामान लोड होते ही बुक करने वाले व्यक्ति के मोबाइल पर मैसेज आ जाएगा और गंतव्य पर पहुँचने के बाद उसको उसी माध्यम से सूचित किया जाएगा। पार्सल प्रबंधन प्रणाली से रेल कर्मचारियों को भाड़े (Freight) की ऑटोमैटिक गणना और मानवीय त्रुटियों में कमी होगी तथा ग्राहकों को परिवहन के दौरान पार्सलों के वर्तमान स्थिति की सटीक जानकारी प्राप्त होगी और साथ ही बुकिंग एवं वजन में कम समय लगेगा। पार्सल की वर्तमान जानकारी www.parcel.indianrail.gov.in पर भी उपलब्ध है।

रेलवे में पार्सल प्रबंधन प्रणाली का प्रमुख उद्देश्य पार्सल यातायात में वृद्धि करके पार्सल आय को बढ़ाना, पार्सल जगह का अधिकतम उपयोग, कार्यप्रणाली में



पारदर्शिता लाना एवं ग्राहक संतुष्टि से रेलवे की छवि में सुधार लाना है।

पमरे में 09 डाकघरों में रेल आरक्षण कराने की सुविधा

प्रधानमंत्री जी के विजन को सफल बनाने के लिए रेल मंत्री द्वारा भारतीय रेल में अपने यात्रियों को अधिक से अधिक सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। इसी शृंखला में महाप्रबंधक, पश्चिम मध्य रेल (पमरे) के श्री सुधीर कुमार गुप्ता के मार्गदर्शन और प्रमुख मुख्य वाणिज्य प्रबंधक श्री मुकुल सरन माथुर के निर्देशन में तीनों मण्डलों के मण्डल रेल प्रबंधकों के नेतृत्व में मध्यप्रदेश और राजस्थान के अधिकार क्षेत्र में आने वाले डाकघरों से रेल आरक्षण टिकट प्राप्त करने की सुविधा



पमरे द्वारा उपलब्ध कराई जा रही है। मध्य प्रदेश के अधिकार क्षेत्र आने वाले 09 डाकघरों में रेल आरक्षण कराने की सुविधा उपलब्ध है। जबलपुर मण्डल के 03 डाकघरों, जिसमें हेड पोस्ट ऑफिस रीवा, उप डाकघर, सिरमौर एवं मऊगंज में स्थित डाकघरों में रेल आरक्षण कराने की सुविधा उपलब्ध हैं। भोपाल मण्डल के 05 डाकघरों जिसमें जीपीओ भोपाल, टीटी नगर भोपाल, मौलाना आजाद राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान भोपाल, रायसेन, राजगढ एवं कोटा मंडल के आगर मालवा/शामगढ़ में स्थित डाकघर शामिल हैं।

कोटा वर्कशॉप ने पेयजल की आपूर्ति हेतु एक पखवाड़े में 100 वॉटर टैंक वैगन तैयार किए

महाराष्ट्र हो या तमिलनाडु, जहां कहीं भी पानी की किल्लत होती है तो रेलवे के जरिए पेयजल की आपूर्ति वॉटर टैंक के माध्यम से की जाती है और इसके लिए बीटीपीएन टाइप के टैंक वैगन जो अमूमन पेट्रोल, डीजल, काला तेल, वेज ऑयल के परिवहन में काम में आते हैं, इन्हें साफ-सुथरा बनाने के लिए कोटा स्थित वैगन रिपेयर वर्कशॉप में भेजा जाता है। राजस्थान में गर्मियों में पानी की किल्लत की कमी को देखते हुए रेलवे बोर्ड द्वारा



कोटा मण्डल में वैगन रिपेयर शॉप, कोटा को 50-50 वैगन्स के दो रैक यानि 100 वॉटर टैंकर तैयार करने की जिम्मेदारी दी गई थी। महज एक पखवाड़े में ही कोटा वैगन रिपेयर वर्कशॉप ने इस कार्य को पूरा किया।

कोटा कारखाने को कन्वर्जन के लिए पहला रैक 6 अप्रैल 2022 को प्राप्त हुआ जिसे महज 06 दिन की अवधि के अंदर 12 अप्रैल 2022 को सौंप दिया तथा दूसरे रैक को भी वॉटर टैंक में कन्वर्ट कर 20 अप्रैल 2022 को सौंप दिया गया।

रेलवे बोर्ड द्वारा निर्धारित 'की परफॉर्मेंस इंडिकेटर' में भारतीय रेल में पश्चिम मध्य रेल प्रथम स्थान पर

भारतीय रेल पर वार्षिक रिपोर्ट के दौरान त्रैमासिक आंकलन के साथ 'की परफॉर्मेंस इंडिकेटर' (केपीआई) में अप्रैल से मार्च अवधि के दौरान विभिन्न कार्यों में रेल राजस्व के मदों का आकलन किया गया है। पश्चिम मध्य रेल द्वारा वार्षिक रिपोर्ट के त्रैमासिक आकलन के साथ माह जनवरी 2022 से मार्च 2022 तक केपीआई रिपोर्ट के अंतर्गत पश्चिम मध्य रेल भारतीय रेल में शीर्ष स्थान पर हैं। रेलवे बोर्ड द्वारा केपीआई रिपोर्ट के अंतर्गत विभिन्न परफॉर्मेंस का इवैल्यूएशन का पैरामीटर निर्धारित रहता है, जिसमें वित्तीय प्रदर्शन, परिचालन संबंधित प्रदर्शन, संरक्षा प्रदर्शन, ट्रैक नवीनीकरण/रखरखाव, पीओएच आउट टर्न, भारतीय रेल पर विभिन्न प्रकार के एसेट, अधोसरंचना में विकास एवं क्षमता में वृद्धि, मानवीय संसाधन जैसे पैरामीटर शामिल हैं।

इस प्रकार पश्चिम मध्य रेल त्रैमासिक केपीआई रिपोर्ट में वैगनों के परिचालन, संरक्षा के कार्य, ट्रैक के रख-रखाव, ट्रैक के नवीनीकरण, टर्नऑउट डीप स्क्रीनिंग, ट्रैक की डीप स्क्रीनिंग, कोचों के पीओएच आउ टटर्न, रेल फेलियर, डीजल लोको एसेट एवं स्थायी गति प्रतिबंध हटाने में एवं लिफ्ट/एस्कलेटर में 100 प्रतिशत आंकलन के आधार पर 78.97 प्रतिशत के साथ भारतीय रेल में प्रथम स्थान पर रही। दक्षिण मध्य रेल द्वितीय और दक्षिण रेलवे तृतीय स्थान पर रही।

जबलपुर स्टेशन पर डिजिटल एवं अत्याधुनिक सुविधाएं

पश्चिम मध्य रेल नई अभिनव गैर किराया राजस्व विचार योजना को कार्यान्वित करके गैर-किराया राजस्व के तहत स्टेशनों को अत्याधुनिक सुविधाओं को उपलब्ध कराने में अहम भूमिका निभा रही है। अतिरिक्त राजस्व प्राप्त करने के लिए नीति में जबलपुर स्टेशन पर अत्याधुनिक प्रतीक्षालय (रेनोवेशन, ऑपरेशन, मेंटेनेंस एवं ट्रांसफर के अंतर्गत) और रेल कोच रेस्टोरेंट तथा डिजिटल लॉकर जैसी आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध हैं।



प्लेटफॉर्म नंबर 1 एवं 6 पर एग्जेक्युटिव लाउंज अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस है। इसके अलावा प्रतीक्षालय में आराम करने के लिए मसाज चेयर, सामान की सुरक्षा के लिए मिनी क्लॉक रूम एवं मोबाइल/लैपटॉप चार्ज करने जैसी आधुनिक सुविधा भी उपलब्ध हैं। रेलवे को 5 वर्षों में ₹90 लाख का अतिरिक्त राजस्व भी प्राप्त होगा। जबलपुर स्टेशन के सर्कुलेटिंग एरिया में नवीनतम रेल कोच रेस्टोरेंट काफी आकर्षक बनाया गया है।

भोपाल स्टेशन पर 'एक स्टेशन : एक उत्पाद' योजना के तहत जरी जरदोजी क्रॉफ्ट स्टॉल

प्रधानमंत्री व रेल मंत्री की पहल पर भारतीय रेल में 'एक स्टेशन : एक उत्पाद' योजना की शुरुआत की गई, जिसके तहत स्थानीय उत्पाद एवं व्यापार को प्रोत्साहन देने के क्रम में भोपाल जंक्शन स्टेशन पर स्थानीय उत्पाद जरी जरदोजी क्राफ्ट की प्रदर्शनी-सह-स्टॉल लगाई गई।

संत रविदास मध्य प्रदेश हैंडीक्राफ्ट एवं हथकरघा विकास निगम (मर्यादित), भोपाल द्वारा भोपाल स्टेशन के प्लेटफॉर्म



नम्बर 01 पर लगाए गए इस स्टॉल में भोपाल के स्थानीय शिल्पियों द्वारा निर्मित उत्पाद जरी जरदोजी क्राफ्ट को बिक्री के लिए रखा गया। इसका उद्देश्य रेलवे परिसर का उपयोग कर स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देना है और भोपाल के जरी जरदोजी क्राफ्ट उत्पाद को दुनिया तक पहुंचाना है।

रेलवे के इस प्रयास से हैंडीक्राफ्ट एवं हथकरघा व्यवसाय से जुड़े उद्यमों के लिए बेहतर अवसर विकसित करने में मदद मिलेगी और रेल यात्रियों के लिए भी स्थानीय उत्पाद की जानकारी होने के साथ ही उन्हें उपलब्ध भी हो सकेगा।

महाप्रबंधक, मध्य रेल द्वारा आरपीएफ बैरक 'वैथराना' का उद्घाटन

श्री अनिल कुमार लाहोटी, महाप्रबंधक मध्य रेल ने दिनांक 4 मई, 2022 को आरपीएफ रिजर्व लाइन, मुलुंड में आयोजित एक में नवनिर्मित आरपीएफ बैरक 'वैथराना', मुलुंड का उद्घाटन किया।

नवनिर्मित आरपीएफ बैरक में 226 आरपीएफ कर्मियों के रहने की क्षमता है और इसमें मनोरंजन कक्ष, व्यायामशाला, आधुनिक रसोई और भोजन कक्ष जैसी सुविधाएं हैं। श्री लाहोटी ने आरपीएफ कर्मियों द्वारा उपयोग के लिए 9 नई अधिग्रहीत



एनफील्ड मोटरसाइकिलों को भी हरी झंडी दिखाई, जिसे मुंबई मंडल में विभिन्न आरपीएफ पदों पर वितरित किया जाएगा। ये मोटरसाइकिलें नियमित गश्त ड्यूटी के लिए उपयोग की जाएंगी।

इस अवसर पर श्री अजय सदानी, प्रधान मुख्य सुरक्षा आयुक्त और महानिरीक्षक, श्री ए के श्रीवास्तव, प्रमुख सिग्नल और दूरसंचार इंजीनियर, श्री आर एल राणा, प्रधान मुख्य सामग्री प्रबंधक, श्री एस के पंकज, वरिष्ठ उप महाप्रबंधक, श्री ए एन झा, मुख्य सुरक्षा आयुक्त और डिप्टी इंस्पेक्टर जनरल, मध्य रेल, श्री शलभ गोयल, मंडल रेल प्रबंधक, मुंबई मंडल और मुख्यालय और मुंबई मंडल के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

आरडीएसओ द्वारा फ्लैट वैगन प्रकार रोल-ऑन-रोल ऑफ के दोलन परीक्षण शुरू

रोल-ऑन-रोल ऑफ (रो-रो) वैगन को आरडीएसओ द्वारा रेलवे ट्रैक पर 100 किमी प्रति घंटे की गति हेतु ट्रक/अन्य कमोडिटी (ट्रक के अंदर लोड) के लिए डिजाइन और विकसित किया गया है।

रो-रो वैगन संशोधित फ्लैट बीआरएन वैगन हैं। रो-रो वैगनों में ट्रकों को बीआरएन वैगन पर एक लूप के डेड-एंड पर प्रदान किए गए रैंप के माध्यम से लोड किया जाता है इस बीआरएन वैगन पर ट्रकों के गुजरने के लिए उपयुक्त रूप से विकसित किया गया है। बीआरएन पर लोड करने से पहले, ट्रकों को एक ऊंचाई गेज (अधिकतम ऊंचाई सड़क स्तर से 3.4 मीटर ऊपर) के नीचे तौला और पारित किया जाता है ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि वे सुरक्षित मार्ग के लिए अधिकतम चलने वाले आयामों के अनुरूप हैं। रो-रो वैगन की गति क्षमता का निर्धारण करने के लिए आरडीएसओ के परीक्षण निदेशालय द्वारा दोलन परीक्षण किए जाने हैं। वैगन पर लदी वस्तु की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए ये परीक्षण



अपरिहार्य हैं। ये दोलन परीक्षण महोबा-खजुराहो खंड पर शुरू किए गए थे आरडीएसओ परीक्षण टीम में श्री शिशिर कांत मिश्रा/निदेशक, श्री शैलेश सिंह/सहायक अनुसंधान अभियंता और परीक्षण निदेशालय के कर्मचारी श्री रूपेश कोहली/शामिल हैं।

आरडीएसओ में निविदा कर्मचारियों हेतु जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

भारतीय रेल में बड़ी संख्या में निविदा पर कर्मचारी काम करते हैं। इन कर्मचारियों को भारत सरकार द्वारा उनके हित के लिए तरह-तरह की सुविधाएं दी जाती हैं। सामान्यत: यह पाया गया है कि कर्मचारियों को मिलने वाली इन सुविधाओं की जानकारी उन्हें नहीं रहती है। 'आजादी का अमृत महोत्सव' अभियान के अंतर्गत आरडीएसओ कर्मचारियों को मिलने वाली चिकित्सीय सुविधा एवं, भाविष्य निधि बैलेंस का अद्यतित विवरण देने हेतु एक



जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें 146 ऐसे कर्मचारियों को भारत एवं उत्तर प्रदेश सरकार की विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत उन्हें मिलने वाली विभिन्न सुविधाओं की जानकारी दी गयी एवं उन्हें कर्मचारी राज्य बीमा निगम द्वारा देय मेडिकल कार्ड एवं EPF का अद्यतन स्टेटमेंट महानिदेशक आरडीएसओ श्री संजीव भूटानी द्वारा वितरित किया गया।

कार्यक्रम में संगठन के अपर महानिदेशक श्री रमेश पिंजानी, प्रधान मुख्य कार्मिक अधिकारी श्री अजय कुमार श्रीवास्तव, कार्यकारी निदेशक/कार्य श्री प्रवीण खुराना उपस्थित रहे

उत्तर पश्चिम रेलवे : पर्यावरण अनुकूल ऊर्जा के उपयोग से आत्मनिर्भरता की ओर

पर्यावरण संरक्षण के प्रति दायित्व के तहत उत्तर पश्चिम रेलवे पर सौर ऊर्जा पर काफी कार्य किए गए हैं। इस रेलवे पर अभी तक कुल 7.126 MWp क्षमता के सोलर पैनल स्थापित किए गए हैं। इन सोलर पैनल के स्थापित होने से इस रेलवे पर प्रतिवर्ष 79 लाख से अधिक यूनिट की ऊर्जा की बचत की जा रही है, जिससे लगभग ₹5 करोड़ के राजस्व की बचत हो रही है। इसके साथ ही जैसलमेर में 26 मेगावाट का पवन ऊर्जा संयंत्र स्थापित किया गया है। इस ऊर्जा संयंत्र से प्रति वर्ष लगभग 43 एमयू ऊर्जा उत्पन्न होती है, जिसका उपयोग उत्तर पश्चिम रेलवे तथा पश्चिम मध्य रेल में कर्षण उद्देश्य के लिए किया जाता है।

द क्लाइमेट ग्रुप के अध्ययन के अनुसार वैश्विक CO2 उत्सर्जन में 6% प्रकाश व्यवस्था का योगदान रहता है, इस पर कार्य करके इसको कम किया जा सकता है। उत्तर पश्चिम रेलवे पर 570 स्टेशनों तथा 963 सर्विस बिल्डिंग्स में 100% ऊर्जा दक्ष एलइडी तकनीक के उपयोग से कार्बन उत्सर्जन को कम किया जाना सुनिश्चित



किया जा रहा है। उत्तर पश्चिम रेलवे पर लगभग 2,36,452 एलइडी लाइट फिटिंग्स लगाई गई है, जिसके परिणामस्वरूप 103 लाख यूनिट प्रति वर्ष बिजली की बचत होती है।

एक वर्ष में सर्वाधिक 30 स्टेशनों पर इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉक्ड सिग्नल प्रणाली की स्थापना

वित्तीय वर्ष 2021-22 में उत्तर पश्चिम रेलवे के इतिहास में सर्वाधिक 30 स्टेशनों पर 'इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग' की आधुनिक सिग्नल प्रणाली लगाई गई है।
लाइन क्षमता बढ़ाने के लिए इस वर्ष 4 इंटरमीडिएट ब्लॉक सिस्टम (IBS) भी स्थापित किए गए हैं। इस वर्ष के 23 समपार फाटकों सहित कुल 532 समपार फाटकों की इंटरलॉकिंग की जा चुकी है। साथ ही इस वर्ष 15 समपार फाटकों पर इलेक्ट्रिकल संचालित लिफ्टिंग बैरियर भी



लगाए गए हैं। इस वर्ष 74 स्टेशनों सहित कुल 253 रिले रूमों में ऑटोमैटिक फायर अलार्म सिस्टम तथा 09 स्टेशनों सहित कुल 419 स्टेशनों पर फ्री वाई-फाई की सुविधा प्रारम्भ कर दी गई है।

52 स्टेशनों पर ट्रेन डिस्प्ले बोर्ड एवं 47 स्टेशनों पर कोच गाइडेंस प्रणाली, 19 स्टेशनों पर जनसूचना प्रणाली तथा 36 स्टेशनों पर जीपीएस आधारित डिजिटल घड़ी भी लगाई गई है।

गांधीनगर जयपुर स्टेशन होगा विश्वस्तरीय



रेलवे प्रशासन द्वारा गांधीनगर जयपुर स्टेशन का विश्वस्तरीय विकास किया जाएगा। इसके लिए लगभग ₹180 करोड़ के कार्यों के टेण्डर जारी कर दिए गए हैं। उत्तर पश्चिम रेलवे पर पुनर्विकास के लिए स्वीकृत स्टेशनों में गांधीनगर जयपुर स्टेशन भी शामिल है।

वर्तमान गांधीनगर जयपुर स्टेशन पर दो नई बिल्डिंग का निर्माण प्रस्तावित है। सामने की ओर की मुख्य इमारत जी+2 बिल्डिंग बनाई जाएगा। इस भवन का मेजेनाइन फर्श बनाया जाएगा। पुर्नविकसित स्टेशन पर एक एयर कॉनकोर्स प्रस्तावित है, जो दोनों इमारतों को प्लेटफॉर्मों के ऊपर से जोड़ते हुए बनाया जाएगा। गुंबद, छतरी, झरोखा, बारादरी, मेहराब, अलंकरण, पत्थर का काम, पत्थर का आवरण, आदि के माध्यम से किया जाएगा। नवीन बिल्डिंग नेट जीरो एनर्जी बेस्ड बिल्डिंग होगी।

'इंटरनेशनल म्यूजियम डे' पर आमजन को दी फ्री एंट्री

उत्तर पश्चिम रेलवे पर इस वर्ष की थीम 'पॉवर ऑफ म्यूजियम्स' पर 18 मई 2022 को 'इंटरनेशनल म्यूजियम डे' मनाया गया। इस अवसर पर मार्टिण्डल ब्रिज समीप स्थित रेल संग्रहालय अजमेर में आगंतुकों को रेलवे की समृद्ध विरासत से अवगत कराने हेतु प्रवेश निःशुल्क रखा गया, जिसकी वजह से म्यूजियम खुलते ही आगंतुकों का जमावड़ा लग गया। लोग, विशेष रूप से बच्चे काफी उत्साहित नजर आ रहे थे। लोगों ने म्यूजियम में रखी ऐतिहासिक महत्त्व की वस्तुओं व फोटोग्राफ्स को निहारा और सराहा। दर्शकों ने रेल म्यूजियम के ऑडिटोरियम में रेलवे



की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि को दर्शाती फिल्में भी देखीं। इस अवसर पर एक ड्राइंग प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया, जिसमे 25 बच्चों ने भाग लिया और भारतीय रेल से सम्बंधित विषयों पर सुंदर पेंटिंग बनाईं जिन्हें म्यूजियम की दीवार पर प्रदर्शित किया गया, साथ ही विजेता बच्चों को पुरस्कृत भी किया गया।

रेल म्यूजियम की विजिट के बाद लोगों से रेल म्यूजियम से सम्बन्धित एक प्रश्नोत्तरी का आयोजन भी किया गया, जिसमें लोगों ने बढ़-चढ़ कर भाग लिया एवं विजेताओं को पुरस्कार भी दिए गए। बच्चों और बड़ों ने टॉय ट्रेन का भी खूब आनंद उठाया। पूरे दिन लगभग 400 से अधिक लोगों ने रेल म्यूजियम का दौरा कर लुत्फ उठाया। इनमें ऐसे लोग भी थे जो दूसरी या तीसरी बार रेल म्यूजियम को विजिट करने आये थे।

भारतीय रेल

पत्रिका की सदस्यता एवं प्राप्ति हेतु

संपर्क करें 011-47845381

सोमवार से शुक्रवार (सुबह 10 से 1 एवं दोपहर 2 से 5 बजे तक) editorbhartiyarailrb@gmail.com bmpr310rb@gmail.com

भारतीय रेल में मनाया गया
डॉ. बी.आर. अम्बेडकर जी का 131वाँ जन्म दिवस

भारतरत्न डॉ. भीमराव अम्बेडकर का 131वाँ जन्म दिवस भारतीय रेल में समारोहपूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर संविधान निर्माण में उनके उल्लेखनीय योगदान के साथ-साथ समाज के समस्त वर्गों को समान अधिकार दिलाने के लिए चलाए गए उनके आंदोलनों को श्रद्धापूर्वक याद किया गया। यहां विभिन्न क्षेत्रीय रेलों और उत्पादन इकाइयों में आयोजित समारोहों की झलकियां प्रस्तुत की जा रही हैं:

पश्चिम मध्य रेल



भारत रत्न डॉ. भीमराव बाबा साहेब अम्बेडकर का जन्मोत्सव हर साल 14 अप्रैल को मनाया जाता है। सरकारी कार्यालयों में अवकाशों के चलते पश्चिम मध्य रेल, महाप्रबंधक कार्यालय के प्रागंण में दिनांक 18 अप्रैल, 2022 को पमरे महाप्रबन्धक की अध्यक्षता में भारत रत्न डॉ. भीमराव अम्बेडकर का 131वां जन्म दिवस मनाया गया।

उत्तर पश्चिम रेलवे

उत्तर पश्चिम रेलवे, प्रधान कार्यालय में दिनांक 18 अप्रैल, 2022 को महाप्रबन्धक श्री विजय शर्मा ने डॉ. भीमराव अम्बेडकर की फोटो पर माल्यार्पण किया।

इस अवसर पर अपर महाप्रबन्धक श्री गौतम अरोड़ा, प्रमुख मुख्य कार्मिक अधिकारी श्री प्रभाष कुमार सहित श्रमिक संगठनों के प्रतिनिधि एवं अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे



उत्तर मध्य रेल



उत्तर मध्य रेल के महाप्रबंधक श्री प्रमोद कुमार वरिष्ठ अधिकारियों और विभिन्न एसोसिएशन के पदाधिकारियों के साथ डॉ. बी. आर अम्बेडकर की जयंती के अवसर पर श्रद्धासुमन अर्पित किए।

दक्षिण पूर्व रेलवे



दक्षिण पूर्व रेलवे मुख्यालय, गार्डनरीच में डॉ. बी.आर. अम्बेडकर की 131वीं जयंती के अवसर पर डॉ. बी.आर. अम्बेडकर को श्रद्धांजलि देती हुई महाप्रबंधक, दक्षिण पूर्व रेलवे सुश्री अर्चना जोशी।

आरडीएसओ



अनुसंधान अभिकल्प और मानक संगठन में दिनांक 18 अप्रैल, 2022 को आरडीएसओ के महानिदेशक, श्री संजीव भुटानी एवं अन्य अधिकारियों ने डॉ. भीमराव अम्बेडकर को माल्यार्पण कर अपने श्रद्धासुमन अर्पित किए।

आरेडिका

आधुनिक रेल डिब्बा कारखाना में दिनांक 15 अप्रैल, 2022 को भारत रत्न डा. भीम राव अम्बेडकर जी की 131वीं जयंती का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि आरेडिका के प्रधान वित सलाहकार श्री जे. एन.पाण्डेय एवं मुख्य संयंत्र अभियंता श्री संजय कटियार द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर एवं अम्बेडकर जी की फोटो प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया गया।



भारतीय रेल की टीम ने जीती 7वीं फेडरेशन कप बॉल बैडमिंटन चैम्पियनशिप

भारतीय रेल बॉल बैडमिंटन टीम ने 13-15 मई, 2022 तक हिरियुर, चित्रदुर्ग, कर्नाटक में आयोजित होने वाली 7वीं फेडरेशन कप बॉल बैडमिंटन चैम्पियनशिप 2022 जीत ली है। भारतीय रेल टीम ने मेजबान कर्नाटक टीम को सीधे सेटों में 35-18, 35-23 से हराया।

भारतीय रेल की बॉल बैडमिंटन टीम ने हाल ही में 2 से 6 मार्च, 2022 तक कर्नाटक में आयोजित 67वीं सीनियर नेशनल बॉल बैडमिंटन चैम्पियनशिप 2021-22 में लगातार सातवीं बार जीत हासिल की थी। लगभग दो माह के भीतर दूसरी बार प्रतिष्ठित प्रतियोगिताओं का खिताब जीतकर भारतीय रेल ने इस खेल में अपना दबदबा दिखाया है, जिसके लिए खिलाड़ी, प्रशिक्षक और अन्य सभी सहायक कर्मचारी बधाई के पात्र हैं।



मेट्रो कर्मी ने भारतीय रेल का नाम रौशन किया



मेट्रो रेलवे, कोलकाता के कर्मचारी श्री सायंतन दास ने हाल ही में समाप्त हुई 41वीं राष्ट्रीय टीम शतरंज चैम्पियनशिप-2022 में तीसरा स्थान हासिल किया। यह चैम्पियनशिप 8 से 13 अप्रैल, 2022 तक जलगांव में आयोजित की गई थी।

श्री दास इस चैम्पियनशिप में भाग लेने वाली 5 सदस्यीय भारतीय रेल की बी टीम का हिस्सा थे। श्री अरुण अरोरा, महाप्रबंधक, मेट्रो रेलवे ने कार्मिक विभाग के कर्मचारी श्री सायंतन दास को यह उपलब्धि हासिल करने पर बधाई दी।

50वीं अखिल भारतीय रेल जिम्नास्टिक प्रतियोगिता 2021-2022 का हुआ समापन

दिनांक 24 मार्च, 2022 को आगरा के एकलव्य स्टेडियम मे दिनांक 22-24 मार्च के दौरान आयोजित 50वीं अखिल भारतीय रेल जिम्नास्टिक प्रतियोगिता समारोह का समापन महाप्रबंधक उत्तर मध्य रेल श्री प्रमोद कुमार की अध्यक्षता एवं उत्तर मध्य रेल महिला कल्याण संगठन अध्यक्षा श्रीमती पूनम कुमार की उपस्थिति में आयोजित हुआ। प्रतियोगिता में



व्यक्तिगत ओवरऑल चैम्पियनशिप में उत्तर मध्य रेल के आदित्य सिंह राणा ने प्रथम दक्षिण पूर्व रेलवे के सत्यजीत मंडल ने दूसरा तथा उत्तर मध्य रेल के सिद्धार्थ वर्मा ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। ओवरऑल टीम चैम्पियनशिप उत्तर मध्य रेल ने जीती, जबकि दक्षिण पूर्व रेलवे एवं पूर्व रेलवे क्रमशः दूसरे व तीसरे स्थान पर रहीं।

भारतीय रेल की महिला टीम ने राष्ट्रीय क्रॉस कंट्री चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक जीता

नागालैंड के कोहिमा में आयोजित 56वीं राष्ट्रीय क्रॉस कंट्री चैम्पियनशिप (पुरुष और महिला) में भारतीय रेल की महिला एथलीटों ने टीम स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता जबकि पुरुष टीम रजत पदक जीतने में सफल रही। चैम्पियनशिप में सुश्री वर्षा देवी, सुश्री मंजू यादव, सुश्री प्रीनू यादव और सुश्री मुन्नी देवी रेलवे स्पोर्ट्स प्रमोशन बोर्ड की टीम की सदस्य थीं।

व्यक्तिगत स्पर्धा में भारतीय रेल की महिला एथलीटों ने शीर्ष 5 स्थानों पर कब्जा किया और टीम स्पर्धा में भारतीय रेल के लिए स्वर्ण पदक प्राप्त किया।

पुरुष वर्ग में श्री नरेंद्र प्रताप, दिनेश, श्री वीरेंद्र कुमार पाल और श्री हर्षद म्हात्रे की भारतीय रेल टीम ने रजत पदक हासिल किया।

भारतीय रेल देश में खिलाड़ियों के सबसे बड़े नियोक्ताओं में से एक है। रेलवे ने हमेशा खेलों में देश के लिए उत्कृष्ट योगदान दिया है।



दक्षिण-पश्चिम रेलवे की टीम ने ऑल इंडिया रेलवे रोड साइकिलिंग चैम्पियनशिप जीती



दक्षिण-पश्चिम रेलवे (एसडब्लूआर) की साइकिलिंग टीम ने उत्तर-पश्चिम रेलवे स्पोर्ट्स एसोसिएशन द्वारा बीकानेर में 21 से 23 मार्च, 2022 तक आयोजित 58वीं ऑल इंडिया रेलवे रोड साइकिलिंग चैम्पियनशिप जीत ली है। एसडब्लूआर ने चैम्पियनशिप में एक स्वर्ण और चार रजत पदकों पर कब्जा जमाया।

टूर्नामेंट में 100 किमी रोड-रेस में श्री वेनकप्पा के. ने स्वर्ण पदक, श्री अनिल मांगलौ ने रजत पदक और श्री सचिन देसाई ने चौथा स्थान प्राप्त किया। पचास किमी की क्रिटेरियम-रेस में श्री सचिन देसाई ने रजत पदक और श्री अश्विन पाटिल ने पांचवां स्थान हासिल किया।

40 किमी के इंडीविजुअल टाइम ट्रायल में श्री वेनकप्पा के. ने रजत पदक और श्री अनिल मांगलौ ने चौथा स्थान अर्जित किया।

टीम में श्री अनिल मांगलौ, श्री वेनकप्पा के, श्री राजू बाटी और श्री विश्वनाथ ने 60 किमी टीम टाइम ट्रायल में रजत पदक जीता। चैम्पियनशिप में हिस्सा लेने वाले उपरोक्त सभी एथलीटों को हुब्बाल्ली डिविजन के मुख्य टिकट निरीक्षक श्री नानजप्पा येनटाड ने कोचिंग दी थी।

अखिल भारतीय रेल ग्रीको रोमन कुश्ती चैम्पियनशिप का आयोजन

पूर्वोत्तर रेलवे क्रीड़ा संघ के तत्वावधान में सैयद मोदी रेलवे स्टेडियम, गोरखपुर में 62वीं अखिल भारतीय रेल ग्रीको रोमन कुश्ती चैम्पियनशिप-2021-22 संपन्न हुई। प्रतियोगिता में उत्तर रेलवे विजेता, मध्य रेल उपविजेता तथा पूर्वोत्तर रेलवे की टीम तीसरे स्थान पर रही।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि अपर महाप्रबन्धक श्री अमित कुमार अग्रवाल वे महासचिव/नरसा श्री पंकज कुमार सिंह ने प्रतियोगियों को बधाई दी।

इस अवसर पर अध्यक्ष/नरसा श्री योगेश मोहन, प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबन्धक श्री डी.के. श्रीवास्तव, कुश्ती सचिव श्री जे.पी.सिंह, अर्जुन पुरस्कार विजेता श्री नरेश कुमार, श्री काका पवार, श्री धर्मेन्द्र दलाल, ध्यान चन्द पुरस्कार विजेता श्री राजकुमार बैसत उपस्थित थे। पूर्वोत्तर रेलवे के सहायक क्रीड़ा अधिकारी श्री चन्द्र विजय सिंह ने इस प्रतियोगिता के आयोजन में सराहनीय योगदान दिया।



अखिल भारतीय रेल महिला एवं पुरुष हैण्डबॉल चैम्पियनशिप आयोजित

पूर्वोत्तर रेलवे क्रीड़ा संघ के तत्त्वावधान में सैयद मोदी रेलवे स्टेडियम, गोरखपुर में 27 से 30 अप्रैल, 2022 तक 14वीं अखिल भारतीय रेल महिला एवं पुरुष हैण्डबॉल प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता का शुभारम्भ महाप्रबन्धक, पूर्वोत्तर रेलवे एवं संरक्षक, नरसा श्री अनुपम शर्मा ने किया।

प्रतियोगिता में पुरुष वर्ग में कुल 10 तथा महिला वर्ग में 04 टीमों ने प्रतिभाग किया। मेजबान पूर्वोत्तर रेलवे ने पुरुष एवं महिला दोनों ही वर्ग में चैम्पियनशिप जीती। पुरुष वर्ग में उत्तर रेलवे ने रजत पदक और बी. एल. डब्ल्यू. ने कांस्य पदक हासिल किया।



महिला वर्ग का रजत पदक उत्तर रेलवे तथा कांस्य पदक दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे ने हासिल किया। समापन समारोह के मुख्य अतिथि अध्यक्ष/नरसा श्री योगेश मोहन ने विजेताओं को पुरस्कृत कर सम्मानित किया।

ऑल इंडिया रेलवे बॉक्सिंग चैम्पियनशिप में उत्तर मध्य रेल का बेहतरीन प्रदर्शन

दिनांक 19 अप्रैल से 22 अप्रैल तक नई दिल्ली में आयोजित ऑल इंडिया रेलवे बॉक्सिंग चैम्पियनशिप में उत्तर मध्य रेल के मुक्केबाजों ने 8 वजन वर्ग में मेडल प्राप्त किए। ज्ञात हो कि, 51 किलो भार वर्ग में श्री जितेंद्र कुमार ने स्वर्ण पदक, 57 किलो भार वर्ग में श्री गौरव बिधूड़ी ने रजत पदक व श्री आशीष कुल्हेरिया 71 किलो भार वर्ग में रजत पदक जीता। विनीत ने 80 किलो भार वर्ग में रजत पदक जीता कुलदीप ने 48 किलो भार वर्ग में कांस्य पदक, श्री संदीप कुमार



ने 60 किलो भार वर्ग में कांस्य पदक जीता, श्री बृजेश मीणा ने 86 किलो भार वर्ग में कांस्य पदक जीता और सुपर हैवी वेट में श्री अंकित कुमार ने कांस्य पदक जीता।

51 किलो भार वर्ग श्री जीतेंद्र कुमार ने फाइनल मैच में पूर्व रेलवे के श्री मनजीत कुमार को पराजित कर स्वर्ण पदक हासिल किया।

मुख्य कोच की भूमिका में श्री अतुल सिद्धार्थ व सहायक कोच श्री आशीष मिश्रा ने टीम का उत्साहवर्धन किया।

महाप्रबंधक श्री प्रमोद कुमार ने खिलाड़ियों को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए बधाई दी।

अखिल भारतीय रेल एथलेटिक्स चैम्पियनशिप संपन्न

कोलकाता में आयोजित 86वीं अखिल भारतीय रेल एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में उत्तर मध्य रेल ने 5 पदक जीते। उत्तर मध्य रेल की कुल पदक तालिका 1 रजत और 4 कांस्य रही। हैमर थ्रो मे श्री गुरजिंदर ने रजत और ऐजाज एहमद ने कांस्य पदक जीता। जैवेलिन थ्रो में श्री मनोज यादव ने कांस्य, सुश्री नंदिनी गुप्ता ने 3,000 मीटर स्टीपल चेज में तृतीय स्थान प्राप्त कर कांस्य और श्री रिशु सिंह ने 1,500 मीटर दौड़ में कांस्य पदक जीता। इसके अलावा श्री कृष्णानंद त्रिपाठी-



जैवलिन थ्रो, श्री सतेंद्र-शॉट पुट और राजकुमार सिंह ने 10,000 मीटर दौड़ में चौथा स्थान प्राप्त किया। महाप्रबंधक उत्तर मध्य रेल श्री प्रमोद कुमार ने एथलेटिक टीम व कोच सुश्री रागिनी सिंह एवं टीम मैनेजर श्री दिवाकर शुक्ला की सराहना की। महाप्रबंधक ने श्री वीरेंद्र पाल की भी प्रशंसा की, जिन्होंने कोहिमा में आयोजित 56वीं राष्ट्रीय क्रॉस कंट्री चैम्पियनशिप में भारतीय रेल क्रॉस कंट्री टीम के रूप में रजत पदक जीता।

इस अवसर पर उत्तर मध्य रेल खेल संघ के अध्यक्ष श्री शरद मेहता, महासचिव श्री नितिन गर्ग, सचिव/महाप्रबंधक श्री अजय सिंह, तथा स्पोर्ट्स सेल के सदस्य श्री दिनेश यादव एवं मकबूल अहमद उपस्थित रहे।

एक भारत श्रेष्ठ भारत

अद्भुत, अद्वितीय है अटारी बॉर्डर पर होने वाला

बीटिंग रिट्रीट समारोह

श्री मनीष बाजपेई
वरिष्ठ पत्रकार, दूरदर्शन समाचार

वो छह फुट से ऊपर कदमताल करते हुए पैरों का ऊपर उठ जाना, फिर तेजी से पैरों का नीचे आना और धूल का उड़ जाना, वो पूरी शक्ति के साथ भुजाओं का फड़कना, वो आंखों की काली पुतलियों का क्रोध से स्थिर हो जाना, वो हाथ की हथेली और उगलियों की ऐसी कसरत मानो दुश्मन का चेहरा ही नोच ले, मूंछों पर ताव देना और अपनी भाव-भंगिमाओं से दुश्मन को धूल-धूसरित कर देने का ऐसा प्रयास शायद ही दुनिया में कहीं आपको अन्यत्र देखने को मिले.. और उस पर अपने जवानों का हौसला बढ़ाता हुआ जन समूह जो हर क्रिया पर 'भारत माता की जय' के नारे के साथ प्रतिक्रिया देता है...यह देश के प्रति छलकता हुआ प्रेम है, यहां कोई और है ही नहीं.. अगर कुछ है तो वो है देश, देश के प्रति मर मिटने की भावना और हर कोई यहां भारतीय है.. 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' की अनुपम अवधारणा की साक्षात् प्रतिमूर्ति अटारी बॉर्डर पर होने वाली बीटिंग रिट्रीट परेड....

देश की सीमाओं पर जाकर भारत मां को नमन करना कुछ वैसा ही अनुभव देता है जैसे किसी देवालय में जाकर देवता को श्रद्धा सुमन अर्पित करना और जब स्थान कुछ ऐतिहासिक हो, संघर्ष की एक गाथा हो, इतिहास के संस्मरण हों और भविष्य की पीढ़ी को देने के लिए अतीत का अनुभव हो, तो महत्त्व कुछ और बढ़ जाता है।

दुरदर्शन के प्रसिद्ध कार्यक्रम 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' को लेकर संपूर्ण भारत वर्ष में मैं यात्राओं पर रहता हूं और जहां जहां मुझे भारत की एकता, अखंडता और श्रेष्ठता के सूत्र मिलते हैं, उनको अपने सभी नागरिकों के सामने प्रस्तुत करता हूं।

एक यात्रा जिसका जिक्र मैं करने जा रहा हूं, उसका संबंध अतीत से भी है, आज से भी है और आने वाले दिनों से भी है, अटारी बॉर्डर की यात्रा गलती से भी इसको वाघा बॉर्डर की यात्रा मत समझिए क्योंकि लगभग पन्द्रह साल पहले ही यानि साल 2007 में भारत-पाकिस्तान सीमा पर जो हिस्सा भारत के पास है, वो वाघा नहीं बल्कि अटारी है, इसलिए तब से इसे अटारी बॉर्डर के नाम से ही जाना जाता है, लेकिन अफसोस है वि आज भी अमृतसर से जो ऑटो टैक्सी वाले पर्यटकों को वाघा बॉर्डर के नाम से उनको घुमाने लेकर जाते हैं। इसको लेकर मुझे थोड़ी आपत्ति भी हुई, लेकिन एक टैक्सी वाले ने कहा ''साहब, इतना समय कहां है कि हम सबको समझाते घूमें। इतने में तो हमारा ग्राहक ही चला जाएगा'' मुझे थोड़ा झटका लगा, लेकिन यह भी समझ में आया जहां सरकारों की तरफ से यह अच्छा प्रयास किया गया क्योंकि यह भारत के सम्मान का विषय था। विभाजन के लगभग साठ साल बाद राज्य सरकार की सिफारिश पर केन्द्र सरकार ने इस नामान्तरण को मंजूरी दी। वजह साफ थी कि वाघा नाम का गांव तो पाकिस्तान के हिस्से में आता है जबकि इस सीमा क्षेत्र के भारत की ओर वाले हिस्से को अटारी कहा जाता है। इसी को ध्यान में रखते हुए भारत में स्थित इस सीमा क्षेत्र को अटारी बॉर्डर कहा जाने लगा। इस नाम का एक और ऐतिहासिक महत्त्व है, जिसका जुड़ाव महाराजा रणजीत सिंह के साथ है। दरअसल, सिक्ख साम्राज्य को बचाने के लिए जो अंतिम युद्ध ब्रिटिश सैनिकों के साथ हुआ और उसमें अहम भूमिका निभाने वाले महाराजा रणजीत सिंह की सिक्ख वाहिनी के सेनापति श्याम सिंह अटारीवाला का यह जन्म स्थान है। इसलिए भी इस नाम का ऐतिहासिक महत्त्व है। ये इतिहास की बातें हैं, लेकिन आज के संदर्भ में महत्त्वपूर्ण हैं इसलिए इनकों जानना भी जरूरी है और इसलिए भी कि सरकार अटारी बॉर्डर के नाम को जनता के बीच स्थापित करने के लिए कुछ प्रयास करे।

बहराल, कारवां आगे बढ़ता है और कुछ और जानने की उत्सुकता के चलते हमारा वाहन सीमा सुरक्षा बल की 144वीं बटालियन के सेकेंड इन कमांड के कार्यालय पहुंचता है और वहां



सेकेंड इन कमांड श्री सतीश मिश्रा जी से मुलाकात होती है। अटारी बॉर्डर का जिक्र जब शुरू हुआ तो बीटिंग रिट्रीट परेड के मायने, जरूरत और इसके साथ इतिहास के पन्ने भी खुलने लगे। दरअसल, 1947 की शुरुआत में भारत के आखिरी ब्रिटिश वायसरॉय लॉर्ड माउंटबेटन ने भारत की आजादी की घोषणा की और इसके बाद ब्रिटेन से 8 जुलाई को सर सिरिल रेडक्लिफ को भारत बुलाया गया और उन्हें धार्मिक के आधार पर बॉर्डर बनाने का जिम्मा सौंपा गया। वे पहले भारत में कभी नहीं रहे। इस बात को तत्कालीन सभी राजनैतिक दलों ने फायदे की बात माना क्योंकि रेडक्लिफ का पूर्वाग्रह किसी के प्रति नहीं हो सकता था और दो हफ्तों में ही उन्होने एक तरफ भारत तो दूसरी तरफ पाकिस्तान की सीमा बना दी। पाकिस्तान के हिस्से में वाघा गांव और भारत के हिस्से में अटारी गांव आया। विभाजन के बाद भारत की तरफ सीमा की जिम्मेदारी पहले पीएपी को दी गई, लेकिन बाद में सन् 1960 से ये जिम्मेदारी सीमा सुरक्षा बल यानि बीएसएफ संभाल रही है। भारत और पाकिस्तान के बीच संयुक्त रुप से बीटिंग रिट्रीट परेड का आयोजन 1959 से हो रहा है और खास बात यह ही है 1999 में अमन सेतु खुलने से पहले भारत और पाकिस्तान के बीच एकमात्र लिंक रोड यहीं ग्रांड ट्रंक रोड रही है, जिसे जीटी रोड कहा गया। इसको लाहौर से तत्कालीन कोलकाता तक शेरशाह सूरी ने बनवाया था।

शाम के आंचल में जैसे-जैसे सूरज छुपने को चलता है वैसे-वैसे इस अटारी बॉर्डर पर गहमा-गहमी बढ़ती चली जाती है। हम भी पहुंच चुके थे इस जगह पर। घड़ियों की सूइयों के तौर पर देखा जाए तो शाम पांच बजे से लेकर शाम साढ़े पांच बजे तक यह कार्यक्रम होता है, लेकिन शुरुआत इसकी पहले से हो जाती है। गगनभेदी नारों, देशभक्ति का संगीत और रह रह-कर अपनी जगह से उठकर जोश बढ़ाने वाले हाथ इस पूरे वातावरण को असीम ऊर्जा से भर रहे थे। एक तरफ ध्वनि विस्तारक यंत्र पर देश भक्ति के गीत तो दूसरी तरफ कमेंट्रेटर के तौर पर बीएसएफ का जवान विवेक गुर्जर अपने हुनर का कौशल दिखा रहा था। निश्चित तौर जिस तरह से वो लोगों में जोश भर रहा था, वह काबिले तारीफ था। इस बीच महिलाओं का एक जत्था तिरंगे को हाथ में लेकर परेड ग्राउंड पर नृत्य करता हुआ सीधा चला आ रहा था। माहौल की रंगत लगातार अपने शबाब पर पहुंच रही थी। लोगो का इंतजार अब हिलोरें मार रहा था। सीमा के दूसरी ओर से भी हरकत शुरू हो चुकी थी। हालांकि यहां यह बताना जरूरी है कि भारत की तरफ जो ओपन ऑडिटोरियम, है उसकी क्षमता लगभग पच्चीस हजार दर्शकों की है। वहीं दूसरी तरफ ये क्षमता महज पांच से छह हजार दर्शकों की ही है। इस लिहाज से दूसरी तरफ थोड़ा-सा सन्नाटा ही था, लेकिन पाकिस्तानी रेंजर्स भी अपनी इज्जत को सलामत रखने क लिए नारेबाजी कर रहे थे और उनकी जनता भी उनका साथ देने की कोशिश करती हुई दिख रही थी। दरअसल, इस आदान-प्रदान के बीच दर्शकों के जेहन पर भारत-पाकिस्तान विभाजन का दर्द भी दिख रहा था तो दूसरी तरफ पाकिस्तान की सीमा पर जिन्ना को फोटो और भारत की सीमा पर गांधी का फोटो साफ तौर एक-दूसरे विपरीत धुवों को दिखा रहा था। बहुत सारी बातों और जज्बातों के बीच पूरा बीटिंग रिट्रीट कार्यक्रम लगातार चल रहा था। परेड शुरू हुई ...सीमा पर गेट खुले और उसके बाद जब बीएसएफ के जवान पाकिस्तान रेंजर्स जवानों के सामने आए और छह फुट ऊपर तक अपने पैरों को जब हवा में उठाया तो फिर तालियों की गड़गड़ाहट से पूरा माहौल 'भारत माता की जय' के नारों से गूंज उठा। इस प्रक्रिया की पुनरावृत्ति कई बार हुई.. नारेबाजी में बराबरी कई बार हुई। कई बार ऐसा माहौल बना कि जब जवानों ने अपनी भाव-भंगिमा से विरोधी दलों को





शिकस्त दी। आंखों का लाल होना, भृकुटियों का तनना, मूंछों पर ताव देना, हथेलियों का ऐसा इशारा मानो अभी जमीन पर धूल चटा दें...इस तरह की भावपूर्ण मुद्राओं के साथ ही वक्त आ गया जब पाकिस्तान और भारत की सीमा के जीरोग्राउंड पर लगे ध्वजों को उतारा जाने लगा। दरअसल, सीमा के जीरो ग्राउंड पर लगे ध्वजों को शाम के वक्त उतारने के लिए ही यह पूरा आयोजन किया जाता है। हालांकि प्रतीकात्मक तौर पर प्राचीन समय में दिन में युद्ध करती सेनाएं रात्रि में सूर्यास्त के समय शंख के जरिए युद्ध विराम की घोषणा करती थीं और एक दूसरे की सेनाओं में लोग मिलने भी जाते थे। कुछ इसी परम्परा को कायम रखने की कोशिश भारत-पाकिस्तान की सीमा पर भी दिख रही थी। इस बीच इस पूरे कार्यक्रम की जानकारी बीएसएफ के डिप्टी कमांडेंट श्री जसप्रीत सिंह हमको दे भी रहे थे।

भारत-पाकिस्तान की अटारी सीमा पर होने वाली बीटिंग रिट्रीट परेड के अनेक आयाम स्पष्ट तौर पर परिलक्षित हो रहे थे। एक तरफ परम्परा का पालन तो दूसरी तरफ प्रतिबद्धता का प्रदर्शन, एक तरफ भारत मां के जवान अपने शौर्य और साहस का परिचय दे रहे थे तो दूसरी तरफ परेड की प्रथम पंक्ति में बीएसएफ की महिला जवानों की उपस्थिति भारत की मातृ शक्ति के उस अदम्य साहस का परिचय दे रही थी, जिसमें हम लक्ष्मीबाई और दुर्गावती जैसी वीरांगनाओं के दर्शन करते हैं और इस परेड में सागरिका और सीता नाम की महिला जवान महिला शक्ति का नेतृत्व कर रहीं थीं। सिर्फ इतना ही पर्याप्त नहीं, बीटिंग रिट्रीट परेड के परिचय के तौर पर बल्कि जिस वजह से हम वहां खिंचे चले गए थे, अभी वो बात तो हमने आपको बताई ही नहीं।

पूरे कार्यक्रम के छायांकन के दौरान मेरी नजर बार-बार एक नवयुवक पर पड़ रही थी। वो अपने स्टिल कैमरे के जरिए लगातार हमारी तस्वीरें निकाल रहा था। अपने काम की व्यस्तता के बाद मैं उसके पास गया। परिचय प्राप्त करने पर पता चला कि वो बालमुकुन्द है जो कोयम्बटूर, केरल का रहने वाला है। हिन्दी से परिचय उसका उतना ही जितना वो मुश्किल से अपना नाम बता पाया, लेकिन जब बात भारत की आई तो उसने अपनी भावनाओं का संसार अंग्रेजी भाषा में पूरा उड़ेल दिया और शायद यही वो बात थी जिसकी वजह से मैं दिल्ली से अमृतसर और उसके बाद अटारी बॉर्डर तक खिंचा चला गया। देशप्रेम के प्रति उसका अनन्य भाव देखकर मैं मंत्र मुग्ध हो गया। फिर मैंने उससे कहा क्या तुम ये सब कैमरे पर मुझसे कहोगे? वो थोड़ा झिझका क्योंकि हिन्दी भाषा से वो उतना परिचित नहीं था। मैंने कहा कोई बात नहीं, फिर उसके संवादों को मैंने अपने कैमरे में रिकार्ड किया। लेकिन इसके बाद जो देशप्रेम का सैलाब दिखा, यकीन मानिए यह नजारा अद्भुत था और इसलिए ही मैं यहां आया भी था। मैंने देखा, देश के लगभग सभी राज्यों के सभी वर्गों, धर्मों और जातियों के लोग मौजूद थे, लेकिन उनके बीच अगर मुझे कुछ दिख रहा था तो वो था भारतीयता का एक ऐसा भाव, जिसको मैं सर्वत्र महसूस करता हूं। कुछ मेडिकल कॉलेज के स्टूडेंट, तो कहीं नवविवाहित युगल, कही बुजुर्ग माता-पिता तुल्य अतिथि तो कहीं वो बच्चे, जिनकी आंखों में उनके भविष्य का असीम संसार छलक रहा था। पूरे माहौल में जोश इतना था कि शरीर में सिहरन-सी दौड़ रही थी, शरीर का रोम-रोम स्पन्दित हो रहा था और एक गीत की वो पंक्ति बार-बार याद आ रही थी कि सच ही कहा गया है *एक बार इस देश पर मरना सौ जन्मों के समान है....।* उरूर जाइए इस सीमा दर्शन के लिए आप स्वयं ही नहीं बल्कि परिवार और जानने वालों को भी साथ ले कर जाएं और जीवन पर्यन्त स्मरण रखने वाले अनुभव द्वारा अपने जीवन को सिंचित करके आएं।

अदावत

श्री विपिन पवार

उस दिन वह नागपुर के शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल के बाह्य रुग्ण विभाग से बाहर निकल रहा था तो कमरा नंबर बाईस के सामने लगी कतार को देखकर वहीं रुक गया। वह आया तो था अपने दोस्त सेवानिवृत्त आयकर आयुक्त चौहान को देखने के लिए, लेकिन जब लगभग पच्चीस-छब्बीस साल के कुछ जवानों को नौकरी के लिए होने वाले अनिवार्य मेडिकल परीक्षण की कतार में खड़े देखा, तो वह तैंतीस साल पीछे चला गया।

इसी अस्पताल की बाईस नंबर की वही खिड़की। अस्सी के दशक का उत्तरार्द्ध। उसका चयन भारत सरकार के आयकर विभाग में कर सहायक के पद पर हुआ था और वह नर्मदा तट पर बसे उसके कस्बे होशंगाबाद से तहसीलदार गुल्हारे जी बताते थे, ''बहुत बड़ा शहर है। काफी सुविधाएं है वहां पर। बड़ी भीड़-भाड़ रहती है संभलकर जाना, किसी से ज्यादा बात मत करना। पैसा तो अंटी में छिपाकर ही रखना।''

अब्बा ने एक दिन के हिसाब से सिर्फ पचास रुपए ही दिए थे। आयकर विभाग के सेवानिवृत्त कर्मचारी होने के नाते वे सब जानते हैं, ऐसा उनका मानना था। जब उसने और पैसों की मांग की तो उन्होंने कह दिया कि मेडिकल में एक दिन से ज्यादा समय नहीं लगता। उसने बड़ी हाय तौबा मचाई। यहां तक कह दिया कि वह नागपुर नहीं जाएगा, लेकिन कंजूस बाप के कान पर जूं तक न रेंगी।

बेंच पर उसकी बाईं ओर गांव का एक लड़का बैठा हुआ था, सीधा-सादा-सा। वह किसी से ज्यादा बात नहीं कर रहा था। गोरा रंग, बिलकुल साधारण से कपड़े, बड़ी-सी चोटी, कलाई पर लाल-पीले रंग का कलावा, टूटी-सी चप्पलें और एक झोला। हाल ही में वह लघुशंका का समाधान कर लौटा था। लिहाजा, जनेऊ अभी भी कान में ही लिपटा हुआ था। बात करने पर पता चला कि वह पश्चिम बंगाल के चौबीस परगना जिले के एक गांव से आया है नाम है सौरभ भट्टाचार्य। दाईं ओर जो लड़का बैठा हुआ था, औसत कद, गेहुंआ रंग, कृशकाय शरीर, कंधे तक झूलते कवियों से बेतरतीब बाल, नीचे की ओर झुकी हुई मूंछें, ऊपरी होंठ पर दोनों मूंछों के बीच आवश्यकता से अधिक रिक्त स्थान जैसा कि चीनियों या मंगोलों में होता है, बड़े-बड़े लंबे बदबूदार दांत। वह दिन भर से देख रहा था कि यह लड़का पूरे दिन बकर-बकर किए जा रहा था। चुप रहने का नाम ही नहीं लेता था। उसकी आवाज भी आवश्यकता से अधिक तेज एवं तीखी थी।

बाईं हथेली की गद्दी पर दाएं हाथ के अंगूठे से चूना मिलाकर रगड-रगड़ कर बनाई जाने वाली खैनी / तंबाकू की चुटकी जहां दो अनजान, अपरिचित लोगों के बीच मित्रता का रास्ता साफ करती है, वहीं व्यक्ति को अनजान खैनीधारी के सामने हाथ फैलाने को विवश भी कर देती है। दाईं ओर का लड़का बार-बार खैनी खाता था। इस बार जैसे ही उसने खैनी की पुड़िया निकाली, भट्टाचार्य ने अपना हाथ आगे कर दिया। एक बिहारी लड़का अपनी जगह से उठकर आया और हाथ आगे फैलाता हुआ बोला ''तनिक चैतन्य चूर्ण हमें भी दिया जाए।'' घुंघराले बाल, गौर वर्ण, करीने से कटी हुई मूंछें, सफाचट दाढ़ी और काली मोटी फ्रेम का चश्मा इस बिहारी युवक का नाम था मदन कुमार। अब तक उसने खैनी खाना शुरू नहीं किया था।

सभी युवा कर सहायक की लिखित एवं मौखिक परीक्षा पास करने के बाद अनिवार्य मेडिकल परीक्षण हेतु नागपुर आए थे। दोपहर को जब मेडिकल कॉलेज की कैंटीन में सब लोग खाना खा रहे थे तो उसे पता चला कि दाईं ओर वाले लड़के का नाम शत्रुघ्न है। वह कानपुर का रहने वाला है, लेकिन उसका अधिकांश समय लखनऊ में ही बीता है। पत्नी भी मद्रास में किसी कॉर्पोरेशन की नौकरी में है और वह भी मद्रास में कहीं नौकरी करता है। तीनों उससे उम्र में बड़े थे, शादीशुदा भी थे एवं कहीं न कहीं काम करते थे। केंद्रीय सरकार के आयकर जैसे विभाग में नौकरी पाने की खुशी एवं सुकून के भाव सबके चेहरे पर देखे जा सकते थे।

जब चार बजने को आए तो ऑफिस का चपरासी वहां पर आया, जहां हम सब बैठे मेडिकल रिपोर्ट का इंतजार कर रहे थे। उसने बताया कि हम लोगों की मेडिकल रिपोर्टें आ गई थीं। बीस-बीस रुपए जमा कर ऑफिस से ले लीजिए। हम सब लगभग दौड़ते हुए ऑफिस की ओर भागे। तभी उसका ध्यान उन दो लड़कियों की तरफ गया जो सामने की बेंच पर बैठी हुई थीं। जब वे दोनों भी उठकर हमारे पीछे-पीछे आने लगीं तब पता चला कि वे भी कर सहायक के रूप में चयनित थीं, लेकिन महिला होने के कारण उनका मेडिकल दूसरी ओपीडी में हुआ था। दोनों विवाहित थीं- श्रीमती निशा त्रिपाठी और श्रीमती सुमन मुदलियार। सभी ने बीस-बीस रुपए चपरासी के हाथ में पकड़ा दिए। उसने नहीं दिए, क्योंकि उसकी जेब में सिर्फ तीस रुपए शेष थे, लेकिन मूल बात यह थी कि वह अपनी नौकरी की शुरुआत रिश्वत से नहीं करना चाहता था। उसके दादाजी अंग्रेजों के जमाने में पुलिस में सब इंस्पेक्टर थे। दादी उसे बताती थी कि उन्होंने अपनी जिंदगी में कभी रिश्वत नहीं ली थी, इसलिए हम लोग गरीब के गरीब रह गए, लेकिन उनकी जो इज्जत थी, वैसी इज्जत अंग्रेज किसी भारतीय

पुलिस अधिकारी को भी नहीं देते थे।

खैर, उसे सभी ने बहुत समझाया कि दे दो यार, बीस रुपए ही तो मांगे जा रहे हैं। उसने कहा, ''मेरे पास सिर्फ तीस रुपए ही हैं। दस रुपए में घर कैसे जाऊंगा?''

शत्रुघ्न ने तपाक से कहा, ''ये ले पचास रुपए। बस, खुश रह। तुरंत बीस का पत्ता चपरासी के सामने फेंक दे।'' सुमन ने भी बहुत समझाया। प्रकाश जैन भी कहने लगा कि दे दो न यार। फिर उसने कहा ''बात पैसों की नहीं है, भाई। तुम लोग समझते क्यों नहीं?'' उसूल भी कोई चीज होते हैं कि नहीं? उसने सुना कि निशा सुमन से कह रही थी, ''अभी इस लड़के की कच्ची उमर है। जिंदगी का कोई तर्जुबा नहीं है। जब ठोकरें खाएगा तो सब कुछ अपने आप समझ में आ जाएगा।''

सब लोग अपनी-अपनी रिपोर्ट लेने के लिए जल्दी मचाते हुए भीड़ लगाने लगे तो बड़े बाबू ने डांटकर कहा, ''ये क्या मछली बाजार बना रखा है? चलो, निकलो बाहर। मैं एक-एक का नाम लेता जाऊंगा। आकर अपनी रिपोर्ट ले लेना।
श्रीमती सुमन मुदलियार
श्रीमती निशा त्रिपाठी
प्रकाश जैन
सौरभ भट्टाचार्य''
उसके कान अपना नाम सुनने के लिए बेताब थे।
''मदन कुमार शत्रुघ्न''

अब उसका सारा शरीर कानों में तब्दील हो चुका था। कान बहरे भी हो जाएं तब भी वह शरीर के किसी भी अंग से आसानी से सुन सकता था। चिंता की कोई बात नहीं थी क्योंकि मेडिकल के लिए सात ही लोग तो आए थे। अब तो उसका ही नाम पुकारा जाएगा। लेकिन उसका नाम नहीं पुकारा गया। उसका कलेजा धक-से रह गया। गला सूख गया। उसे सबकी निगाहें अपने चेहरे पर चुभती-सी लगीं। शत्रुघ्न उसके पास आया, उसके कंधे पर हाथ रखा और कहा कि, ''सत्यवादी हरिश्चंद्र, कोई बात नहीं। अंदर जाओ। बड़े बाबू से बात कर लो।''

''सर, मेरा नाम आपने नहीं पुकारा।'' उसने हकलाते हुए कहा।

बड़े बाबू ने मोटे शीशे की ऐनक को सिर पर चढ़ाते हुए कहा, ''क्या नाम है तुम्हारा?''
''मो ज़ावेद खान।'' उसने थूक निगलकर सूखे गले को तर करने की कोशिश की।
''तुम्हारा मेडिकल सर्टिफिकेट तो नहीं आया।''
''नहीं आया ! क्यों?'' वह लगभग रुआंसा हो गया था।
''मुझे क्या मालूम?''
''तो किसे मालूम है?'' उसकी आवाज कांप रही थी।
''डॉक्टर से पूछो। अब कल आना। अस्पताल तो कब का बंद हो चुका है।''
उसने डरते-डरते कहा, ''मैंने चपरासी को बीस रुपए नहीं दिए थे। कहीं इसलिए तो आप मुझे मेरा मेडिकल सर्टिफिकेट नहीं दे रहे हैं।''
''बीस रुपए'' बड़े बाबू ने चौंकने का ऐसा अभिनय किया, जैसे उन्हें कुछ मालूम ही न हो।
''मुझे वह सब नहीं पता। हमारे अस्पताल में भ्रष्टाचार नहीं होता।'' कहते हुए उन्होंने अपनी उंगली के इशारे से उसे वह पोस्टर दिखा दिया जिस पर लिखा था कि रिश्वत देना और लेना, दोनों पाप हैं।

जेब में कुल जमा बीस रुपए। भूख जोरों से लग आई थी। क्या खाऊंगा? कहां रहूंगा? सोच-सोचकर दिल बैठा जा रहा था। जुलाई का महीना। एक होटल में गया। राईस प्लेट-बीस रुपए। दस रुपए ही बचेंगे। लौट आया मेडिकल कॉलेज के सामने। एक केले वाला जा रहा था। छह रुपए के छह केले ले लिए। अखबार बिछाकर फुटपाथ पर ही सो गया। रात में धुआंधार बारिश शुरू हुई तो बुरी तरह से भीग गया। बैग के अंदर रखे कपड़े, प्रमाण पत्र आदि भी भीग गए, क्योंकि सस्ता-सा बैग वॉटर-प्रूफ तो था नहीं। मेनगेट पर ठिठुरता-सा खड़ा था कि वॉचमैन को तरस आ गया। उसने उसे अपनी गुमठी में पनाह दे दी। अम्मी हमेशा कहती रहती थीं, ''अल्लाह ताला किसी न किसी फरिश्ते को भेज ही देता है हमारी मदद के लिए बस, उसे सच्चे दिल से पुकारने की जरूरत होती है।''

रात बारह बजे तक गर्मी एवं उमस के मारे बदन के कपड़े तो कुछ सूख से गए थे, लेकिन भारी तनाव एवं फिक्र के कारण माथा फटा जा रहा था, लिहाजा नींद कहां से आती? सारी रात आंखों-आंखों में ही गुजर गई। वॉचमैन ने अपनी गुमठी में उसे अपने साथ सुलाने का किराया वसूल कर लिया था। दस बजे वह भूखा-प्यासा एवं थका-हरा मेडिकल कॉलेज के ऑफिस में पहुंचा तो वहां कोई भी नहीं था। केवल वही चपरासी था जो सबसे बीस-बीस रुपए मांग रहा था। उसने जब चपरासी से पूछा कि बड़े बाबू कब आएंगे, तो उसने तंबाकू की पीक मुंह में रखे-रखे होंठ गोल बनाकर बड़ी मुश्किल से ही जवाब दिया, ''क्या मैं तेरे बाप का नौकर हूं, जो तू मुझसे पूछ रहा है?'' उसकी सुबह करेले-सी कड़वी हो गई। उसे समझ में आ गया कि यह बीस रुपए न देने से उपजी कड़वाहट है। वह दोपहर तक यहां से वहां चक्कर लगाता रहा। कभी लैब में जाता, कभी आंख वाले डॉक्टर के पास जाता, कभी सर्जन के पास जाता, कभी फिजीशियन के पास जाता, कभी एक्स-रे वाले के पास जाता, कभी बड़े बाबू के पास जाता। कल तक जो उसके साथ थे, वे सब अपना-अपना फिटनेस प्रमाण पत्र लेकर जा चुके थे। कोई कहता, तुम्हारी आंख में मोतियाबिंद होगा; कोई कहता, ट्टी-पेशाब में कुछ निकल आया होगा; कोई कहता, टीबी होगी; कोई कहता, अंडकोषों में पानी भर गया होगा। पेट में अन्न का दाना नहीं उपर से बार-बार लग रहा था कि यह नौकरी तो हाथ से गई। यह सोचते ही उसका सिर तेजी से घूम गया और आंखों के आगे अंधेरा छा गया। वह धड़ाम-से जमीन पर गिर पड़ा। बस, इतना ही उसे याद है।

जब आंख खुली तो रात का समय था। उसे यह समझ में ही नहीं आया कि वह कहां पर हैं? उसकी आंख खुलते ही नर्स, जो पड़ोस के रोगी को इंजेक्शन लगा रही थी, इंजेक्शन लगाकर उसके पास आई और कहने लगी ''अब कैसा महसूस कर रहे हो?'' वह हल्के-से मुस्कुरा दिया। खत्म हो चुकी ग्लूकोज की बोतल को निकालते हुए नर्स चिल्लाइ ''रामावतार स्टाफ, जरा डॉक्टर सक्सेना को खबर कर दो कि 12 नंबर को होश आ गया है।''

करीब घंटे भर बाद वार्ड ब्वॉय रामावतार आया और कहने लगा ''सिस्टर, डॉक्टर साहब ने कहा है कि जब 12 नंबर को ठीक लगे तो उनके पास भेज देना।''

सिस्टर ने मुझसे कहा कुछ नहीं, सिर्फ मेरी ओर देखा, जैसे कह रही हो कि 'सुन लिया न तुमने?' जैसे-तैसे वह उठा और डॉक्टर्स ड्यूटी रूम की ओर चल पड़ा। इस अस्पताल में आने के बाद उसके साथ जो कुछ भी हुआ था, वह जानकर डॉ. सक्सेना का दिल पसीज गया। उन्होंने कहा कि यह लो दस रुपए, पहले जाकर कुछ खा-पी लो, तब तक मैं तुम्हारे मामले को देखता हूं। उतने में रामावतार ने किसी काम से डॉक्टर्स ड्यूटी रूम में प्रवेश किया और उसने डॉ साहब को उसे दस रुपए देते हुए देख लिया था। वह ब्रेड के चार स्लाइस और ऑमलेट लेकर खाने की मेज की ओर चला गया। थोड़ी देर बाद रामावतार कैंटीन में आया और उसे देखते ही सीधा उसके पास आकर बोला ''ये डॉक्टर सक्सेना बड़ा कंजूस है। किसी को कभी कुछ नहीं देता। दुष्ट तो परले दर्जे का है। तीन साल पहले उसका बेटा मोटर साइकिल दुर्घटना में नहीं रहा। तुम्हारी ही उमर का था। शायद इसलिए तुम्हें पैसे दे दिए हैं।''

पेट में कुछ गया तो थोड़ी राहत महसूस हुई। वह डॉक्टर सक्सेना के कमरे की ओर चल पड़ा। इजाजत लेकर जब वह अंदर गया तो उन्होंने उसे अपने सामने पड़ी कुर्सी पर बैठने का इशारा किया। वे कुछ कागजात उलट-पलट रहे थे। उसने देखा कि उनके कागजात में लैब की रिपोर्ट है, एक्सरे है। गर्दन को उचकाकर जब तक वह कुछ देखने की कोशिश करता, उन्होंने रिपोर्ट की फाइल को बंद करते हुए उससे कहा ''क्या कभी तुम्हारा कोई ऑपरेशन हुआ है?''
''जी नहीं''
''क्या तुमने मेडिकल के दौरान कोई बात छिपाई है?''
''जी... जी हां''
''क्या?'' डॉक्टर सक्सेना चौंक गए।
''यही कि मेरे सामने के दो दांत नकली है। कॉलेज में हॉकी खेलते वक्त गेंद सीधे मुंह पर लगी थी। फिर दांत तो वापस उगने से रहे, तो डॉक्टर ने दो नकली दांतों का सेट लगा दिया था।'' यह कहकर उससे अपने दोनों नकली दांत निकाल कर अपनी हथेली पर रखे और डॉक्टर को दिखा दिए। डॉक्टर सक्सेना जोर से हँस पड़े। शायद तीन साल में पहली बार हँसे थे। ''बच्चे, तुम बहुत भोले हो। तुम बिलकुल फिट हो। कल दस बजे अपना फिटनेस सर्टिफिकेट ले जाना और हां, एक बात सुनो। बहाव के खिलाफ तैरना बड़ा मुश्किल होता है। देखो यदि तैर पाओ तो।''

''लेकिन डॉक्टर साहब, मुझे तो तैरना ही नहीं आता।'' उसकी समझ में ही नहीं आया कि मेडिकल और तैरने का आपस में क्या रिश्ता है?

इस बार डॉक्टर का ठहाका सुनकर रामावतार और सिस्टर, दोनों अंदर आ गए और ताज्जुब एवं खुशी से उनके चेहरे की ओर देखने लगे। ''आएगी, आएगी। एक दिन तुम्हें मेरी बात समझ में आ जाएगी।'' डॉक्टर ने उसकी आंखों में देखते हुए कहा।

दूसरे दिन उसे बड़े बाबू के पास से फिटनेस सर्टिफिकेट मिल गया, लेकिन उन्होंने उसे देने में शाम कर दी। जब वह सर्टिफिकेट लेकर बाहर निकला तो चलते-चलते ही सर्टिफिकेट देखने लगा। अचानक उसकी टक्कर किसी से हो गई। उसी बीस रुपए वाले चपरासी से। वह हड़बड़ा गया। चपरासी ने जब उसके हाथ में सर्टिफिकेट देखा तो कहने लगा। ''मिल गया? कैसे पटाया डाक्टर को? साले ने पूरा खेल खराब कर दिया।'' उसने गुस्से से उसकी ओर देखा और बिना कोई जवाब दिए डॉ. सक्सेना की मेज पर सर्टिफिकेट रखा तो उसकी आंखें नम हो आई वह रूँधे गले से इतना ही कह पाया ''डॉक्टर साहब, बहुत शुक्रिया। बड़ी मेहरबानी आपकी। आपने मेरी नौकरी बचा ली।'' ''जाओ खुश रहो। बस, याद रखना मुझे।'' डॉक्टर की आंखों में प्यार उतर आया।

चौथे दिन जब वह नागपुर के जापानी गार्डन के पास बने आयकर भवन में पहुंचा, तो उसे पता चला कि सबकी पोस्टिंग हो चुकी है। सुमन की पोस्टिंग अकोला में हुई थी क्योंकि वहां वह पहले से ही तदर्थ आधार पर कार्यरत थी। उसे चंद्रपुर में पोस्टिंग दी गई। बाकी सभी नागपुर मुख्यालय में पोस्ट कर दिए गए थे। शत्रुघ्न, सौरभ, मदन, प्रकाश आदि सभी से उसकी अच्छी दोस्ती हो गई थी। उसकी जेब पूरी तरह से खाली थी। उसने शत्रुघ्न को अपने सबसे निकट पाया, तो उसी से पैसे मांग लिए। शत्रुघ्न ने तुरंत सौ रुपए निकाल कर उसे दे दिए। आगे-पीछे कुछ भी नहीं सोचा। चंद्रपुर में कर सहायक के रूप में अपना पदभार ग्रहण करने के दो माह बाद उसे सरकारी काम से मुख्यालय नागपुर भेजा गया। अपने आप नहीं भेजा गया, उसने ही कार्यालय अधीक्षक शर्मा जी से अनुरोध किया था और बता दिया था कि उसे डॉ सक्सेना के लिए मिठाई ले जानी है और शत्रुघ्न के पैसे वापस करने हैं। पहुंचते ही शत्रुघ्न ने उसको चाय पिलाई और जब उसने सौ का पत्ता अपनी जेब से निकाला और शत्रुघ्न की ओर बढ़ाया ही था कि शत्रुघ्न कहने लगा कि ''पैसे तो मैं वापस नहीं लूंगा। ऐसा करो, सबको मिठाई खिला दो।''

दोपहर को वह एक अच्छा-सा पेन और मिठाई का डिब्बा लेकर डॉक्टर सक्सेना के पास पहुंचा। डॉक्टर सक्सेना ने उसे देखा तो सीधे अपने पास बुला लिया। पेन तो नहीं लिया और कहा कि मिठाई सारे स्टॉफ को खिला दो।

''सर, पहले आप तो लीजिए न'' उसने बड़ी आजिजी से कहा। डॉ साहब ने चने के दाने बराबर मिठाई का टुकड़ा तोड़कर मुंह के हवाले किया। उसे बाद में पता चला था कि डॉ. साहब शूगर के मरीज थे।

चंद्रपुर में वह लगभग एक साल रहा। इस एक साल में उसे अपने विभाग की सारी बारीकियां एवं जटिलताएं समझ में आ गई। आयकर निरीक्षक त्रिपाठी जी से उसकी खूब बनती थी। वे समय-समय पर उसको काम सिखाते रहते थे। रेड पर भी साथ ले जाते थे। त्रिपाठी जी ने पेपर वर्क में तो उसे मास्टर बना दिया था। एक साल बाद उसी पद पर उसका स्थानांतरण अकोला हो गया। विभाग में रिजर्व पदों का काफी लंबे

समय से बैक लॉग चला आ रहा था। मंत्रालय से आदेश आया कि रिजर्व कैटेगरी में जितने भी पद खाली हैं, उन्हें तत्काल भरा जाए। एक अभियान चलाया गया और सारे रिजर्व पद भर दिए गए। मंत्रालय स्तर पर निगरानी रखी जा रही थी तो यह काम बहुत ही तेजी से हुआ। तीन साल में ही शत्रुघ्न को वरिष्ठ कर सहायक के रूप में मुख्यालय में ही पदोन्नति मिल गई।

जब जनरल कैटेगरी के सभी कर सहायकों की पदोन्नति हुई, तो पांच साल बाद वह भी सबके साथ वरिष्ठ कर सहायक बन गया, लेकिन उसे अकोला छोड़ना था क्योंकि अकोला में श्रीमती सुमन मुदलियार को पदोन्नति दी गई और उसका तबादला चंद्रपुर कर दिया गया था। वह नहीं गया तो नागपुर के लिए उसका आदेश निकाल दिया गया, लेकिन अब उसकी शादी हो चुकी थी और वह अकोला में ही रहना चाहता था। पत्नी अकोला की ही थी। उसने अकोला में ही पदोन्नति पाने के बहुत प्रयास किए, लेकिन उसे बाद में पता चला कि महिला कर्मचारी के सामने उसकी दाल नहीं गल सकती। मुख्यालय के सभी कर सहायकों को नागपुर में ही विभिन्न कार्यालयों में पदोन्नति दी गई, किसी को भी नागपुर नहीं छोड़ना पड़ा। हां, दो लोग जरूर नागपुर से गए। एक मदन कुमार बॉटम सीनियॉरिटी पर अपने घर पटना चला गया और दूसरा प्रकाश जैन तबादले पर चंद्रपुर चला गया। अब उसके सारे साथी वरिष्ठ हो चुके थे। दो-दो बार पदोन्नति पर स्थानांतरण से इंकार करने के कारण वह वरीयता के क्रम में बहुत पिछड़ गया था। इसका परिणाम यह हुआ कि उधर जब सहायक आयुक्त पद के चयन के लिए विभागीय परीक्षा के पात्र कर्मचारियों की सूची निकली तो उसमें जूनियर होने के कारण उसका नाम नहीं था। रिजर्व कैटेगरी का होने के कारण शत्रुघ्न बिना आयकर निरीक्षक बने सीधा सहायक आयकर आयुक्त के रिजर्व पद पर पहुंच गया, जबकि बाकी लोग निरीक्षक ही रहे और वह तो वरिष्ठ सहायक ही था। बाद में, जब तीसरी बार उसकी पदोन्नति वरिष्ठ कर सहायक के रूप में हुई और अमरावती तबादला हो गया तो उसने शत्रुघ्न से विचार-विमर्श किया, उस समय शत्रुघ्न सहायक आयकर आयुक्त (प्रशासन) था। व उससे तीन ग्रेड ऊपर था। साथ ही वह अराजपत्रित कर्मचारी था तो शत्रुघ्न राजपत्रित अधिकारी था। शत्रुघ्न की सलाह पर वह अपने पूरे परिवार को लेकर अमरावती चला आया। अब उसके शत्रुघ्न के साथ पारिवारिक संबंध स्थापित हो चुके थे, शत्रुघ्न जब भी दौरे पर अमरावती आता, तो वह अपने सारे कर्मचारियों के साथ उसकी अगवानी के लिए रेलवे स्टेशन या एयरपोर्ट पर हाजिर हो जाता था क्योंकि उसका मानना था कि दोस्ती अपनी जगह है और सरकारी प्रोटोकॉल अपनी जगह। जब शत्रुघ्न अपने परिवार के साथ दौरे पर आता था तो सरकारी कार्यालयों के चापलूसी भरे शिष्टाचार के कारण वह उसकी पत्नी तथा दोनों बेटों को खूब तवज्जो दिया करता था। तीज-त्यौहारों पर अपनी पत्नी एवं दोनों बेटों के साथ उसके बंगले पर नागपुर भी जाता था। उसे लगता था कि उसके खयालात एवं उसकी रुचियां शत्रुघ्न से कितनी मिलती हैं। पूरे विभाग में दोनों की छवि कड़ी मेहनत करने वाले होशियार कर्मचारियों के रूप में थी। कोई भी जिम्मेदारी भरा या गोपनीय काम दोनों को ही सौंपा जाता था। मित्रता धीरे-धीरे रिश्ते में बदलने लगी और वह उसे अपना बड़ा भाई मानने लगा। संबोधन तो खैर शुरू से 'भाई' ही था।

शत्रुघ्न जब काम करता था, तो सब कुछ भूल जाता था। आराम खाना-पीना, सुस्ताना, सब कुछ। बस चाय और पत्ती पास में होनी चाहिए। पत्ती यानि मदन कुमार का 'चैतन्य चूर्ण' और चाय? कितने कप, गिनना मना था। तबियत पर बुरा असर तो पड़ना ही था लेकिन तब तक नहीं पड़ा जब तक वह आयकर भवन, नागपुर में रहा। शत्रुघ्न शुरू से ही अति महत्त्वाकांक्षी था। अति महत्त्वाकांक्षा के कारण कभी-कभी व्यक्ति में कुटिलता एवं बदला लेने की भावना का उदय होने लगता है, लेकिन ऐसा कोई अनुभव उसे अब तक नहीं हुआ था। शत्रुघ्न ग्रुप 'बी' जूनियर स्केल का अधिकारी था। एक दिन उसे पता चला कि वह नागपुर में ही राष्ट्रीय प्रत्यक्ष कर अकादमी (एनएडीटी) में आयकर उपायुक्त के सीनियर स्केल के पद पर प्रतिनियुक्ति पर चला गया वहां उसका पदनाम प्राध्यापक था। शिक्षण भत्ता अलग से मिलता था। कुछ बातों में वह कमाल की गोपनीयता बरतता था। कहता भी था कि मैं जो कहता हूं, वह कभी नहीं करता और जो करता हूं, उसके बारे में कभी नहीं कहता। उसे बहुत बुरा लगा था, क्योंकि शत्रुघ्न ने यह बात उससे भी छिपाई थी। खैर, समय का चक्र तो अपनी गति से घूमता ही रहता है, बाद में पता चला कि उसने यह बात भी सबसे छिपाई थी कि वह शूगर का मरीज है। बाद में तो यह भी पता चला कि वह एक अवैध संतान है। उसके बाप का कुछ पता-ठिकाना नहीं। जितने मुंह, उतनी बातें। अकादमी की कार्यप्रणाली बिलकुल अलग थी। पढ़ाने के साथ ही संपूर्ण प्रशासनिक कार्य भी करने पड़ते थे। शत्रुघ्न और उसकी, दोनों की आदत थी कि किसी भी कार्य को अपनी संपूर्ण उत्कृष्टता के साथ पूरा करते थे। कहीं कोई कमी न रह जाए कोई समझौता नहीं। यह सनक भरी आदत, काम का तनाव, शूगर की बीमारी, पारिवारिक उलझनें, नया वातावरण, नई कार्यप्रणाली हाड़-मांस का शरीर कब तक झेल पाता? एक दिन शत्रुघ्न को जबर्दस्त हार्ट अटैक आया। अमरावती से जब तक वह पहुंचता, तब तक ओपन हार्ट सर्जरी शुरू हो चुकी थी। अस्पताल में मरीज के साथ केवल एक व्यक्ति ही रह सकता था। दिन में भाभी रहती तो रात में वह। एक रात नीम बेहोशी की हालत में शत्रुघ्न बिना उसे जगाए शौच के लिए उठा और शौचालय में धड़ाम-से गिरकर बेहोश हो गया। विष्ठा में लिथड़े शत्रुघ्न को बड़ी मुश्किल से बचाया जा सका था। इस दौरान उसने शत्रुघ्न की तीमारदारी में कोई कसर नहीं रहने दी। उसे ठीक होकर ड्यूटी पर आने में करीब चार महीने का समय लग गया। प्रतिनियुक्ति की अवधि होती तो पांच साल है, लेकिन पता नहीं शत्रुघ्न एनएडीटी में नौ साल कैसे टिक गया?

अपने नियंत्रक अधिकारी आयकर उपायुक्त पीटर परेरा के कहने पर उसने आईएएस की परीक्षा की तैयारी प्रारंभ कर दी। दो साल की कड़ी मेहनत के बाद यूपीएससी

से लिखित परीक्षा और इंटरव्यू में सफलता पाकर वह भी पैंतीस साल की उम्र में डायरेक्ट क्लास वन अधिकारी बन गया और उसका सौभाग्य कि उसे भारतीय राजस्व सेवा ही आवंटित की गई। खुशी बमुश्किल इक्का-दुक्का लोगों को ही हुई। पीटर परेरा उनमें से एक था। हालांकि बधाइयों का तांता लग गया। दिल से दी जा रही बधाई एवं औपचारिक रूप से ही दी जा रही बधाई का फर्क तो आसानी से पहचाना जा सकता है। खास खुशी तो उसके परिवार के सदस्यों को भी नहीं हुई थी। औपचारिकता भी नहीं निभाई तो केवल दो लोगों ने। एक शत्रुघ्न ने एवं दूसरे सौरभ भट्टाचार्य ने। नौकरी के शेष साल उसे ईर्ष्या के दावानल की तपन में ही काटने पड़े।

प्रशिक्षण के बाद उसकी पोस्टिंग नागपुर मुख्यालय में हो गई। शत्रुघ्न ने उसे फोन पर कहा कि यहां पोस्टिंग मत लेना कहीं और अपनी पोस्टिंग करा लो। उसे लगा, यह एक मित्र की सलाह है, लेकिन बाद में पता चला कि यह तो एक शत्रु की चेतावनी थी। उसके एक अभिन्न मित्र एवं पूर्व सहकर्मी काटेकर ने जो अब उसका अधीनस्थ बनने वाला था, भी स्पष्ट कर दिया था कि यार, तू यहां मत आना। इस कथन के मूल में छिपी ईर्ष्या को उस समय वह ताड़ नहीं पाया था। बाद में काटेकर शत्रुघ्न के गिरोह में शामिल हो गया। अगला प्रमोशन भी उसे नागपुर में ही मिल गया। विभागीय अधिकारी होने के कारण किसी तरह घिसटते-घिसटते शत्रुघ्न भी आखिर उपायुक्त बन ही गया और उसे पिछले दरवाजे से प्रवेश कराकर क्लास वन का स्टेटस दे दिया गया। अब वह संयुक्त आयुक्त बनने के सपने देखने लगा क्योंकि तब तक उसकी पोस्टिंग भी नागपुर में ही संयुक्त आयुक्त के रूप में हो चुकी थी। अब शत्रुघ्न उसका अधीनस्थ अधिकारी था। उसने सीधे-सीधे शत्रुघ्न की अधीनता में कभी काम नहीं किया था, क्योंकि शत्रुघ्न हमेशा मुख्यालय में ही रहा और वह फील्ड में, लेकिन फील्ड में दो शख्सियतें ऐसी थीं जिनकी अधीनता में वह काम कर चुका था। एक सौरभ भट्टाचार्य और दूसरी महिला अधिकारी श्रीमती दुर्गाबेन सोलंकी। दोनों अधिकारियों के अधीन काम करने वाले कर्मचारी कभी मेरे सहकर्मी हुआ करते थे। उनमें से एक-दो ने उसे बताया था कि दोनों तुम्हारी चिता सुलगाने के लिए तैयार बैठे हैं। चिंता की कोई बात नहीं थी क्योंकि उसने ज्वॉइन बाद में किया था, पहले अजमेर शरीफ पर जियारत कर आया था। उसे मालूम था कि दुनिया की कोई भी ताकत उसका कुछ नहीं बिगाड़ सकती। हालांकि उसका बुरा चाहने वाले सारे शत्रु, शत्रुघ्न के चेले बनकर षड्यंत्रों की चादरें बुनने में व्यस्त हो गए थे। लेकिन इन चादरों में वह दम नहीं था, जो अजमेर शरीफ पर चढ़ाई गई चादर में होता है। शत्रुघ्न में इतना नैतिक बल तो था नहीं कि खुलकर सामने आता। वह जनखा बुरका ओढ़कर खुराफातें करने लगा। उसके खिलाफ शिकायतों का अंबार लग गया आरटीआई की बाढ़ आ गई। मेरा ब्रांड कौन-सा है, वह कब, कहां, कितनी पीता है आदि पूछा जाने लगा। पूछी गई 30 साल पुरानी बात कि उसके मेडिकल में तीन दिन क्यों लग गए थे जबकि सबका मेडिकल तो एक दिन में हो गया था।

बचपन से उसकी एक कमजोरी रही है कि कोई उससे प्यार से बात कर लें, उसके सुख-दुख में शामिल हो जाए, उसकी प्रशंसा कर दे, तो वह उसका दीवाना हो जाता था वह यह नहीं सोचता था कि वह उससे प्यार से बात तो करता है, उसके सुख में शामिल भी होता है, लेकिन दु:ख में गायब हो जाता है, सहायता के नाम पर बहाने बनाने लगता है अपनी तो कुछ बताता नहीं लेकिन उसके पेट के कोने-कोने में घुसकर एक-एक बात निकलवा लेता है। वह निकलवाने का प्रयास न भी करें तो वह भावनाओं में बहकर उसे वह सब कुछ बता देता था, जो नहीं बताना चाहिए। उसके चरित्र की इसी कमजोरी का भरपूर फायदा शत्रुघ्न ने उठाया एवं आज भी कुछ मित्र उठा रहे हैं। उसे उनकी उपलब्धियां दूसरों से पता चलती हैं। कहते हैं कि मेहनत रंग जरूर लाती है भले ही वह अच्छाई के लिए की गई हो या बुराई के लिए। शत्रु एंड कंपनी की मेहनत रंग लाई और मेरे खिलाफ मंत्रालय से एक मामले में विभागीय जांच शुरू हो गई। जांच के परिणाम से उसका कुछ ज्यादा नुकसान तो नहीं हुआ, लेकिन वह सतर्क हो गया। जांच शुरू होने से पहले ही उसने शत्रुघ्न को उठाकर वर्धा फेंक दिया था यह उसके लिए बहुत बड़ा आघात था। वह कहता फिरता था कि तीस साल तक तो किसी माई के लाल की हिम्मत नहीं हुई कि उसे मुख्यालय से हटा दे। अब देखते जाओ वह क्या-क्या करता है? और शत्रुघ्न बहुत कुछ करता रहा लेकिन वह सीढ़ी-दर-सीढ़ी उपर चढ़ता रहा और आज वह मुख्य आयकर आयुक्त के पद पर कार्यरत हैं।

जिस दिन शत्रुघ्न वर्धा से आयकर उपायुक्त के पद से रिटायर हुआ, कहकर गया कि अब तो मेरे पास समय ही समय है और मेरे जीवन का एकमात्र उद्देश्य ज़ावेद खान के ताबूत में आखिरी कील ठोंकना है। मेरे दोनों हाथ दुआ में ऊपर उठ गए। अब वह अपने पूरे नाम एस जी वर्मा के साथ अपने घर के पते से खुराफातें करने लगा।

पता चला कि एक दिन शत्रुघ्न के बाएं हाथ में अंगूठे एवं तर्जनी में चोट लगी। चोट तो मामूली थी लेकिन शूगर की बीमारी और लापरवाही के चलते एक साल में हालत इतनी बिगड़ गई कि उसे गैंगरीन हो गया और उसके बाएं हाथ के अंगूठें एवं तर्जनी को काटकर फेंकना पड़ा, इससे पूरा पंजा बच गया। बावजूद इसके अति आत्मविश्वास एवं अपनी मुफ्त की होशियारी के कारण उसने न तो परहेज किया, न ही लगातार तंबाकू खाना छोड़ा और न ही दवाईयां लीं। लिहाजा पैरेलिसिस के जबर्दस्त अटैक में शरीर का पूरा दायां हिस्सा बेजान हो गया। कुछ साल बाद तंबाकू ने अपना गुल खिलाया। ओरल कैंसर के कारण जुबान ही काटकर फेंक देनी पड़ी।

उसे किश्तों में सारी खबरें मिलती रहीं। जुबान कटने की खबर जब उसने सुनी तो शत्रुघ्न के जिंदा लाश बन जाने पर उसके ओंठों पर एक मुस्कान उभर आई लेकिन उसके दिल से यही निकला। ''अल्लाताला! उसे माफ करना। मेरे यार को जिंदगी की कैद से आजाद कर जन्नत बख्श देना।''

उप महाप्रबंधक (राजभाषा) मध्य रेल मुख्यालय, मुंबई

गीतकार - गायक कवि प्रदीप : एक ओजस्वी स्वर

श्री अजय कुमार शर्मा

सिनेमा की शुरुआत में गायक-अभिनेताओं की माँग ज्यादा रहती थी, क्योंकि तब तक पार्श्वगायन (अभिनेता के गीत को किसी और गायक द्वारा गाया जाना) आरंभ नहीं हुआ था। अभिनेताओं को शूटिंग के दौरान स्वयं अपने गीत गाने होते थे। प्रसिद्ध गायक-अभिनेताओं में कुंदन लाल सहगल, तलत महमूद, के.सी.डे, पंकज मलिक, सुरेंद्र से लेकर अशोक कुमार तक शामिल हैं। गायिका-अभिनेत्रियों की भी सूची अच्छी-खासी लंबी है-बेगम पारा, बेगम अख्तर,जोहराबाई अम्बाले वाली, जद्दनबाई, कानन देवी, मीना कपूर, नूरजहां, सुरैया, शांता आप्टे, उमादेवी (टुनटुन) से लेकर गीता दत्त तक। लेकिन गीतकार-गायक का एक ही उदाहरण हिंदी सिनेमा में है और वह है प्रदीप का।

प्रदीप के लिखे और गाए लोकप्रिय गीतों की लंबी सूची है। देशभक्ति और धार्मिक भावनाओं से ओतप्रोत उनके गीत आज भी उतने ही लोकप्रिय हैं, जितने आज से 60-70 साल पहले थे। उनके गाए कुछ लोकप्रिय गीत-*देख तेरे संसार की हालत क्या हो गई भगवान....* (नास्तिक), *तेरे द्वार खड़ा भगवान, भगत भर ले रे झोली...* (वामन अवतार), *पिंजरे के पंछी रे...* (नागमणि), *आजो बच्चों तुम्हें दिखाएँ झाँकी हिंदुस्तान की...* (जागृति), *दूसरों का दुखड़ा दूर करने वाले... तेरे दुख...* (दशहरा), *कोई लाख करे चतुराई...* (चंडी पूजा), *हमने जग की अजब तस्वीर देखी...* (सतीअनसूया), *मुखड़ा देख ले रे प्राणी...* (दो बहन), *टूट गई माला मोती बिखर चले...*(हरिश्चंद्र तारामती)।

कवि प्रदीप की सबसे बड़ी पहचान है, उनके द्वारा लिखा गीत *'ऐ मेरे वतन के लोगों जरा आँख में भर लो पानी...'* यह गीत भारत-चीन युद्ध में शहीद हुए सैनिकों को श्रद्धांजलि देने के लिए लिखा गया था, जिसे 26 जनवरी 1963 को दिल्ली के रामलीला मैदान में देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू की उपस्थिति में सुर साम्राज्ञी लता मंगेशकर ने गाया था। यह गीत सुनकर नेहरू जी की भी आँखें नम हो गई थीं। उन्होंने गीत के लेखक से मिलने की इच्छा जाहिर की। प्रदीप तब वहाँ नहीं थे। कुछ दिनों बाद जब नेहरू जी बंबई गए तो उन्हें प्रदीप जी से मिलवाया गया। नेहरू जी यह जानकर खुश हुए कि *चल-चल रे नौजवान* और *दूर हटो ऐ दुनिया वालो* गीत भी उन्हीं के द्वारा लिखे गए हैं। उन्हें यह जानकर और आश्चर्य हुआ कि प्रदीप छात्र-जीवन में इलाहाबाद में उनके घर 'आनंद भवन' के पीछे ही रहते थे। इस गीत की रिकॉर्डिंग के लिए किसी ने कोई पैसा नहीं लिया था और आज तक इसकी सारी कमाई शहीद परिवारों को दी जाती है।

प्रदीप उर्फ कवि प्रदीप का वास्तविक नाम रामचंद्र द्विवेदी था। उनका जन्म मध्यप्रदेश की धार्मिक नगरी उज्जैन के निकट बड़नगर में 6 जनवरी 1915 को हुआ था। आरंभिक शिक्षा इंदौर में हुई। इलाहाबाद से उन्होंने हाईस्कूल और इंटर कीं परीक्षाएँ उत्तीर्ण कीं। स्नातक की उपाधि उन्होंने लखनऊ विश्वविद्यालय से 1939 में प्राप्त की।

प्रदीप जी का सपना शिक्षक बनने का था। शिक्षक बनकर वह बच्चों को देश प्रेम का अमूल्य संदेश का पहुंचाना चाहते थे। इलाहाबाद में रहते हुए वे वहाँ के साहित्यिक माहौल से काफी प्रभावित थे और काव्य रचना प्रारंभ कर दी थी। धीरे-धीरे वे वहाँ की काव्य-गोष्ठियों में भाग लेने लगे और अपनी सुरीली आवाज के कारण लोकप्रिय भी होने लगे। तब के महत्त्वपूर्ण एवं प्रतिष्ठित कवि सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' ने चर्चित साहित्यिक पत्रिका 'माधुरी' के फरवरी 1938 के अंक में उन पर एक आलेख लिखा था और उनकी काव्य प्रतिभा की तारीफ की थी।



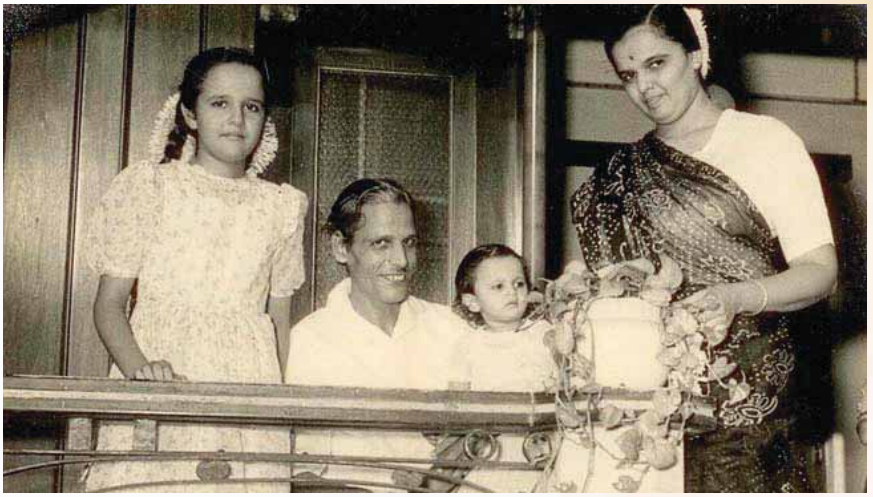
बंबई (अब मुंबई) के एक कवि सम्मेलन में एन.आर. आचार्य, जो उस समय की प्रसिद्ध फिल्म निर्माता कंपनी बांबे टॉकीज में कार्य करते थे, उनको सुनने के बाद अगले दिन उन्हें स्टूडियो के मालिक हिमांशु राय और देविका रानी से मिलवाने ले गए। उस मुलाकात में उन्होंने अपनी कुछ कविताएँ उन्हें सुनाई। इस अवसर पर वहाँ अशोक कुमार, लीला चिटनीस, निर्देशक फ्रेंज ऑस्टिन, एस. मुखर्जी एवं अमिय चक्रवर्ती भी थे। उसी समय उन्हें दो सौ रुपए की पगार पर गीतकार के रूप में रख लिया गया। बॉम्बे टॉकीज के लिए उनकी पहली फिल्म थी 'कंगन' (1939)। उसके उन्होंने चार गीत लिखे। जिनमें से तीन गीत उनकी आवाज में थे। फिल्म और प्रदीप के सभी गीत बेहद लोकप्रिय हुए। उनकी अगली फिल्म 'बंधन' में उनका लिखा गीत *चल चल रे नौजवान* इतना लोकप्रिय हुआ कि उस समय पूरे देश में कांग्रेस द्वारा होनेवाली प्रभात फेरियों में गाया जाने लगा।

इसके बाद तो प्रदीप जी के लिखे गीतों की लोकप्रियता दिन-ब-दिन बढ़ती ही चली गई। उनके गीतों की सरल और शुद्ध हिंदी लोगों को पसंद आने लगी। 'पुनर्मिलन' 'झूला', 'नया संसार', 'अनजान' और 'किस्मत' के गाने खूब

हिट रहे। इसके बाद 'फिल्मिस्तान' फिल्म कंपनी के लिए गीत लिखना शुरू किया कुछ अन्य फिल्मों के गीत उन्होंने 'मिस कमल बी.ए.' के नाम से भी लिखे। इस बीच 1942 में उन्होंने गुजराती कन्या भद्रा भट्ट से विवाह किया, जो विले पार्ले में उन्हीं के पड़ोस में रहती थी। 1950 में उन्होंने यहीं अपना घर बनवाया, जिसका नाम 'पंचामृत' रखा। इस बीच उनके परिवार में दो बेटियों का आगमन हुआ, जिनका नाम उन्होंने सरगम और मितुल रखा। उनका यह विशाल घर साहित्यिक दोस्तों का लोकप्रिय डेरा था। बाबू अमृतलाल नागर भी यहां आकर रहे।

बाद में आई उनकी फिल्में 'मशाल', 'नास्तिक', 'जागृति', 'नागिन', 'अनारकली', 'तलाक', 'पैगाम' के गीत भी खूब चर्चित रहे।

'मशाल' फिल्म में संगीत एस. डी. बर्मन का था। कवि प्रदीप के लिखे गाने *ऊपर गगन विशाल नीचे गहरा पाताल* को मन्ना डे ने अपनी आवाज से पूरे देश में लोकप्रिय बनाया। 'नास्तिक' फिल्म का संगीत सी. रामचंद्र ने दिया था। इसके गीत भी आला दर्जे के थे। विभाजन का दर्द और उसके बाद बदले देश के हालात पर भावुक होकर उन्होंने लिखा और गाया, *देख तेरे संसार की हालत क्या हो गई भगवान....कितना बदल गया इंसान....।* आजादी को पाने की खुशी में उसे संभालकर रखने की चिंता को भी उन्होंने फिल्म 'जागृति' में व्यक्त किया, *हम लाए हैं तूफान से किश्ती निकाल के...।* 'जागृति,' फिल्म में ही उन्होंने महात्मा गाँधी को बेमिसाल श्रद्धांजलि दे *दी हमें आजादी बिना खड्ग बिना ढाल, साबरमती के संत तूने कर दिया कमाल....* जैसा गीत लिखकर दी। इस फिल्म में आशा भोंसले ने बच्चों का प्यारा गीत-*चलो चलें माँ, सपनों के गाँव में* गाया था। *इंसान का इंसान से हो भाई चारा...यही पैगाम हमारा'* को कौन भूल सकता है? साहित्य अकादमी ने कवि प्रदीप की जन्म शताब्दी पर दिल्ली में एक परिसंवाद का आयोजन किया था, जिसमें उनकी बेटी मितुल प्रदीप के अतिरिक्त राजकुमार केसवानी, नरेंद्र सोज, प्रहलाद अग्रवाल, रविकांत आदि ने भाग लिया था। मितुल प्रदीप ने अपनी



ऑडियो-विजुअल प्रस्तुति में उनसे जुड़े कुछ रोचक प्रसंग बताने के साथ-साथ उनसे जुड़ी कुछ भ्रांतियों का भी निराकरण करने का प्रयास किया था। उसी कार्यक्रम के दौरान उनसे प्रदीप जी के बारे में कई महत्त्वपूर्ण बातें जानने को मिली थीं, कि जैसे उनकी दिनचर्या... ''बापू सुबह साढ़े चार-पौने पाँच बजे तक उठ जाते थे। बीबीसी रेडियो पर पौने छह बजे की हिंदी न्यूज वह प्रतिदिन अवश्य सुनते थे। सवा छह बजे उनके सामने चाय पहुँचा दी जाती थी। चाय और अखबार लेकर बापू बरामदे में आ जाते और आठ बजे तक हिंदी-अंग्रेजी के विभिन्न अखबार पढ़ते थे। गाने आदि के लिए मिलनेवाले लोगों के साथ बैठक में मिलते और तब उसका दरवाजा बंद हो जाता। थोड़ी-थोड़ी देर बाद बापू दरवाजा खोलकर हम लोगों को बताते कि कितने कप चाय अंदर पहुँचानी है। खाने के समय अक्सर माँ से दाल को लेकर उनकी मीठी नोक-झोंक होती और हम दोनों बहनें उसका खूब मजा लेतीं। बापू कहते, ''यह कैसी मीठी दाल बनाती हो? दाल तो हमारे बड़नगर में बनती है।'' गुजराती होने के कारण और मध्यप्रदेश की संस्कृति से अनजान होने के कारण माँ अक्सर चिढ़ जातीं और कह उठती, ''तो जाओ न अपनी बहन के पास तुम्हारी पसंद का खाना वही बना सकती हैं।''

''दरअसल, बापू को दाल में हींग खाने की आदत थी और मुंबई में वैसी हींग मिलती नहीं थी। इसलिए जब भी कोई बड़नगर से आता तो अपने साथ हींग जरूर लेकर आता'' कवि प्रदीप द्वारा लिखे गीतों की आखिरी हिट फिल्म 'जय संतोषी माता' (1975) थी। कम बजट की इस फिल्म के गीतों की लोकप्रियता ने उन्हें फिर घर-घर तक पहुंचा दिया था।

इसके बाद कई निर्माता-निर्देशक उनसे कई धार्मिक फिल्मों के गाने लिखाने-गवाने उनके पास आए और मुँह माँगे पैसे भी देने को तैयार रहे, किंतु स्वाभिमानी प्रदीप ने उन सबको एक ही बात कही-''ऐसी फिल्में बनाई नहीं जातीं, इत्तेफाकन बन जाती हैं। आप लोग रिस्क मत लीजिए।'' प्रदीप जी में यह स्वाभिमान प्रारंभ से ही था। वे काम के लिए लोगों के पास जाने या अपनी लेखनी से किसी भी प्रकार का समझौता पसंद नहीं करते थे। उस समय के प्रख्यात निर्देशक सोहराब मोदी फिल्म 'झाँसी की रानी' के गीत उनसे लिखवाना चाहते थे, किंतु उन्होंने जैसे ही उन्हें गीत कैसे लिखे जाने हैं, समझाने की कोशिश की, उन्होंने गीत लिखने से इनकार कर दिया।

अपने पाँच दशक के फिल्मी कैरियर में उन्होंने लगभग 1,700 गीत लिखे। बिना किसी राजनीतिक विचारधारा, और खोखली बौद्धिकता का सहारा लिए उन्होंने देशभक्ति की वाणी को सरल हिंदी में जन-जन तक पहुंचाया। वर्ष 1998 में उन्हें सिनेमा के सर्वश्रेष्ठ सम्मान दादा साहब फालके पुरस्कार से सम्मानित किया गया। 11 दिसंबर 1998 को 85 साल की उम्र में वे जीवन की अनंत यात्रा पर निकल गए, परंतु उनके अमर गीतों की यात्रा संगीत प्रेमियों के बीच आज भी निरंतर जारी है।

अपना ज्ञान टटोलें

1 **एक अनारक्षित टिकट में कितने लोगों के लिए टिकट लिया जा सकता है?**

(क) 4 (ख) 5 (ग) 6 (घ) 3

2 **भारतीय रेल के अधिकारियों के प्रशिक्षण के लिए भारतीय रेल राष्ट्रीय अकादमी कहां स्थित है?**

(क) मुंबई (ख) नागपुर (ग) अहमदाबाद (घ) वडोदरा

3 **भारतीय रेल पर पीआरएस (PRS) की फुल फॉर्म क्या है?**

(क) पैसेंजर रनिंग सिस्टम (ख) पब्लिक रिलेशन सिस्टम (ग) पैसेंजर रिजर्वेशन सिस्टम (घ) प्रीमियम रिजर्वेशन सिस्टम

4 **इनमें से किस नई ट्रेन में पहली बार नए 3एसी इकोनॉमी कोच लगाए गए?**

(क) ट्रेन सं. 02403 (प्रयागराज-जयपुर एक्सप्रेस) (ख) ट्रेन सं. 09020 (हरिद्वार-बांद्रा स्पेशल) (ग) ट्रेन सं. 02958 (नई दिल्ली-अहमदाबाद) (घ) ट्रेन सं. 12883 (अहमदाबाद-हावड़ा)

5 **उस भारतीय रेल पुल का नाम बताइए जिसकी ऊंचाई पेरिस के प्रसिद्ध एफेल टॉवर से भी ज्यादा है?**

(क) वेम्बानंद पुल (ख) बोगीबील पुल (ग) पंबन पुल (घ) चेनाब पुल

6 **भारतीय रेल की पहली महिला ट्रेन चालक का नाम बताइए?**

(क) सुश्री पायल मिश्रा (ख) सुश्री सुरेखा शंकर यादव (ग) सुश्री सुरेचा कुमारी (घ) सुश्री रेखा पांडे

7 **वर्तमान में कितने रेल राज्य मंत्री कार्यरत हैं?**

(क) 3 (ख) 2 (ग) 4 (घ) 1

8 **रेलवे संरक्षा आयुक्त किस मंत्रालय के तहत कार्य करता है?**

(क) सिविल एवियेशन (ख) रेल मंत्रालय (ग) श्रम मंत्रालय (घ) आयुष मंत्रालय

9 **क्रिकेटर एम. एस. धोनी दक्षिण पूर्व रेलवे के किस मंडल में कार्य करते थे?**

(क) रांची (ख) कोलकाता (ग) खड़गपुर (घ) पटना

10 **उस स्टेशन का नाम बताइए जहां विश्व का सबसे लंबा प्लेटफॉर्म स्थित है।**

(क) खड़गपुर (ख) गांधीनगर (ग) कोल्लम (घ) गोरखपुर

उत्तर: 1. (ख) 2. (घ) 3. (ग) 4. (क) 5. (घ) 6. (ख) 7. (घ) 8. (क) 9. (ग) 10. (घ)

प्रिय विज्ञापनदाता

रेल मंत्रालय द्वारा प्रकाशित एकमात्र मासिक हिन्दी पत्रिका

भारतीय रेल

में अपना विज्ञापन देकर लाखों उपभोक्ताओं तक अपने उत्पादों की पहुंच बनाएं

विज्ञापन दरें

(विज्ञापन चार कलर में) नीचे दी गई दरों के साथ 5 प्रतिशत की जीएसटी/आइजीएसटी प्राप्य होगी

विवरण	विशेष दर (वार्षिक अंक) (₹)	सामान्य अंक (मासिक दरें)	
		सामान्य दरें (₹)	अनुबंधित दरें (₹)
बैक कवर	13,300	11,400	10,450
सेकेण्ड कवर	12,350	10,450	9,500
थर्ड कवर	11,400	9,500	8,550
पूरा पृष्ठ (विशेष स्थिति, जैसे टेक्स्ट के बाद में)	9,500	8,550	7,600
पूरा पृष्ठ	8,550	7,600	6,650
आधा पृष्ठ	6,650	5,130	4,180
सेंटर स्प्रेड	17,000	15,000	13,300
सेंटर स्प्रेड (दो पेज इकट्ठे) (स्पेशल पोजीशन)	18,500	16,500	14,700

* तीन महीने या ज्यादा समय के लिए लगातार अथबा बारी-बारी देने पर अनुबंधित दरें लागू।

तकनीकी विवरण

पत्रिका का आकार
28 X 20.5 सेमी

छपाई क्षेत्र
23 X 16.5 सेमी

भुगतान का माध्यम

'व्यापार प्रबंधक, भारतीय रेल, नई दिल्ली' के पक्ष में डिमाण्ड ड्राफ्ट अथवा नकद राशि रूम नं. 310, रेल भवन, नई दिल्ली-110 001 में जमा की जा सकती है

विज्ञापन सामग्री

ई-मेल, आर्टपुल, सीडी

पत्रिका का प्रसार

समग्र देश में

संपर्क करें :

प्रशांत कुमार पट्टनायक, व्यापार प्रबंधक
310, रायसीना रोड, नई दिल्ली-110 001,
टेलिफोन : 9717647367, 011-233822531, 23303665, 23304456

PARAMOUNT®
QUEST FOR BETTER HEALTHCARE

Over 60 Years of Consistent Evolution & Growth



AroKleen®

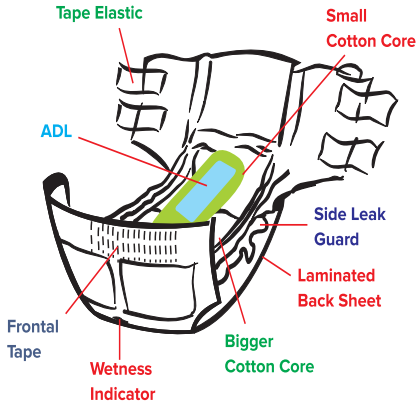
Disposable Adult Diapers
For Urinary Incontinence Management

SUPER ABSORPTION

SKIN SOOTHING LAYER

LONG LASTING PROTECTION

EXTRA SOFT MATERIAL





Wet Wipes

- AroKleen Baby Wipes
- AroKleen Bed Bath Wipes

UNIQUE FEATURES

NO ADDED PARABENS
NO ADDED ALCOHOL
EXTRA THICK & EXTRA SOFT
SILICON FREE
ENRICHED WITH VITAMIN E
pH BALANCED
ALOE VERA EXTRACT
DERMATOLOGICALLY TESTED

UNIQUE FEATURES

pH BALANCED SKIN FRIENDLY pH
ALOE VERA
ENRICHED WITH GLYCERIN



● CONTRACT MANUFACTURER ● OEM AVAILABLE ● CONTACT US FOR DISTRIBUTORSHIP

Paramount Surgimed Limited
Head Office : 1, L.S.C, Okhla Main Road, Phase - II, Okhla, New Delhi - 110020, India

Visit Us
www.paramountsurgimed.com

Reach Us
ho@paramountsurgimedltd.com

Call Us
+91 9311660866, +91 11 46436601, 666

SMRT1

Single phase relay test system

Smart choice for railway relay testing





KEY FEATURES!

- 75Amps high current capacity for testing instantaneous trip elements and high current COMTRADE Playback applications
- With regulated output power and accuracy to test microprocessor and electro-mechanical relays
- 15Amps convertible voltage channel for testing current differential high slope characteristics
- Automated testing templates for a typical Railway testing applications
- Ability to string multiple units together with an Ethernet cable
- Manual (with STVI) and automated relay testing system

Scan QR
code to download E-catalogue or
contact us at +91 91671 90558 /
india.marketing@megger.com

Megger

पंजीयन संख्या : दिल्ली पोस्टल नं. डी.एल. (एन.डी.)-11/6031/2021-22-2023
आर.एन.आई. रजिस्टर्ड नं. 14427/1960
दिनांक 08 को प्रकाशित तथा दिनांक 10-11 को प्रेषित

आई.एस.एस.एन. 2457-0001

THE GLOBAL ROUTE *of* **ECONOMICAL ROLLING STOCK MAINTENANCE** GOES THROUGH **HYT** INDIA...



hyt
HYT ENGINEERING CO. PVT. LTD.

Sales Office: 17-18, Ground Floor, Hans Bhawan, Bahadur Shah Zafar Marg, I.T.O., New Delhi - 110 002, India. Phone: + 91 11 432 02200/01

Work: 29/10, 29/10/1, 29/10/2, D-II Block, MIDC, Chinchwad, Pune - 411 019, India. Phone: + 91 20 6634 3900

www.hytengineering.com I info@hytengineering.com

मुद्रक व प्रकाशक : **प्रशान्त कुमार पट्टनायक** द्वारा रेल मंत्रालय (रेलवे बोर्ड) के लिए मैसर्स जे.के. ऑफसेट ग्राफिक्स प्रा.ली., बी-278, ओखला इंडस्ट्रियल एरिया, फेस-1, नई दिल्ली-20 में मुद्रित व 310, रेल भवन, रायसीना रोड, नई दिल्ली से प्रकाशित। संपादक : **योगेश अवस्थी**